2 फरीदाबाद
कोरोना को मात देने के लिए गाइडलाइंस का पालन करना है जरूरी : डॉ. गुप्ता

6 अभिमत
मंदिर आंदोलन से कांग्रेस बेनकाब

8 देश/विदेश
मेक्सिको के सबसे हिंसक राज्य गुआनाजुआतो में सात की हत्या

11 स्पोर्ट्स
साइना ने शुरू की ट्रेनिंग, साइ केंद्र में शिविर से कुछ हफ्तों में जुड़ेंगी

RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 3 अंक 181
फरीदाबाद, सोमवार, 10 अगस्त, 2020
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

प्रशिक्षित श्रमशक्ति है प्रमुख
कॅरियर- 10

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

कोरोना मीटर

विश्व

कुल	19,680,042
मौतें	727,777
ठीक	11,962,565

भारत

कुल	2,211,488
मौतें	44,441
ठीक	1,530,575

स्रोत: www.covid19india.org

मौसम फरीदाबाद

अधिकतम 38.05°C
न्यूनतम 28.01°C

क्विक न्यूज

भारत-चीन सीमा पर भूकंप के झटके

नई दिल्ली। भारत और पूर्वी जियांग सीमा पर भूकंप के जबरदस्त झटके महसूस किए हैं। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता 4.1 रही। सेंटर ने बताया कि भूकंप के झटके 2.20 बजे महसूस किए गए। बता दें कि, चीन का पूर्वी जियांग क्षेत्र भारतीय सीमा के साथ लगा हुआ है। हालांकि, अभी तक जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

भारत व मोहन बागान के पूर्व खिलाड़ी मनितोम्बी का निधन

कोलकाता। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व डिफेंडर और मोहन बागान के कप्तान रहे मनितोम्बी सिंह का रविवार को 39 साल की उम्र में निधन हो गया। क्लब से जुड़े सूत्रों ने बताया कि उन्होंने मणिपुर के इंफाल के पास अपने पैतृक गांव में रविवार सुबह अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से किसी बीमारी से पीड़ित थे। परिवार ने हालांकि उनकी बीमारी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। उनके परिवार में पत्नी के अलावा आठ साल का बच्चा है।

● विस्तृत खबर पेज-11

जोधपुर में एक ही परिवार के 11 पाक शरणार्थियों की मौत

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर में एक ही परिवार के 11 पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों की मौत हुई है। यह देचू थाने के लोड़ता गांव की घटना है। लोड़ता गांव में एक खेत में रविवार सुबह पाकिस्तान के एक हिंदू परिवार के ग्यारह सदस्य मृत पाए गए। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) राहुल बारहट ने कहा कि इस घटना में जीवित पाए गए व्यक्ति ने इसके बारे में कोई अनुमान नहीं होने का दावा किया है। प्रथम दृष्टया में जाहिर होता है कि सभी सदस्यों ने रात में किसी जहरीली रसायन का सेवन किया था, जिससे इन लोगों की मौत हुई है। झोंपड़ी में चारों ओर किसी रसायन की गंध थी, जिससे लगता है कि इन्होंने कुछ जहरीला पदार्थ खाया होगा।

मौसम : हिमाचल में दो दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट

शिमला। हिमाचल में स्वतंत्रता दिवस के दिन 15 अगस्त को मौसम खराब रहेगा। इस दिन प्रदेश के कई इलाकों में बारिश होने का पूर्वानुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने 10 और 11 अगस्त को भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस दौरान शिमला, सिरमौर, ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी और सोलन जिलों के कई क्षेत्रों में भारी बारिश और तूफान की चेतावनी भी जारी की गई है।

20 लाख करोड़ रुपये के प्रोत्साहन पैकेज से

किसानों के लिए एक लाख करोड़ रुपये की वित्तपोषण सुविधा लांच

योजना से गांवों में रोजगार के अनेक अवसर होंगे तैयार

गांवों में बेहतर भंडारण आधुनिक कोल्ड स्टोरेज की चेन तैयार करने में मदद मिलेगी

एजेंसी। नई दिल्ली

कोरोना काल में देश के किसानों को केंद्र सरकार ने बड़ी सौगात भेंट की है। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के तहत एक लाख करोड़ रुपये की वित्तपोषण सुविधा को लॉन्च किया। यह वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए 20 लाख करोड़ रुपये के प्रोत्साहन पैकेज का हिस्सा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने लोगों को संबोधित करते हुए भगवान बलराम जयंती की शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने पीएम-किसान योजना के तहत 8.55 करोड़ किसानों को 17,100 करोड़ रुपये की छठी किस्त जारी की।

रक्षा क्षेत्र के 101 उपकरणों के आयात पर प्रतिबंध

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को रक्षा क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण एलान किए हैं। रक्षामंत्री ने कहा कि रक्षा मंत्रालय अब 'आत्मनिर्भर भारत' की पहल को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि रक्षा उत्पादन के स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए रक्षा मंत्रालय 101 से अधिक वस्तुओं पर आयात प्रतिबंध लगाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के लिए पांच स्तंभों अर्थात अर्थव्यवस्था, अवसंरचना, प्रणाली, जनसांख्यिकी और मांग के आधार पर भारत के लिए एक विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की जिसका नाम 'आत्मनिर्भर भारत' है। इसे ध्यान में रखते हुए, रक्षा मंत्रालय ने 101 वस्तुओं की एक सूची तैयार की है, जिसके आयात पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। यह रक्षा में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है।

● विस्तृत खबर पेज-09

लद्दाख में सेना का प्रपोजल : लेजर गाइडेड बम और मिसाइलों से लैस हो ड्रोन

लद्दाख। चीन के साथ सीमा विवाद के बीच भारतीय सेना अपनी ताकत बढ़ाने में जुटी हुई है। सेना से इजराइली ड्रोन हेरोन यूएवी को और ताकतवर बनाने के प्रोजेक्ट को आगे बढ़ा दिया। सेना हेरोन को लेजर-गाइडेड बम, प्रेसिशन-गाइडेड म्यूनिशन और दुश्मनों के ठिकानों और बख्तरबंद रेजिमेंट के लिए एंटी टैंक मिसाइल लैस करने की तैयारी में है। लंबे समय से पेंडिंग प्रोजेक्ट चीता नाम के प्रस्ताव को सेना ने फिर से आगे बढ़ाया है। इसमें सरकार के करीब 3500 करोड़ रुपये खर्च होने की उम्मीद है।

इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रविवार को हलषष्ठी है, भगवान बलराम की जयंती है। सभी देशवासियों को, विशेषतौर पर किसान साथियों को हलछठ की, दाऊ जन्मोत्सव की, बहुत-बहुत शुभकामनाएं! इस बेहद पावन अवसर पर देश में कृषि से जुड़ी सुविधाएं तैयार करने के लिए एक लाख करोड़ रुपये का विशेष फंड लॉन्च किया गया है। इस फंड से गांव-गांव में बेहतर भंडारण, आधुनिक कोल्ड स्टोरेज की चेन तैयार करने में मदद मिलेगी और गांव में रोजगार के अनेक अवसर तैयार होंगे।

'लोकतंत्र बचाने को सच्चाई के साथ खड़े रहें'

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को राजस्थान विधानसभा के सभी विधायकों को पत्र लिखकर उनसे लोकतंत्र को बचाने के लिए और प्रदेशवासियों के व्यापक हित में सच्चाई के साथ खड़े होने की अपील की है। पत्र में गहलोत ने सभी विधायकों से राज्य के विकास और समृद्धि के वादों को पूरा करने में उनका सहयोग मांगा है। उन्होंने कहा कि मेरी आप सभी से अपील है कि लोकतंत्र को बचाने, हम में जनता का विश्वास बरकरार रखने एवं गलत परम्पराओं से बचने के लिए आपको जनता की आवाज सुननी चाहिए।

इडुक्की भूस्खलन : 16 और शव मिले

मृतकों की 42 हुई

एजेंसी। इडुक्की

केरल के इडुक्की जिले के राजमाला इलाके में भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 42 हो गई है। शुक्रवार को भारी बारिश के बाद हुए इस हादसे में रविवार को 16 और शव निकाले गए, जिसके बाद मृतकों की संख्या भी बढ़ गई।

उधर, घटनास्थल पर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), पुलिस और अग्निशमन विभाग की ओर से बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही स्निफर कुत्तों की मदद भी ली जा रही है। अभी भी यहां कई लोगों के लापता होने की बात कही जा रही है और उनकी खोज के लिए प्रशासन भी लगा हुआ है।

बता दें कि शुक्रवार को यहां भारी बारिश के बाद चाय बागान में भूस्खलन हो गया, जिसकी वजह से वहां काम कर रहे श्रमिक कीचड़ में दब गए। पानी का बहाव तेज होने और मिट्टी गीली होने की वजह से वहां पर बनी श्रमिक बस्ती भी उजड़ गई। इस मामले में पीएम नरेंद्र मोदी ने भी शनिवार को दु:ख जताया था और पीड़ितों को मुआवजे का एलान किया था।

गुजरात के तीन दिन बाद आंधप्रदेश में अग्निकांड

कोविड-19 फैसिलिटी सेंटर में आग, 10 मरे

एजेंसी। विजयवाड़ा

आंध्रप्रदेश के विजयवाड़ा में रविवार को एक होटल में आग लगने से 10 लोगों की मौत हो गई। होटल को कोविड-19 फैसिलिटी सेंटर के तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा था। घटना के वक्त यहां 40 मरीज थे। मेडिकल स्टाफ के भी 10 लोग थे। यह आग एलुरु रोड स्थित होटल स्वर्ण पैलेस में लगी। इसे रमेश हॉस्पिटल के मैनेजमेंट ने कोरोना के मरीजों के इलाज के लिए किराए पर लिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने घटना को लेकर दुख जताया। मोदी ने कहा कि आंध्रा के मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी से बात की है। हरसंभव मदद की जाएगी। मुख्यमंत्री रेड्डी ने हादसे की जांच का आदेश दिया है। हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों को 50-50 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी।

कृष्णा जिले के डिस्ट्रिक्ट कमिश्नर मोहम्मद इम्तियाज ने बताया कि हादसा तड़के करीब 5 बजे हुआ। ज्यादातर मौतें दम घुटने से हुईं। पूरी बिल्डिंग को खाली करा लिया गया है। अनुमान है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी। बता दें, संक्रमण के मामले में आंध्रप्रदेश देश में तीसरे नंबर पर है। यहां 2.17 लाख कोरोना के केस आ चुके हैं। 85 हजार 486 मरीजों का इलाज चल रहा है। 129,615 मरीज ठीक हो चुके हैं, जबकि 1939 मरीजों ने इस बीमारी से जान गंवाई है।

मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख रुपये की सहायता

मुख्यमंत्री रेड्डी ने दिए हादसे के जांच के आदेश

गुजरात में तीन दिन पहले हुआ था ऐसा ही हादसा

गुजरात के अहमदाबाद के श्रेय कोविड-19 अस्पताल में भी गुरुवार को आग लगी थी। इस हादसे में 8 मरीजों की मौत हुई थी। इनमें 5 पुरुष और 3 महिलाएं शामिल थे। आग अस्पताल के चौथी मंजिल पर लगी। पुलिस ने इस मामले में अस्पताल के ट्रस्टी भारत महंत और एक कर्मचारी को हिरासत में लिया है।

मुख्तार अंसारी का शूटर एनकाउंटर में ढेर

लखनऊ। भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की हत्या का आरोपी एक लाख का इनामी बदमाश हनुमान पांडे यूपी पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के साथ मुठभेड़ में रविवार को मारा गया। एसटीएफ के सूत्रों ने बताया कि माफिया डॉन मुख्तार अंसारी का करीबी माना जाने वाला हनुमान पांडे उर्फ राकेश पांडे लखनऊ के सरोजनी नगर इलाके में रविवार सुबह मुठभेड़ में मारा गया, जबकि उसके चार साथी भागने में कामयाब रहे। पांडे वर्ष 2005 में गाजीपुर जिले के भांवर कोल इलाके में भाजपा विधायक कृष्णानंद राय की हत्या के मामले में आरोपी था। वह बागपत जेल में मारे गए कुख्यात सरगना मुन्ना बजरंगी का भी करीबी बताया जाता था। सूत्रों ने बताया कि सरोजनी नगर इलाके में एक कार में सवार पांच बदमाश भाग रहे थे। पीछा करने पर बदमाशों ने एसटीएफ टीम पर गोली चलाई। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश की मौत हो गई।

सुरक्षाबलों ने पुंछ में घुसपैठ कर रहे एक आतंकी को मार गिराया

एजेंसी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में रविवार को एलओसी से घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक आतंकी को सुरक्षाबलों ने मार गिराया। दो की हालत गंभीर है। इलाके में अभी सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पीआरओ लेफ्टिनेंट कर्नल देवेंद्र आनंद ने बताया कि कुछ आतंकवादी शुक्रवार को कृष्णा घाटी सेक्टर में एलओसी पार कर घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान उन्हें पकड़ने की कोशिश की गई तो उन्होंने फायरिंग शुरू की दी।

जवाबी गोलीबारी में एक आतंकी ढेर हो गया और दो घायल हो गए। गोलीबारी के बाद जब खोजबीन की गई तो एक आतंकी का शव घटनास्थल से दूर मिला। उसके साथियों ने उसे ले जाने की कोशिश की थी। लेकिन घायल होने की वजह से नहीं ले जा पाए। उसके पास से एक एके- 47, दो मैग्जीन और कुछ खाने का सामान मिला। खाने के पैकेटों पर पाकिस्तान की मार्किंग भी थी।

आतंकियों ने भाजपा नेता को गोली मारी

जम्मू-कश्मीर के बडगाम में आतंकियों ने रविवार को भाजपा नेता को गोली मार दी। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बडगाम के मोहिंदपोरा निवासी अब्दुल हामिद नजर भाजपा के ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष हैं। इससे पहले 6 अगस्त को कुलगाम में आतंकियों ने भाजपा सरपंच सजाद अहमद खंडे की हत्या कर दी थी। जुलाई में बांदीपोरा के पूर्व भाजपा अध्यक्ष वसीम बारी, उनके पिता और भाई की भी हत्या कर दी थी।

भंग नहीं होगा मार्केटिंग बोर्ड : दुष्यंत

पायनियर समाचार सेवा। जींद

हरियाणा में मार्केटिंग बोर्ड भंग करने की चल रही चर्चाओं पर पर विराम लगाते हुए उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि यह भंग नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पहले किसान पर प्रतिबंध था कि वह अपनी फसल को केवल बाजार समिति के दायरे में ही बेच सकता था, लेकिन अब किसान अपनी फसल को कहीं भी बेच सकता है।

चौटाला ने कहा कि इस प्रक्रिया में सरकार को राजस्व में नुकसान होगा, क्योंकि पहले चार प्रतिशत शुल्क लगा करती थी, जिसमें दो प्रतिशत मार्केट फीस होती थी। वह एक प्रतिशत पूरे देश में है। कोई भी व्यक्ति बाजार समिति की मंडियों से बाहर फसल खरीदना, बेचना चाहता है पहले उन पर प्रतिबंध था जो अब नहीं है। वह शनिवार देर शाम को किसान सेवा केंद्र में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ दिन पहले हुई बारिश के बाद उचाना, नरवाना के कई गांवों में कपास की फसल को नुकसान हुआ है। इसको लेकर विशेष सर्वेक्षण के आदेश दे दिए है। किसानों को किसी तरह का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। स्पेशल सर्वेक्षण करवा कर किसानों को मुआवजा सरकार देगी। बरोदा उपचुनाव को लेकर चौटाला ने कहा कि बरोदा उपचुनाव अब तक घोषित नहीं है। कोरोना वायरस की क्या स्थिति रहेगी उसको देखते हुए चुनाव घोषित होंगे, उसके बाद ही गठबंधन अपने उम्मीदवार को लेकर फैसला लेगी। उन्होंने कहा कि बरोदा में निश्चित रूप से गठबंधन का उम्मीदवार जीतेगा।

अज्ञात जगह के लिए निकले भाजपा के छह विधायक

अहमदाबाद। राजस्थान में 14 अगस्त से शुरू होने वाले महत्वपूर्ण विधानसभा सत्र से पहले गुजरात पहुंचे राजस्थान भाजपा के छह विधायक शनिवार देर रात किसी अज्ञात स्थान के लिए रवाना हो गए। भाजपा महासचिव मानसिंह परमार ने कहा कि विधायक सुबह गेस्ट हाउस छोड़ कर चले गए। मेरे पास इस बारे में कोई जानकारी नहीं कि वे कहां गए। मेरी जिम्मेदारी शनिवार को उनके पोरबंदर से सोमनाथ पहुंचने पर उन्हें अतिथि-गृह तक पहुंचाने की थी। मैं रात के खाने के बाद वहां से निकल गया था।

देवघर: जहरीली गैस से दो मजदूरों सहित छह की मौत

देवघर। झारखंड के देवघर के देवीपुर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक सेप्टिक टैंक में जहरीली गैस की चपेट में आने से दो मजदूरों सहित छह लोगों की मौत हो गई है। देवीपुर मुख्य बाजार के पास नया सैप्टिक टैंक का निर्माण कराया था। रविवार सुबह शेटरिंग को खोलने के लिए पहले एक मजदूर टंकी में उतरा।

काफी देर तक बाहर नहीं आने के बाद दूसरा मजदूर भी टंकी में गया और वह भी वापस नहीं आया। इसके बाद अन्य मजदूर भी जब वापस नहीं लौटे तो मकान मालिक और उसका भाई टंकी में उतर गए। इन्हें जब डॉक्टर के पास ले जाया गया, तो उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों में देवीपुर थाना क्षेत्र के कोल्हड़िया गांव निवासी गोविंद मांझी (48) और उनका पुत्र बबलू मांझी (26) व लालू मांझी (24) शामिल है, इसके अलावा एक अन्य मजदूर पिरहा कट्टा निवासी लीलू मुर्मू (27) शामिल है। हादसे में मालिक ब्रजेश चंद बरनवाल (48) और उनका भाई मिथिलेश चंद बरनवाल (42) की भी मौत हो गई।

नेपाल ने अयोध्या श्रीराम के बाद गौतम बुद्ध को बनाया मुद्दा

काठमांडो। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने भारतीय विदेशमंत्री एस जयशंकर के एक बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने महात्मा बुद्ध को भारतीय बताया था।

रविवार को जारी एक बयान में नेपाली विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक और पुरातात्विक सबूतों द्वारा सिद्ध सर्वविदित तथ्य है कि गौतम बुद्ध का जन्म नेपाल के लुंबिनी में हुआ था। बता दें कि जयशंकर ने शनिवार को एक वर्चुअल कार्यक्रम में दावा किया था कि बुद्ध भारतीय थे।

सरपंचों पर आज हो सकती है बड़ी कार्रवाई

घोटालेबाजों पर निलंबन की कार्रवाई तय

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

नीमका और मुजेड़ी ग्राम पंचायत में कोरोना की आड़ में धनराशि का दुरुपयोग किए जाने के मामले में सोमवार को बड़ी कार्रवाई अमल में लाई जा सकती है। जिला उपायुक्त यशपाल यादव को जो जांच रिपोर्ट में सौंपी गई है, उसमें परत-दर-परत खामियों को उजागर किया गया है। यशपाल यादव सोमवार को इस पर कार्रवाई अमल में लाएंगे।

बता दें, पायनियर समाचार पत्र ने इस मामले में घोटाले की परतों को उधेड़ा था। प्रारंभिक जांच में दोनों पंचायतों के सचिवों को निलंबित किया था। सरपंचों के निलंबन की कार्रवाई जांच रिपोर्ट पर आधारित है। यदि जांच रिपोर्ट में वे निर्दोष मिलते हैं, तो उन्हें ससम्मान सरपंची करने दी जाएगी, अन्यथा निलंबन तय है।

क्या था मामला

दरअसल, नीमका ग्राम पंचायत में सरपंच पर आरोप है कि कोरोना की आड़ में मार्च-अप्रैल के बीच बेतरतीब तरीके से मास्क व सेनेटाइजर वितरित किए जाने के लिए फर्जी बिल बनाए गए। आरोप है कि इस पूरे खेल में कई बड़े लोग शामिल रहे हैं। आरोप है कि करीब 62 लाख रुपए से ज्यादा की अनियमितता पंचायती फंड निकासी में बरती गई। इसी तरह मुजेड़ी की सरपंच रानी पर आरोप है कि कुछ ठेकेदारों के साथ सांठगांठ करके उसने करीब 3 करोड़ रुपए के आसपास पंचायती फंड से अनियमित निकासी की है। इन दोनों मामलों की जांच जिला उपायुक्त यशपाल यादव ने एसडीएम फरीदाबाद को सौंपी थी। इसी प्रकरण में मुजेड़ी निवासी सुंदर कपासिया की शिकायत में डायरेक्टर पंचायत विभाग सुशील सारवान भी कर रहे हैं। मुजेड़ी का मामला पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में भी विचाराधीन है, जिसमें विभाग को जांच रिपोर्ट सौंपनी हैं।

पाक-बांग्लादेश की सीमा चौकियों पर 'इंडिपेंडेंस डे वॉक' करेगी बीएसएफ

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रशिक्षण केंद्रों के साथ ही पाकिस्तान और बांग्लादेश मोर्चे पर हर सीमा चौकी पर 14 और 15 अगस्त की दो रातें गुजारेंगे

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पाकिस्तान और बांग्लादेश मोर्चे पर अपनी सभी सीमा चौकियों और क्षेत्रीय इकाइयों में 15 अगस्त को 'इंडिपेंडेंस डे वॉक' आयोजित करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। बीएसएफ मुख्यालय ने अपने सभी कमांडरों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि एक वरिष्ठ अधिकारी अन्य कार्यालयों एवं प्रशिक्षण केंद्रों के साथ ही पाकिस्तान और बांग्लादेश मोर्चे पर हर सीमा चौकी पर 14 और 15 अगस्त की दो रातें गुजारें।

यह 74वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का हिस्सा है। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ प्रमुख एसएस देसवाल के निर्देश पर यहां मुख्यालय ने छह अगस्त को यह आदेश जारी किया। देसवाल ने बीएसफ में कुछ फिटनेस कार्यक्रम शुरू किए हैं। इस बल में करीब ढाई लाख कर्मी हैं। देसवाल पिछले चार महीने से बीएसएफ के प्रमुख का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे हैं। वह भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के नियमित महानिदेशक हैं। आईटीबीपी के कंधों पर चीन के साथ लगती 3488 किलोमीटर की वास्तविक नियंत्रण रेखा की चौकसी की जिम्मेदारी है।

अधिकारियों के मुताबिक, देसवाल ने आईटीबीपी में भी कुछ ऐसी गतिविधियां प्रारंभ की हैं। 15 अगस्त से संबंधित आदेश में कहा गया है कि जो अधिकारी सीमा चौकियों पर जाएंगे वे चार चीजें: ध्वजारोहण, पौधरोपण, चौकी के सभी कर्मियों एवं अधिकारियों के साथ दस किलोमीटर का 'इंडिपेंडेंस डे वॉक' एवं 'शानदार कार्य' करने वाले 50 चयनित कर्मियों के साथ 'बड़ाखाना' या वृहद् भोज का आयोजन करेंगे।

-राइट विजन-

कोरोना को मात देने के लिए गाइडलाइंस का पालन करना है जरूरी : डॉ. गुप्ता

लॉकडाउन में लोग जितना कोरोना से बचाव करने के लिए प्रति जागरूक थे, अब अनलॉक में लोग बचाव के नियमों का पालन करने में उतनी ही लापरवाही बरत रहे हैं। अभी खतरा टला नहीं है। अनलॉक में हमें पहले से ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है। सरकार द्वारा जारी की गई गाइडलाइन कोई दबाव नहीं है। सरकार ने हमारी सुरक्षा के लिए ही बचाव के नियम बनाए हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी और परिवार की सुरक्षा के लिए मास्क का उपयोग, सोशल डिस्टेंसिंग और स्वच्छता अपनानी होगी। तभी हम कोरोना से जीत पाएंगे। यह कहना है कि बीके सिविल अस्पताल के चेस्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. योगेश गुप्ता का। **पेश है पायनियर के वरिष्ठ संवाददाता राजेश दास और डॉ. योगेश गुप्ता की बातचीत के अंश :-**

जीवन परिचय

नाम : डॉ. योगेश गुप्ता
जन्मदिन : 17 सितंबर 1976
पिता : आरडी गुप्ता
माता : भगवती देवी
पत्नी : डॉ. अर्पणा गुप्ता
परिवार बेटी इशानी व प्रियानी
स्कूल : 12 वीं गोवर्नमेंट स्कूल खजुराहों, मध्यप्रदेश
उच्चशिक्षा : एमबीबीएस, टीबीएन, डीएमबी
रूचि : रोगी को निरोग करना

सवाल : शिक्षा के दौरान क्या आप अन्य गतिविधियों में भी शामिल रहते थे।
जवाब : पढ़ाई के दौरान मैं क्रिकेट और शतरंज का खिलाड़ी रहा हूं। कॉलेज के दौरान मैने शतरंज में राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में भी उपलब्धियां हासिल की हैं।

सवाल : आपने किसकी प्रेरणा से डॉक्टरी का पेशा अपनाया।
जवाब : हमारे परिवार में कोई डाक्टर नहीं था। इसलिए मेरी माताजी भगवती देवी मुझे डॉक्टर बनाना चाहती थी। बचपन से ही उन्होंने मुझे तैयारी करवानी शुरू कर दी थी। साथ मेरे बड़े भाई और स्कूल के अध्यापकों ने मुझे सफल बनाने के लिए काफी प्रयास किए।

सवाल : शिक्षा के बाद आपने करियर की शुरूआत कैसे की।
जवाब : वर्ष 2009 में मैने दिल्ली स्थित राजनबाबू इंस्टियूट ऑफ पलमोनरी मेडिसिन एंड टीबी हॉस्पीटल में काम करना शुरू किया। यहां मैने करीब दो साल तक काम किया। इस दौरान मैने कुछ निजी अस्पताल में भी काम किया।

सवाल : आपने हरियाण स्वास्थ्य विभाग कब ज्वाइन किया।
जवाब : वर्ष 2011 में मैने हरियाणा स्वास्थ्य विभाग ज्वाइंन किया। मुझे पहली तैनाती बीके अस्पताल में मिली। फिलहाल भी मैं यहीं पर कार्य कर रहा हूं।

सवाल : क्षयरोग (टीबी) पर नियंत्रण पाने के लिए क्या प्रयास हो रहे हैं।
जवाब : क्षयरोग के प्रति अब लोगों में जागरूकता बढ़ रही है। इसलिए अब ज्यादा मरीजों की पहचान हो रही है। सरकार ने वर्ष 2025 तक देश को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य दिया है। सरकार की तरफ से क्षयरोगियों की नि:शुल्क जांच और उपचार दिया जा रहा है। जिससे मरीजों को काफी फायदा हो रहा है।

सवाल : साधारण व्यक्ति कैसे क्षयरोग की पहचान कर सकता है।
जवाब : क्षयरोग की पहचान करना सबसे ज्यादा आसान है। यदि तीन सप्ताह से ज्यादा खांसी हो। लगातार खासकर शाम को बुखार होना, बलगम आना, भूख न लगना और वजन कम होने क्षयरोग के लक्षण हैं। इस तरह के लक्षण पाए जाने पर इंतजार करने की बजाए व्यक्ति को तुरंत सरकारी अस्पताल जाकर अपनी जांच करानी चाहिए।

सवाल : कोरोनाकाल में आप कैसे मरीजों का इलाज कर रहे हैं।
जवाब : मैं कोरोनाकाल में लगातार अपनी ड्यूटी पर तैनात हूं। ओपीडी के अलावा मैं विभिन्न वार्डो में जाकर प्रतिदिन मरीजों का इलाज कर रहा हूं।

सवाल : आप गरीब और जरूरतमंदों मरीजों की कैसे मदद करते हैं।
जवाब : एनजीओ के माध्यम से अथवा खुद भी गरीब तबके के मरीज मेरे पास आते रहते हैं। उनका इलाज करने के साथ ही मेरे से जो भी सम्भव हो पाता है, मैं उनकी पूरी मदद करता हूं।

सवाल : वर्तमान स्थिति में हम कोरोना से कैसे जीत सकते हैं।
जवाब : कोरोना से बचने का एक मात्र उपाय बचाव है। इसलिए सभी को एहतियात बरतते हुए अपने जरूरी काम करने होंगे।

सवाल : क्या लॉकडाउन ठीक समय पर हुआ था।
जवाब : सरकार ने काफी सोच समझ कर सही समय पर सही कदम उठाया था। लॉकडाउन के दौरान सरकार ने वायरस से लड़ने के लिए तमाम तैयारियां पूरी कर ली थी। इसी वजह से देश में स्थिति काफी हद तक नियंत्रण में है।

संक्षिप्त समाचार

आईएमटी भी पहुंचे थे सीएम, दिया आश्वासन

फरीदाबाद। हरियाणा चीफ मिनिस्टर मनोहर लाल खट्टर फरीदाबाद दौरे के दौरान आईएमटी भी पहुंचे। फरीदाबाद आईएमटी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पदाधिकारियों को विशेष तौर पर मिलने कर समय दिया। इस मौके पर उनके साथ केन्द्रीय मंत्री किशन पाल गुज्जर, हरियाणा केबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा, स्थानीय विधायक एवं एचएसडब्ल्यूसी के चेयरमैन नयनपाल रावत, तिगांव विधायक राजेश नागर, बडखल विधायक सीमा त्रिखा, चीफ़ मिनिस्टर साहब के राजनैतिक सचिव अजय गौड़ एवं शहर के कई सीनियर अधिकारी भी उपस्थित थे। एसोसिएशन के प्रधान वीरभान शर्मा ने बताया कि सीएम ने उनकी समस्याओं एवं मांगों को विस्तार से सुना। उन्होंने आश्वासन दिया कि आईएमटी के निम्न स्तर इन्फ्रास्ट्रक्चर (सड़क सीवरेज एवं ड्रेनेज) सुधार के लिए एचएसआईआईडीसी को बहुत जल्द बजट मंजूर करके निर्देश दे दिए जायेंगे ताकि ये सब जल्द से जल्द हो जाए। साथ ही राजनीतिक सचिव अजय गौड़ को चण्डीगढ़ से एचएसआईडीसीसी के सीनियर अधिकारी को जल्द दौरा करने का निर्देश देने को भी कहा। सीएम ने आईएमटी को बल्लभगढ़ मेट्रो से जोड़ने तथा शहर को मदर यूनिट देने की बात पर भी विचार करने का आश्वासन दिया। इस विचार विमर्श में फरीदाबाद आईएमटी इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के महासचिव चन्द्र शेखर गोयल एवं उपप्रधान कृष्ण कौशिक भी शामिल रहे।

कांग्रेसी नेताओं ने भारत छोड़ो आंदोलन और अगस्त क्रांति की वर्षगांठ मनाई

फरीदाबाद। कांग्रेस की देश को आजाद कराने में बड़ी भूमिका है। कांग्रेस पार्टी ने अलगाव नहीं लगाव की राजनीति की है। सभी के सहयोग से सबको साथ लेकर चलने वाले सबसे पुराने राजनैतिक दल कांग्रेस का इतिहास बहुत गौरवशाली है। अपनी इसी परम्परा और सोच को पार्टी वर्तमान समय में भी बखूबी निभा रही है। यह विचार हरियाणा कांग्रेस पार्टी के प्रदेश सचिव राजन ओझा ने ओल्ड फरीदाबाद राजीव गांधी चौक स्थित कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। अगस्त क्रान्ति के पुरोधाओं को नमन करने के उपरांत राजन ओझा ने कहा कि भारत छोड़ो आंदोलन जिसे अगस्त क्रांति के नाम से भी जाना जाता है। 8 अगस्त 1942 की शाम को मुम्बई में हुई अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया। इस प्रस्ताव में यह घोषित किया गया था कि अब भारत में ब्रिटिश शासन की तत्काल समाप्ति भारत में स्वतंत्रता तथा लोकतंत्र की स्थापना के लिए अत्यंत जरुरी हो गयी है। प्रस्ताव के पारित होने के बाद गांधी जी द्वारा दिया गया एक छोटा सा मंत्र.(करो या मरो) भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान प्रत्येक भारतीय लोगों के लिए एक सूत्रीय संकल्प और मुख्य नारा बन गया। यही वो आंदोलन था जो साल दर साल तेज होता गया जिसके चलते अंग्रेजों को भारत छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। अगस्त क्रान्ति ही आगे चलकर 15 अगस्त, 1947 की आजादी का आधार बनी।
इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं प्रगतिशील किसान मंच के अध्यक्ष सत्यवीर डागर, जिला कांग्रेस के प्रभारी मोहम्मद बिलाल उटावड़, रामजी लाल, राजेन्द्र सिंह चौहान, राजेश आर्य, सरदार हरजीत सिंह, के सी माहौर, नीरज गुप्ता, अशोक रावल, रमेश ओझा, टिंकू ओझा, नरेश, राहुल नागर, संजय सोलंकी, सुरेश राज, मुकेश शीधर, बाल किशन वशिष्ट, हरीश ऋषि, अजय शर्मा, नगेश सहगल, देवेन्द्र शर्मा, देवीसिंह, बाबूलाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सीआरपीएफ जवानों के साथ किया पौधारोपण

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ के सेक्टर-दो स्थित शहीद चंद्र शेखर आजाद पार्क में क्रांति दिवस के मौके पर सीआरपीएफ के जवानों के साथ मिलकर हरियाणा के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा के बड़े भाई टिपर चंद शर्मा ने पौधारोपण किया। इस मौके पर जहां सीआरपीएफ के जवानों के साथ मिलकर तिरंगे को सलामी दी। वहीं 251 पौधे लगाकर हरा भरा हरियाणा का भी संदेश दिया। सीआरपीएफ के कमांडेंट मनीष कुमार ने बताया कि क्रांति दिवस के मौके पर उन्होंने शहीद पंडित चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर फूल मालाएं अर्पित कर उन्हें पुष्पांजलि भेंट की। भाजपा नेता टिपर चंद शर्मा ने सीआरपीएफ के जवानों को बधाई देते हुए कहा कि अब हमारा देश फौज की हिम्मत के कारण मजबूत है। देश का हर नागरिक फौज की ही सतर्कता और हिम्मत के कारण चैन की नींद सोता है। उन्होंने कहा कि देश के महान क्रांतिकारियों के कारण ही आज देश आजाद है और हम आजादी की सांस ले रहे हैं। इस मौके पर सीआरपीएफ के जवानों में केपी यादव, अशोक शर्मा हवलदार, दिलबाग सिंह रावत के अलावा ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष सुरेंद्र बबली, पारस जैन, वेदप्रकाश पाराशर, राजकुमार शर्मा, सोनू सागर, सुष्मिता भौमिक, संगीता नेगी भी मुख्य रूप से मौजूद रहे।

शहर का तापमान

- अधिकतम 31.26 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 26.02 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- आशा वर्करों का प्रदर्शन जारी: सुबह 10 बजे
- मेवला महाराजपुर निवासी सीपी से लगाऐंगे न्याय की गुहार- सुबह 11 बजे
- बीके सिविल अस्पताल में ओपीडी खुलेगी : सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक
- बीके अस्पताल में कोरोना जांच : सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक

निवेश गुरु

अल्पकालिक निवेश

एक वर्ष या उससे कम समय के लिए किये गये निवेश को अल्पकालिक निवेश कहते हैं। इस तरह के निवेश से भी कमाई की जा सकती हैं। आप जानते हैं कि बूंद-बूंद से घड़ा भर जाता है। उसी प्रकार छोटी-छोटी कमाई से भी हमारा निवेश बड़ा हो जाता है। मान लीजिए कि आप हर महीने कुछ पैसों का बचत कर रहे हैं। आपके पास अभी इतने पैसे जमा नहीं हुआ है कि आप एक बार में बड़ा प्रॉपर्टी खरीद सके।

यूटीलिटी न्यूज

जागरूकता बैन को दिखाई हरी झंडी

फरीदाबाद। अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर मान ने रविवार को लघु सचिवालय से जिला को गन्दगी मुक्त भारत अभियान के तहत स्वच्छ बनाने के लिए जागरूक वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस वैन के जरिये आम जन को जिला को पोलीथिन मुक्त बनाने के लिए लोगों को जागरूक किया जाएगा। अतिरिक्त उपायुक्त सतबीर मान ने बताया कि सरकार की हिदायतों के अनुसार जिला में पोलीथिन मुक्त बनाने के लिए यह जागरूकता अभियान स्वच्छ भारत मिशन के तहत चलाया जा रहा है। लोगों को पोलीथिन मुक्त बनाने के लिए जागरूक किया जाएगा। इसके अलावा जिला विकास एवं पंचायत विभाग को निर्देश दिये गये हैं कि वे भी इस अभियान में अधिक से अधिक लोगों को भागीदार बनाकर उन्हें जिला को पोलीथिन मुक्त बनाने के लिए जागरूक करें। इस अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन के जिला कोर्डिनेटर उपेन्द्र सिंह बालन तथा स्वच्छता अभियान से जुड़े अन्य अधिकारी तथा कर्मचारियों उपस्थित थे।

क्विक न्यूज

हथियार खरीद कर रोब दिखाने वाला गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर 48 ने अवैध हथियार रखने के जुर्म में गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश निवासी सोनू पुत्र सुखबीर को गिरफ्तार किया है। एसीपी धारणा यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी को गुप्त जानकारी के आधार पर गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ अवैध हथियार का मामला थाना मुजेसर में दर्ज किया गया है। पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि वह नशा करने का आदी है। दोस्तों में हवाबाजी और अपना रौब जमाने के लिए देसी हथियार रखता है। सोनू ने बताया कि उसने यह हथियार जेवर यूपी से चार हजार रुपये में खरीदा था। पुलिस ने आरोपी को आज अदालत में पेश कर जेल भेजा है।

आखिर कहां गई करोड़ों के घोटाले की जांच रिपोर्ट

विजिलेंस ने तीन साल पहले की थी घोटाले की जांच

जांच के बाद अब तक दोषियों पर नहीं हो सकी कोई कार्रवाई

राजेश दास। फरीदाबाद

नगर निगम और भ्रष्टाचार एक दूसरे का पर्याय बन चुके हैं। नगर निगम के अधिकारी शहरवासियों को सुविधा देने के लिए कम और अपने फायदे के लिए विकास कार्य ज्यादा करवाते हैं। शहर की तमाम सड़क टूट चुकी हैं। सीवर का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों पर बह रहा है, लेकिन निगम के अधिकारी उन स्थानों पर विकास कार्य करवाने के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च कर रहे हैं, जहां पहले से सबकुछ ठीक है। निगम के लिए यह कोई नई बात नहीं है। निगम अधिकारियों की इन कारगुजारियों की जांच राज्य सर्तकता ब्यूरों कई बार कर चुका है, लेकिन जांच के बाद आज तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई। वर्ष 2017 में भी विजिलेंस ने करीब छह करोड़ रुपये के एक घोटाले की जांच की थी। लेकिन कार्रवाई न होने पर निगम के कुछ अधिकारी रिटायर हो चुके हैं तो कुछ पदोन्नत हो गए हैं।

छह करोड़ का घोटाला

नगर निगम ने वर्ष 2008-2009 में बल्लभगढ़ सोहना रोड और हार्डवेयर चौक से सोहना रोड तक पानी की दो पाइप लाइन डाली गई थी। इनमें एक काम चार करोड़ 53 लाख रुपये और दूसरा काम दो करोड़ 88 लाख रुपये का था। दोनों ही कामों में कई तरह लापरवाही तो बरती गई थी। साथ ही इन कामों की कोई जरूरत नहीं थी। नगर निगम ने इन दोनों कामों पर करोड़ों रुपये व्यर्थ में खर्च कर सरकारी धन का दुरूपयोग किया था। मामले का पता चलते ही आरटीआई कार्यकर्ता सुरेश चंद गुप्ता ने उस समय सरकार से शिकायत कर मामले की राज्य सर्तकता ब्यूरो से जांच करवाने की मांग की थी। उन्होंने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि इन दोनों कामों में निगम अधिकारियों ने ठेकेदारों की मिलीभगत से कई करोड़ का घोटाला किया है। पहले से मौजूद पाइप लाइन की जगह बदलने की कोई जरूरत नहीं थी। पाइप लाइन डालने के दौरान नीचे गलत तरीके से कच्ची रोड़ी डाली गई है। पहले से मौजूद पाइप लाइन को निकाल कर बेच दिया गया है। इस विकास कार्य की कोई जरूरत नहीं थी। फिर भी निगम ने ठेकेदार को पूरा भुगतान दे दिया।

फोटो : राजेश पुंजानी

हाल ही में हुआ घोटाला

नगर निगम ने एनआईटी इलाके में पैरीफेरल रोड का निर्माण हाल ही में करवाया है। ठेकेदार को सड़क बनाने के साथ साथ दोनों तरफ अंडरग्राउंड नाला, सर्विस रोड और साइकिल ट्रेक का निर्माण करवाना था। सड़क निर्माण में ठेकेदार ने काफी लापरवाही बरती है। नीलम बाटा रोड पर सिर्फ एक ही तरफ सर्विस रोड बनाई गई है। जबकि साइकिल ट्रेक बनाने की जरूरत महसूस नहीं की। कई स्थानों पर अभी नाले का निर्माण भी नहीं हुआ है। एनआईटी थाने से नीलम चौक तक नाले का निर्माण स्मार्ट सिटी के तहत एलएनटी ने किया है। जबकि इस नाले का निर्माण पैरीफेरल रोड बनाने ठेकेदार को करना था। तालमेल के अभाव में नाले के निर्माण का फायदा दोनों ठेकेदारों को मिलेगा।

कार्रवाई नहीं पदोन्नति दी जा रही

घोटाले की जांच विजिलेंस ने करीब सात साल बाद शुरू की। जांच के बाद अब तीन साल से ज्यादा समय गुजर चुका है। लेकिन इसके बावजूद आज तक इस मामले में लिप्त नगर निगम के अधिकारियों के खिलाफ सरकार की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की गई। जबकि इस मामले में लिप्त नगर निगम के कई अधिकारी तो सेवानिवृत भी हो चुके है। जबकि अन्य कुछ अधिकारियों को सरकार ने पदोन्नति देकर बड़े पदों पर तैनात कर दिया है। नगर निगम में यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी निगम के कई घोटालों की जांच हो चुकी है तो कई मामलों की जांच लंबित पड़ी हुई है। लेकिन मामले में लिप्त पाए जाने वाले निगम अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करना तो दूर उन्हें पुरस्कार के रूप में लगातार पदोन्नति दी जा रही है।

सात साल बाद अब फिर जांच शुरू

शिकायत करने के बाद आरटीआई कार्यकर्ता सुरेश चंद गोयल ने जांच की मांग करते हुए रिमाइंडर भेजे थे। बाद में कुछ समाजसेवियों ने इस घोटाले की जांच की मांग को लेकर शहर में सत्याग्रह शुरू कर दिया था। जिसके बाद सरकार ने राज्य सर्तकता ब्यूरों को मामले की जांच करने के आदेश दिए थे। मुख्यालय के आदेश पर विजिलेंस की टीम ने निगमायुक्त को पहले नोटिस भेजा। जिसके बाद विजिलेंस टीम 12 जुलाई 2017 को जांच के लिए निगम मुख्यालय पहुंची। टीम में एक डीएसपी, एक इंस्पेक्टर, एक एक्सईएन और एक एसडीओ शामिल थे। टीम ने तत्कालीन चीफ इंजीनियर, करनाल के चीफ इंजीनियर, पानीपत में तैनात एसई, गुरूग्राम में तैनात एक्सईएन और चार एसडीओ से इस पूरे मामले में गहनता के साथ पूछताछ की थी। साथ ही संबंधित कुछ कागजात भी लिए थे। इस जांच टीम ने उस दौरान निगम अधिकारियों के साथ विकास कार्य स्थल का मौका मुआयना भी किया था। जांच पड़ताल के बाद विजिलेंस टीम यहां से लौट गई थी।

भ्रष्टाचार को बढ़ावा

आरटीआई कार्यकर्ता सुरेश चंद गोयल ने बताया कि भ्रष्टाचार पर अकुंश लगाने के लिए उन्होंने अनेक शिकायतें की है। लेकिन ज्यादातर मामलों की जांच लंबित पड़ी हुई है। विजिलेंस द्वारा लंबे समय तक जांच को लंबित रखा जाता है। जांच के बाद विभाग कोई कार्रवाई नहीं करते। इसी वजह से भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिल रहा है।

कोविड अस्पतालों में आग से बचाव का क्या है इंतजाम

सूचना के अधिकार के तहत मांगी जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अहमदाबाद में कोविड-19 अस्पताल में हुए अग्निकांड में 8 लोगों की जान गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए। इसी तरह का दूसरा हादसा विजयवाड़ा के कोविड-19 अस्पताल में हुआ। शुरुआती जांच में पता चला की उस संस्थान के पास अग्निशमन विभाग की एनओसी या आग से बचाव के साधन नहीं थे। जिसे देखते हुए आरटीआई कार्यकर्ता अजय बहल ने एक आरटीआई लगाकर कुछ जानकारी मांगी है।

जिसमें उन्होंने पूछा है कि प्रशासन द्वारा कोविड अस्पताल में बुनियादी सुरक्षा प्रबंधों का आंकलन या बचाव का क्या उपाय किया गया है। जिले में भी कोरोना अस्पतालों या अन्य सहायता केंद्रों जिनमें रोज हजारों मासूम लोग जांच व इलाज के लिए आते हैं। ऐसी किसी भी अप्रिय घटना होने की स्थिति में न तो यह संसाधन और न ही जिला प्रशासन या फरीदाबाद का अग्निशमन विभाग उसे रोक पाने में सक्षम होगा।

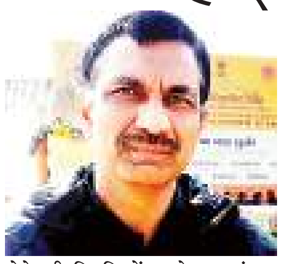

एक्टिविस्ट ने पूछे हैं ये सवाल

बहल ने पूछा कि जिले में चलाये जा रहे निजी और सरकारी कोरोना अस्पतालों या अन्य सहायता केंद्रों की संख्या नाम और पते सहित जानकारी दी जाए। इन संस्थानों का पंजीकरण करने वाले विभाग की जानकारी अनापत्ति प्रमाण पत्र देने वाले विभाग का नाम सम्बंधित कागजात की सत्यापित प्रति सहित उपलब्ध करवाने की मांग की है। इनमें से कितने संस्थानों के पास अग्निशमन अनापत्ति प्रमाण पत्र हैं, बताएं। इन संस्थानों में अग्निशमन बचाव उपकरण किस कंपनी या संस्था द्वारा लगाए गए हैं, उनकी भी जानकारी उपलब्ध करवाएं। इन संस्थानों में आग लगने जैसी कोई भी अप्रिय घटना होने पर किस अधिकारी या विभाग की ज़िम्मेदारी होगी बताया जाये। कोरोना संस्थानों में सरकार द्वारा अग्निशमन और इमरजेंसी के हादसों, आपदा से निपटने के लिए जो मॉक ड्रिल और ट्रेनिंग करवाई गई उसकी विस्तृत जानकारी सत्यापित प्रति सहित दें। फरीदाबाद में कुछ कम्युनिटी सेंटर व अन्य संस्थानों को कोविड आइसोलेशन केंद्र बनाया गया है आग लगने जैसी कोई अप्रिय घटना होने की संभावित परिस्थिति में जिला प्रशासन द्वारा बचाव व रोक के लिए क्या प्रबंध किये गए हैं। उनकी विस्तृत जानकारी डाक्यूमेंट्स सहित दें। ज़िले के सरकारी अस्पतालों में आग से जलने वालों के बचाव व उपचार के लिए क्या सुविधाएं और डॉक्टर उपलब्ध हैं। जिला प्रशासन द्वारा पिछले पांच साल में इस प्रकार के कुल कितनी बिल्डिंग या संसथान बंद करवाए गए या कार्यवाही की गई जिनके पास अग्निशमन अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं था।

झपटमारी का वांछित अपराधी गिरफ्तार

फरीदाबाद। थाना सराय ख्वाजा पुलिस ने थाना सराय ख्वाजा के स्नेचिंग के मामले में वांछित चल रहे पलवल निवासी अपराधी कुलदीप पुत्र योगेंद को गिरफ्तार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता एसीपी धारणा यादव ने बताया कि आरोपी को विशेष सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।
पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि उसके खिलाफ जिला पलवल में लूट, स्नैचिंग और चोरी के तीन मामले दर्ज हैं जिनमें आरोपी फरार चल रहा है। पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि फरीदाबाद जिले में उसके खिलाफ सात मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी ने वर्ष 2015 में पलवल जिले में लूट का प्रयास कर अपराध करना शुरू किया था। जिसके बाद आरोपी ने छीना झपटी और चोरी की दो अलग-अलग वारदात वर्ष 2018 में की थी। उसके बाद आरोपी ने वर्ष 2018 में ही फरीदाबाद शहर में चोरी की लगातार 7 वारदातों को अंजाम दिया था।

स्लेजहैमर समूह की एक और बड़ी पहल

फ्री एम्बुलेंस सेवा

इस सेवा का लाभ आर्थिक रूप से कमजोर, असहाय लोगों को दिया जा रहा है।

जरूरतमंद फ्री एम्बुलेंस के लिए फोन करें।

9899885190
9899882050

SledgeHammer COMMITMENT TOWARDS PERFECTION....
।। सर्वम् शिक्षम् ।। SLEDGEHAMMER FOUNDATION
SLEDGEHAMMER CRICKET ACADEMY Run . Play . Learn . Live
पायनियर हमेशा सच के साथ

पॉजिटिव की जांच के दौरान मौत से हड़कंप, मरीजों को बाहर निकाला

कविता। फरीदाबाद

पलवल से रेफर होकर आए बुखार पीड़ित एक मरीज की कोविड जांच के दौरान बीके अस्पताल में हुई मौत के चलते हालत खराब हो गई। लैब से आपातकालीन कक्ष लाए जाने के दौरान उसकी मौत हो गई। उसी दौरान रिपोर्ट मिली कि मृतक कोरोना पॉजिटिव है। मृतक का शव आधे घंटे तक अपातकालीन कक्ष में पड़ा रहा।

आपातकालीन कक्ष में भर्ती सभी मरीजों को बाहर निकाल दिया गया। लेकिन यहां एक अन्य मरीज की जांच चलती रही। बाद में उसकी भी मौत हो गई। करीब एक घंटे बाद अपातकालीन कक्ष को सैनिटाइज नहीं किया जा सका। उसे बंद कर दिया गया। मरीज बरसात में दोपहर डेढ़ बजे तक बाहर पार्क में और यहां वहां खड़े नजर आए।

यह है पूरा मामला

बुखार आने पर 65 वर्षीय एक व्यक्ति शनिवार को पलवल सिविल अस्पताल जांच को पहुंचा तो उसे कोविड जांच और इलाज के बिना लौटा दिया। रविवार सुबह हालत खराब होने पर परिजन उसे लेकर पलवल सिविल अस्पताल पहुंचे। जहां जांच किए बिना ही उसे नल्हड़ भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। जिस पर परिजनों के कहने पर व्यक्ति को बीके सिविल अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। यहां पहुंचने पर चिकित्सक ने दाखिल करने के बाद परिजनों को उसकी कोविड जांच के लिए लैब में भेज दिया। जहां नाक से सैम्पल लेने पर उसे सांस लेने में दिक्कत हुई। आनन-फानन में परिजन उसे अपातकालीन कक्ष में लेकर आए तो चिकित्सक ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया है। उसी दौरान लैब से मृतक व्यक्ति की पॉजिटिव रिपोर्ट आ गई।

पॉजिटिव की मौत के बाद भी जारी इलाज प्रक्रिया

पार्क में बैठे दाखिल मरीज

मच गया हड़कंप

मृतक की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आने से स्टाफ में हड़कंप मच गया। अपातकालीन कक्ष में भर्ती सभी मरीजों को बाहर निकाल दिया गया लेकिन उसी दौरान एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। जिसकी जांच जारी रखी गई। इस पूरी प्रक्रिया में अपातकालीन कक्ष को एक घंटे बाद सैनिटाइज किया गया।

बारिश से बेहाल

अन्य मरीजों को 11 बजे बाहर निकाल दिया गया। दोपहर को 12 बजे बारिश आने से मरीज परेशान दिखे। हल्की बरसात में तो मरीज पार्क में खड़े हो गए। लेकिन तेज बरसात ने उन्हें बेहाल कर दिया। ऐसे में मरीज सोशल डिस्टेंस की धज्जियां उड़ाते हुए बचाव करते हुए अपातकालीन कक्ष के बाहर लगी चादरों के नीचे खड़े रहे।

कोरोना विस्फोट जारी: एक मौत, 150 पॉजिटिव से आंकड़ा 10 हजार पार

पलवल निवासी कोरोना पॉजिटिव मृतक नहीं किया आंकड़ों में शामिल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना रविवार को दस हजार की संख्या को पार कर गया। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटे में जहां एक महिला की मौत हो गई, वहीं दूसरी तरफ 150 पॉजिटिव पाए गए। जिससे कोविड-19 का आंकड़ा 10,127 पर पहुंच गया। इसी के साथ 161 मरीजों ने कोरोना को मात देने में सफलता हासिल की। वहीं पलवल से रेफर होकर आए कोरोना पॉजिटिव मृतक को इन आंकड़ों में शामिल नहीं किया गया। जबकि उसका सैम्पल और रिपोर्ट बीके सिविल अस्पताल से ही जारी की गई।

मृतक और पॉजिटिव

जिले में कोरोना से रविवार को सेक्टर-55 निवासी एक 56 वर्षीय महिला की मौत की पुष्टि जिला स्वास्थ्य विभाग ने की है। मरीजों को कोरोना के अलावा अन्य कई बीमारिया थी। जिससे मृतकों की संख्या का आंकड़ा 140 पर पहुंच गया है। वहीं 150 पॉजिटिव में ओल्ड फरीदाबाद, बल्लभगढ़, एनआईटी, जवाहर कालोनी, खेड़ी कला, संजय कालोनी, डबुआ कालोनी, सेक्टर-सात, सेक्टर-आठ, आदर्श नगर, एसजीएम नगर, सेक्टर-21ए और आदर्श नगर के मरीज शामिल है।

यह है आंकड़ा

अब तक जांच को भेजे सैम्पल	90776
अब तक पॉजिटिव पाए गए	10127
जांच रिपोर्ट में नेगेटिव आए	80128
रिपोर्ट आनी है बाकि	521
अब तक ठीक हुए मरीज	9155
अब तक पॉजिटिव की मौते	140
क्रिटिकल हालत में भर्ती	41
वेंटिलेटर पर भर्ती	11

संक्षिप्त समाचार

नीमका जेल में लगाए 150 फलदार पौधे

फरीदाबाद। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दीपक गुप्ता के दिशा निर्देशानुसार एवं मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पौधा लगाने की मुहिम जारी रखी हुई है। जिसके तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद ने प्रथम चरण में 10000 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा हुआ है। इसी लक्ष्य को पूरा करने के लिए इसी कड़ी के अंदर प्राधिकरण द्वारा रविवार को जिला जेल नीमका फरीदाबाद में 150 फलदार पौधों का रोपण किया। जिनमें आम, अमरूद, नींबू, अनार, जामुन, शहतूत व अन्य फलदार पौधे लगाए। पौधों का रोपण की शुरुआत राजेश गर्ग अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने की एवं संदीप चौहान मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व राकेश कादयान जुडीशियल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, पंकज गर्ग प्रेसिडेंट रोटरी क्लब फरीदाबाद मिड टाउन, डॉ आशीष वर्मा सचिव अन्य सदस्यगण संत गोपाल गुप्ता, गुरिंद्र चोपड़ा, डॉ. ललित हसीजा, बृज गुप्ता, नरेश शर्मा, प्रवीण शुक्ला, अक्षत कुमार सिंह एलएनटी कंपनी के रिप्रेजेंटेटिव मिश्रा आदि ने भी अलग-अलग पौधारोपण करके प्राधिकरण के इस कार्यक्रम को सफल बनाया। इसी मौके पर राजेश गर्ग अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने कहा कि पौधा लगाना अलग बात है। उनकी देखभाल करते हुए उन्हें बड़ा करना व उनका लालन पोषण करना उससे भी बड़ा कार्य है। उन्होंने जिला जेल नीमका फरीदाबाद में प्राधिकरण द्वारा लगाए गए पौधे की देखभाल की जिम्मेदारी जेल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट संदीप कुमार और सचिन कौशिक को दी तथा इसी मौके पर मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने इस कार्यक्रम को सफल बनाते हुए वह सहयोग करने वाले रोटरी क्लब फरीदाबाद मिड टाउन एलएनटी कंपनी के पदाधिकारियों व पैनल एडवोकेट्स रविंद्र गुप्ता, राजेंद्र गौतम, रामवीर तंवर, शिवकुमार, संजय गुप्ता, अर्चना गोयल, मनमीत कौर, मीनाक्षी आंचल आदि का धन्यवाद किया। रोटरी क्लब फरीदाबाद मिडटाउन के सदस्यों द्वारा राजेश गर्ग, संदीप चौहान मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्याय दंडाधिकारी, राकेश कादयान जुडीशियल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी का सम्मान के रूप मे प्लांटर शफलिंग भेंट किए।

शराब पीने के दौरान झगड़े में कर दी व्यक्ति की हत्या

फरीदाबाद। शराब पीने के दौरान हुए एक झगड़े में साहूपुरा गांव के एक व्यक्ति ने दूसरे व्यक्ति का सिर दीवार पर मार दिया। जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गया। खून से लथपथ व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। थाना सदर पुलिस ने आरोपी व्यक्ति पर मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक साहूपुरा गांव में रहने वाले अशोक ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि उसका 36 वर्षीय भाई परसराम शनिवार रात करीब साढ़े 9 बजे घर से बीड़ी खरीदने के लिए निकला था। जब वह काफी देर तक घर नहीं लौटा, तो वह उसे खोजने निकले। गांव के पास में ही परसराम घायल पड़ा हुआ है। वह वहां पर पहुंचे तो पता चला कि परसराम के साथ गांव के ही सागर उर्फ साहिल व 2 अन्य ने शराब पी थी। शराब पीने के दौरान सागर व परसराम का किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिस पर सागर उर्फ साहिल व उसके दो साथियों ने परसराम के साथ मारपीट कर उसके सिर को दीवार में दे मारा। जिससे वह बेहोश हो गया। उनका आरोप है कि परसराम की सागर उर्फ साहिल से पुरानी दुश्मनी भी चल रही है। जिस वजह से उसकी हत्या की गई है। वहीं सदर थाने के एसएचओ नरेंद्र सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने हत्या के आरोप में सागर उर्फ साहिल सहित 3 के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हजारों मजदूर और कर्मचारियों ने दी गिरफ्तारी

फरीदाबाद। जिला लघु सचिवालय सेक्टर-12 फरीदाबाद पहुंचकर केन्द्र सरकार व प्रदेश सरकार की मजदूर एवं कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ अखिल भारतीय फेडरेशन व संयुक्त ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर प्रस्तावित कार्यक्रम में हरियाणा प्रदेश के समस्त जिलों में जारी जिला सचिवालयों पर सत्याग्रह आंदोलन की 78 वीं वर्षगांठ पर जेल भरो आन्दोलन में भिन्न-भिन्न विभागों के हजारों मजदूर एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। प्रशासन की ओर से भारी पुलिस बल पहले से तैनात किया हुआ था। सरकार की श्रम कानूनों में बदलाव व कर्मचारी विरोधी नीतियों व निजीकरण के खिलाफ केंद्र व राज्य सरकार जो कि कर्मचारियों का शोषण व पूंजीपतियों के हाथ मजबूत करने का जो काम यह सरकार आये दिन कर रही है।

यादव समिति ने छात्रों को किया सम्मानित

पलवल। यादव संस्कार समिति की बैठक धौलागढ़ मोड़ स्थित पटवारी कॉलोनी में संपन्न हुई। इसकी अध्यक्षता मार्ग दर्शक मंडल ने की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यादव समाज जिन किशोर व युवा बच्चों ने 10 वीं व 12 वीं की परीक्षा में विद्यालय स्तर या अन्य गतिविधियों में सर्व श्रेष्ठ प्रदर्शन किया है, उन्हें समिति सम्मानित करेगी। इसके अलावा 15 अगस्त को सादगी के साथ सुबह स्वंतत्रता दिवस भी मनाया जाएगा तथा झंडारोहण किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से मार्ग दशज़्क मंडल उदयबीर सिंह यादव, राजबीर सिंह यादव, जय नारायण सिंह यादव, दया शंकर यादव, सुरेश चंद यादव, सभा के अध्यक्ष अशोक कुमार यादव, उप प्रधान मनोज कुमार यादव, सचिव पृथ्वी सिंह यादव, अजय यादव, कोषाध्यक्ष देवेंद्र यादव, विजयपाल यादव, अरुण यादव, राकेश यादव मौजूद रहे।

रक्तदान शिविर का किया आयोजन

फरीदाबाद। गोस्वामी नंदलाल के सालाना यज्ञ के अवसर पर रोट्रेक्ट क्लब ऑफ फरीदाबाद अरावली, प्रायोजक रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद अरावली के द्वारा थैलेसीमीया पीड़ित बच्चों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह रक्तदान शिविर गिफ्ट-ग्लोबली इंटीग्रेटिड फाउंडेशन फॉर थैलेसीमीया संस्था के समर्थन में सत लाल महाराज मंदिर प्रांगण में लगाया गया। कैम्प में गोस्वामी सुंदर लाल और गोस्वामी हरीशलाल के नेतृत्व में मंदिर के सेवक जनों ने बढ़चढ़ कर सहयोग दिया। रोट्रेक्ट क्लब ऑफ फरीदाबाद अरावली का यह वर्ष 2020-2021 का पहला रक्तदान शिविर था। उनकी यह पहल सहरानीय है। गिफ्ट के प्रधान मदन चावला ने सभी रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाया और रोट्रेक्ट क्लब ऑफ फरीदाबाद अरावली का आभार प्रकट किया। आयोजन में सतश्री लाल जी महाराज मंदिर के सेवक विजय प्रताप, पार्षद मनोज नासवा, पार्षद राकेश आदि उपस्थित रहे।

101 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी बोहती देवी को किया सम्मानित

फरीदाबाद। जिले में एक मात्र जीवित स्वतंत्रता सेनानी 101 वर्षीय चौधरी जगराम सिंह धनखड़ व उनकी 93 वर्षीय धर्मपत्नी बोहती देवी को रविवार को उनके घर पहुंच कर एसडीएम बैलीना ने जिला प्रशासन की तरफ से सम्मानित किया गया। एसडीएम बैलीना ने 101 वर्षीय बुजुर्ग स्वतंत्रता सेनानी चौधरी जगराम सिंह धनखड़ के साथ स्वतंत्रता आन्दोलन बारे विस्तृत जानकारी ली। वहीं स्वतंत्रता सेनानी चौधरी जगराम सिंह धनखड़ की धर्मपत्नी बोहती देवी के साथ पुराने जमाने की बातों को साझा किया। जिला प्रशासन की तरफ से सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा जीवित स्वतंत्रता सेनानियों को उनके घर पहुंच कर सम्मानित किया जा रहा है। भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान के संदर्भ में सरकार द्वारा निर्देशित किया गया है कि भारत के राष्ट्रपति हर साल 9 अगस्त को राष्ट्रपति भवन में 'एटी होम' समारोह आयोजित करते हैं। यह आयोजन भारत छोड़ो की वर्षगांठ पर कुछ चुनिंदा सम्मानित स्वतंत्रता सेनानियों को प्राप्त करने के लिए जो पेंशनभोगी स्वतंत्रता सेनानी सम्मान योजना स्वाडा प्राप्त कर रहे हैं। वर्तमान में अधिकांश स्वतंत्रता सेनानी गैर-राजनेता हैं और उनकी दिल्ली यात्रा उचित नहीं है। क्योंकि उन्हें दिल्ली की यात्रा के लिए व्यक्तिगत सहायता की आवश्यकता होती है और कोविड-19 वैश्विक महामारी के मद्देनजर वे संक्रमण के कारण स्वास्थ्य की स्थिति वृद्धावस्था आदि के कारण अधिक जोखिम में हैं। कई राज्यों ने इस साल 'एटी होम' समारोह के लिए किसी भी स्वतंत्रता सेनानी को नामित करने में असमर्थता जताई है।

दिल्ली जल बोर्ड कर्मी की हत्या का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अपराध शाखा ऊंचागांव ने दिल्ली जलबोर्ड कर्मी हरीश की हत्या की गुत्थी को सुलझा लिया है। पुलिस वारदात के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पिछले करीब डेढ़ महीने से फरार चल रहा था।

पुलिस प्रवक्ता एसीपी धारणा यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी अमित कुमार एक शातिर अपराधी है। जिस पर हत्या, जान से मारने की कोशिश, चोरी व गृहभेदन जैसे संगीन 20 अभियोग अंकित है। आदर्श नगर निवासी आरोपी पिछले 8-9 वर्ष से चोरी, गृहभेदन की वारदाते कर रहा था। इन वारदातों में जेल में सजा भी काट चुका है ।

यह है मामला

आरोपी अमित कुमार उपरोक्त ने 20 जून 2020 को दिल्ली जलबोर्ड कर्मचारी हरीश कुमार निवासी आदर्श नगर बल्लभगढ को रंजिशन गोली मारी थी। जिसकी गोली लगने की वजह से मृत्यु हो गई थी। जिस पर थाना आदर्श नगर बल्लभगढ में मामला दर्ज किया गया था। दिल्ली जलबोर्ड कर्मी ने तेज आवाज में डेक बजाने से मना किया था। इसी बात से आरोपी उनसे रंजिश रखने लगा था।

ऐसे हुआ गिरफ्तार

सात अगस्त को अपराध शाखा ऊंचागांव बल्लभगढ को सूचना मिली कि आरोपी रेलवे लाइन के नजदीक सुभाष कालोनी, हरि विहार बल्लभगढ में असला सहित घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जहां पर पुलिस पार्टी को देखते ही आरोपी अमित ने जान से मारने की नीयत से पुलिस पार्टी पर सीधा फायर किया। जिससे रैडिंग पार्टी बाल-बाल बची। रैडिंग पार्टी ने आत्मसमर्पन की चेतवानी दी। आत्मसमर्पण न करने पर पुलिस ने फायर किया तो आरोपी भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे दबोच लिया। आरोपी से देशी पिस्तौल व दो कारतूस बरामद किए हैं।

अवैध शराब, सट्टा पर्ची में संलिप्त चार आरोपी दबोचे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

क्राइम ब्रांच सेक्टर-30 ने अवैध शराब का धंधा करने वाले और सट्टा पर्ची खाई वाली करने वाले चार आरोपियों को अलग-अलग मुकदमा में गिरफ्तार किया है। जिसमें दो सट्टा और दो शराब तस्कर शामिल हैं।

पहला आरोपी: क्राइम ब्रांच सेक्टर-30 ने सट्टा खाई वाली का काम करने वाले एक आरोपी राजेंद्र उर्फ राजू निवासी एनआईटी फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ थाना कोतवाली में गेमिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है और उसके साथ-साथ सट्टा खाई वाली का भी काम करता है। आरोपी पहले भी इस तरह के मामले में कई बार जेल जा चुका है। आरोपी से 9000 रुपये बरामद हुए हैं।

दूसरा आरोपी: क्राइम ब्रांच सेक्टर-30 ने गांव आनंगपुर निवासी रिच पाल पुत्र लाल सिंह को जांच के लिए रोका तो उसके पास से 204 क्वार्टर देसी शराब सहित से दबोचा है। आरोपी के खिलाफ थाना पल्ला में एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को स्कूटर पर गांव अनंगपुर से शराब ले जाते वक्त गिरफ्तार किया गया है।

तीसरा आरोपी: सेक्टर-30 क्राइम ब्रांच ने सेक्टर-31 स्थित संतोष नगर निवासी शमशेर को सट्टा खिलवाने के जुर्म में गिरफ्तार किया है। आरोपी पहले मीट की दुकान थी, जो मीट की दुकान के साथ-साथ आरोपी यह काम भी करता था। आरोपी को गिरफ्तार कर उससे 3300 रुपये बरामद किए गए हैं। आरोपी को जेल भेज दिया है।

चौथा आरोपी: क्राइम ब्रांच की टीम ने आंनगपुर निवासी आरोपी राकेश पुत्र गोपी को 200 क्वार्टर सहित दबोचा है। आरोपी के खिलाफ थाना सूरजकुंड में मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ पर आरोपी ने बताया कि वह ठेके से शराब खरीद कर फुटकर में बेचता है। आरोपी को अनंगपुर चौक से शराब लाते समय उसकी एसेंट कार सहित गिरफ्तार किया गया।

मानव सेवा समिति ने लगाया कोरोना जांच शिविर

फरीदाबाद। मानव सेवा समिति, प्रक्रूथी पर्यावरण संरक्षण संस्था व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में सेक्टर-10 स्थित समिति के कार्यालय मानव भवन में कोरोना जांच का नि: शुल्क शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में बीके हॉस्पिटल के डॉक्टरों की टीम ने 75 लोगों की कोरोना जांच की। इस बारे में जानकारी देते हुए डिप्टी सीएमओं डॉ. सजीव भगत ने बताया कि जांच केम्प में पांच लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। मौके पर पाए पाजिटिव को वाईएमसीए स्थित जेसी बोस में क्वारेंटाइन किया गया है। कैंप संयोजिका रमा सरना ने बताया कि शिविर के सफल आयोजन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सीजेएम मंगलेश चौबे व पैनल अधिवक्ता संजय गुप्ता, अर्चना अग्रवाल, मनमीत कौर, समिति के पदाधिकारी सुरेंद्र जग्गा, अमर खान, कोमल सरना, बांके लाल सितोनी का पूर्ण सहयोग रहा। इस अवसर पर डॉक्टर संजीव भगत डिप्टी सीएमओ, डॉ. शिवानी एलएमओ सेक्टर 7 डिस्पेंसरी व अन्य कई कोरोना योद्धाओं को समिति द्वारा कोरोना योद्धा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

महात्मा गांधी को पुष्प अर्पित कर भारत छोड़ो आंदोलन को किया याद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक आनंद कौशिक के अनुज बलजीत कौशिक ने रविवार को गांधी कॉलोनी कुष्ठ आश्रम पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर फूल माला चढ़ाकर गांधीजी द्वारा चलाए गए भारत छोड़ो आंदोलन की याद दिलाई। इस अवसर पर बलजीत कौशिक कहाकि महात्मा गांधी ने अंग्रेजों को भारत से निकालने के लिए कई अहिंसक आंदोलनों का नेतृत्व किया था। आठ अगस्त 1942 को उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत की थी। उन्होंने कहाकि राष्ट्रपिता ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन का आह्वान कर स्वतंत्रता संग्राम को एक नई दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा कि मैं देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ने वाले उन महान वीरों को सलाम करता हूं। इस मौके पर डा. सौरभ जिला अध्यक्ष ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस, गौरव ढींगरा स्टेट कोऑर्डिनेटर हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी, इशांत कथूरिया जनरल सेक्रेटरी यूथ कांग्रेस, रामप्रवेश, महेश बैंसला, मोहित बैंसला, हरीश भड़ाना, विकास चंदीला, सोनू, भूरा, अभिषेक बैसला आदि लोग मौजूद रहे।

राम मंदिर मामले में विवादित बयान डालने की दी शिकायत

दोषियों और देशद्रोहियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता में संबंधित उल्लिखित धाराओं में कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

देव सेना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष बृज भूषण सैनी के नेतृत्व में सैंकड़ों देव सैनिकों के साथ पुलिस को शिकायत देकर एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने शिकायत में कहा कि अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर को तोड़ने के बारे में सोशल मीडिया पर दिए गए विवादित बयानों के खिलाफ बल्लभगढ़ के आदर्श नगर पुलिस स्टेशन में लोकसभा सांसद और ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लीमीन के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी, ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के मुखिया मौलाना साजिद रशिदी, मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के महासचिव मौलाना महमूद मदनी और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के पदाधिकारियों और सदस्यों के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को भड़काने, साम्प्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने, देश में दंगे भड़काने, देशद्रोह की बातें करने और सुप्रीम कोर्ट की अवमानना करने को लेकर प्राथमिक रिपोर्ट दर्ज कराई है।

देव सेना के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी वीरेन्द्र गौड ने बताया कि पिछले दिनों इन लोगों ने राष्ट्र के सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने और हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को भड़काने के लिए जो उल जलूल बयान किये हैं। उनकी हम कड़ी भर्त्सना करते है। दर्ज करवाई गई इस शिकायत के माध्यम से मांग करते है कि इस दोषियों और देशद्रोहियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता में संबंधित उल्लिखित धाराओं में कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाए। ज्ञात हो कि बुधवार की सुबह ट्वीट करते हुए असदुद्दीन ओवैसी ने इस मुद्दे पर जहर उगलते हुए कहा था कि बाबरी मस्जिद थी और वही रहेगी। वहीं मौलाना साजिद रशिदी ने राम मंदिर पर अपने बयान में कहा था कि एक मस्जिद हमेशा एक मस्जिद ही रहती है। यह कुछ और बनाने के लिए तोड़ी नहीं जा सकती है। हम ऐसा मानते हैं और भरोसा करते हैं कि वहां मस्जिद थी और मस्जिद ही रहेगी। कार्यवाही में मुख्य रूप से देव सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृज भूषण सैनी के साथ प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रीय महासचिव त्रिलोक चंद शर्मा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष जगदीश चंद्र शर्मा राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी बीरेंद्र गौड राष्ट्रीय सह सचिव मनोहर लाल शर्मा राष्ट्रीय प्रचार सचिव फौरन सिंह राष्ट्रीय संयुक्त सचिव उमराव सिंह दलबीर सिंह आदि मौजूद थे। थाना प्रभारी ने शीघ्र उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

जमकर हुई बरसात के बाद सड़कें जलमग्न

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

तीन दिन पहले चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी में एक और कम दवाब के क्षेत्र बनने की संभवना से आठ अगस्त से मानसून हवाओं की फिर से मैदानी क्षेत्रों की ओर सक्रियता बढ़ने की संभावना है। जिससे नौ से 11 अगस्त के बीच प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। इस सूचना के बाद रविवार को दोपहर को करीब 12 बजे बरसात शुरू हो गई, जो डेढ़ बजे तक रूक-रूक कर होती रही। यह बरसात शहर के सिर्फ एनआईटी इलाके के आसपास ही हुई है। शहर के अन्य कई क्षेत्र बरसात से वंचित रह गए।

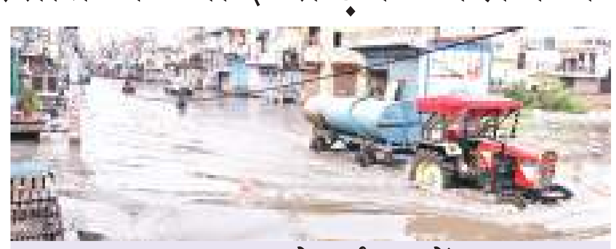

जलमग्न हो गई सड़कें

डेढ़ घंटे की बरसात ने पूरे शहर की सड़कों को जलमग्न कर दिया। सड़कों पर पानी भर जाने से लोगों का घरों से निकलना दूभर हो गया। इस बरसात से एनआईटी इलाके की सड़कों की हालत बद से बदतर हो गई। बरसात के पानी के कारण से 15 मिनट का रास्ता घंटों में परिवर्तित हो गया। बरसात के समय कच्ची कालोनियों में जलभराव होना अब आम बात हो गई है, लेकिन शहर के सेक्टरों में बरसात के पानी की निकासी उचित नहीं है। सड़कों पर भरा बरसात का पानी और पानी में छिपें गड्ढे दिखाई न देने के कारण लोग उनमें गिरकर घायल हो गए। वहीं सेक्टर 23-24 की मुख्य सड़क पर पानी भर जाने से वाहन चालकों को काफी परेशानी हुई। बरसात के कारण लगे जाम और बरसाती पानी ने लोगों को परेशान कर दिया।

24 कैरेट गोल्ड 59 हजार तो चांदी 70 हजार के पार

आम आदमी की पहुंच से बाहर हुए सोने और चांदी

22 कैरेट गोल्ड के दाम हुए 54360 रुपये प्रति 10 ग्राम

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

सोने के भाव दिन-प्रतिदिन आसमान छूते जा रहे हैं। बात करें 24 कैरेट गोल्ड की तो इसके दाम 59 हजार को पार कर गए हैं। यानी 59 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम यह सोना हो गया है। वहीं 22 कैरेट गोल्ड भी 54360 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव से रविवार को बिका। इसी प्रकार चांदी भी 70 हजार रुपये प्रति किलो ग्राम को पार कर गई है।

लॉकडाउन से पूर्व मार्च माह में सोने के भाव 38 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम थे। सोने की कीमत में लगातार वृद्धि होने से सर्राफा का कारोबार करने वाले भी खुश दिखाई नहीं दे रहे हैं। जिसका कारण बताया जा रहा है कि सोने की खरीददारी ज्वेलरी के रूप में नहीं, बल्कि सोने के बिस्किट के रुप में की जा रही है। बड़े निवेशक व कारोबारी ही सोना खरीद रहे हैं और इसी कारण से सोने के दाम भी बढ़ रहे हैं। शहर के जाने-माने ज्वेलर तिलकराज मल्होत्रा का कहना है कि सोने के दाम में लगातार हो रही वृद्धि से सोना आम आदमी की पहुंच से बाहर होता जा रहा है। भविष्य में इसके अच्छे परिणाम सामने नहीं आएंगे, क्योंकि परिवारों में बचत की सोना सबसे सुरक्षित रहा है। इससे भारतीय परंपरा भी प्रभावित होगी। उनका कहना है कि केंद्र सरकार को विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस बारे में ठोस कदम उठाने चाहिए। यदि सरकार चाहे तो सोने के दामों को नियंत्रित किया जा सकता है। सर्राफा कारोबारी मनदीप किशोर गोयल का कहना है कि शादी-विवाह का सीजन भी फिलहाल नहीं है।

निवेशकों के कारण बढ़ रहे हैं सोने के भाव

ज्वैलर्स का कहना है कि सोने के दाम तो केवल निवेशक खरीददारों के कारण ही बढ़ रहे हैं। वर्ष 2007-08 में जब देश में आर्थिक मंदी आई थी तो सोना 10 हजार 800 से लेकर 11 हजार रुपये तक ही पहुंच पाया था, लेकिन इस बार आई आर्थिक मंदी व कोरोना प्रकोप के कारण कारोबारी गतिविधियां बंद हो गई थी, जिससे निवेशकों ने सोने की खरीददारी शुरु कर दी। निवेशकों को सोने में ही सबसे उपयुक्त और सुरक्षित निवेश नजर आ रहा है। ज्वैलर्स का यह भी मानना है कि यदि सोने के भाव गिरे भी तो 50 हजार से नीचे नहीं जाएंगे। उनका आंकलन है कि अभी सोने के भाव और अधिक बढ़ेंगे। ऐसी स्थिति में आम लोगों ने भी सोने से दूरी बनाई हुई है।

सीपी से शिकायत कर विधवा ने पति की मौत पर उठाए सवाल

सोहना। गांव रानीका सिंघोला निवासी विधवा महिला ने गुरुग्राम पुलिस आयुक्त को शिकायत दर्ज कराते हुए 19 जुलाई को पति हुई मौत पर संदिग्धता जताते हुए हत्या किए जाने की आशंका प्रकट की है। पुलिस कमिश्नर के आदेश पर सोहना सदर थाना पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत पर जांच शुरू कर दी है। सोहना सदर थाना क्षेत्र के गांव रानीका सिंघोला निवासी विधवा महिला ने शुक्रवार को जिला पुलिस कमिश्नर को शिकायत दर्ज कराई गई थी। विधवा महिला भगवती ने पुलिस कमिश्नर को बताया कि उसका पति कन्हैया 19 जुलाई को शाम सात बजे अपने घर से गांव हरचंदपुर बस स्टैंड पर बाल कटवाने के लिए बाइक पर गया था।

जन्माष्टमी के बाद खुलेंगे गुरुग्राम के मंदिर : सीएम ने दिया आश्वासन

जन्माष्टमी पर मंदिर खोलने की मांग पर विचार करने की बात कही

केंद्रीय श्रीसनातन धर्म सभा का प्रतिनिधिमंडल सीएम से मिला

गुरुग्राम के मंदिर खोलने की मांग के दौरान सीएम मनोहर लाल को स्मृति चिन्ह देते केंद्रीय श्रीसनातन धर्म सभा के पदाधिकारी।

गुरुग्राम। 16 मार्च से बंद मंदिरों के कपाट जन्माष्टमी के बाद खुलेंगे। रविवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल से गुरुग्राम के केंद्रीय श्रीसनातन धर्म सभा के प्रतिनिधिमंडल ने इस विषय पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि जन्माष्टमी के बाद मंदिरों को नियमों का पालन करने की हिदायतों के साथ खोल दिया जाएगा। जन्माष्टमी के मौके पर मंदिरों को खोलने की मांग पर मुख्यमंत्री ने विचार करने की बात कही।

रविवार को मुख्यमंत्री मनोहर लाल से गुरुग्राम के 52 मंदिरों की शिरोमणि सभा श्रीकेंद्रीय सनातन धर्म सभा का प्रतिनिधिमंडल सुरेंद्र खुल्लर की अगुवाई, मुख्य संरक्षक बोधराज सीकरी के प्रयासों से मिलने के लिए पहुंचा। मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें कहा गया कि गुरुग्राम के सभी धार्मिक स्थल जल्द खोले जाएं। साथ ही सभी मंदिरों को उचित आर्थिक सहायता भी दी जाए। बोधराज सीकरी के मुताबिक मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने एक-एक बात को बड़े ध्यान से सुना और तुरंत गुरुग्राम के उपायुक्त अमित खत्री को कॉल करके आदेश दिए कि जन्माष्टमी के बाद सोशल डिस्टेंसिंग एवं अन्य सरकार सूचनाओं का पालन करते हुए मंदिर खोले जाएं।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से यह भी मांग की कि मंदिर वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। ऐसे में सभी मंदिरों के बिजली के बिल माफ किए जाएं। इस पर भी मुख्यमंत्री ने गौर करने की बात कही। सभी पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि कुछेक मंदिरों का खर्चा चलाने के लिए मुख्य संरक्षक बोधराज सीकरी का भरपूर सहयोग रहा है। कोरोना काल के दौरान गरीबों को निशुल्क राशन बांटने में भी पूर्ण सहयोग दिया। प्रतिनिधि मंडल ने भारत सरकार द्वारा श्री राम मंदिर के शिलान्यास की मुख्यमंत्री मनोहर लाल को बधाई दी। प्रतिनिधि मंडल के सदस्यों में गीता भवन एवं पंचमुखी हनुमान मंदिर के महासचिव उदयभान ग्रोवर, गीता भवन मंदिर के महासचिव देवराज आहुजा, केंद्रीय सभा के प्रवक्ता बालकिशन खत्री, कृष्ण मंदिर अर्जुन नगर के अध्यक्ष सुभाष खत्री, गजेंद्र गोसाई अध्यक्ष श्री बालाजी हनुमान मंदिर शिवाजी नगर, सुभाष ग्रोवर एडवोकेट मुख्य पदाधिकारी श्यामजी मंदिर न्यू कॉलोनी, रणधीर टंडन एवं सहगल मुख्य पदाधिकारी श्याम जी मंदिर, चंद्रभान नागपाल एवं ओम प्रकाश ग्रोवर, वरिष्ठ पदाधिकारी राम मंदिर, प्रताप नगर, अशोक गेरा, कार्यकारी अध्यक्ष उदय भान देवी मंदिर भीमनगर, किशोरी डूडेजा महासचिव कृष्ण मंदिर भीम नगर, डीपी ओझा प्रधान सनातन धर्म मंदिर सेक्टर 56 मौजूद रहे।

श्रमिक संगठनों ने प्रदर्शन कर दीं गिरफ्तारियां

श्रम कानूनों में किए जा रहे संशोधनों को वापस करने की मांग उठाई

गुरुग्राम। केंद्र व प्रदेश सरकारों की मजदूर विरोधी नीतियों को लेकर केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर रविवार को विभिन्न श्रमिक संगठनों द्वारा प्रदर्शन कर देशव्यापी आंदोलन किया गया और श्रमिकों ने श्रमिक विरोधी नीतियों का विरोध करते हुए अपनी गिरफ्तारियां भी दी।

गुरुग्राम में भी श्रमिक यूनियनों का प्रतिनिधित्व करने वाली ट्रेड यूनियन काउंसिल द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशाल प्रदर्शन कर मिनी सचिवालय पर पहुंचकर श्रमिकों ने अपनी गिरफ्तारियां भी दीं। काउंसिल के सदस्यों अनिल पंवार, कामरेड सतवीर सिंह, अमित यादव का कहना है कि प्रात: से ही विभिन्न श्रमिक यूनियनों के श्रमिक एकत्रित होना शुरू हो गए थे। बड़ी संख्या में श्रमिकों ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से हाथों में बैनर लिए और श्रम कानूनों को लागू करो, श्रम कानूनों में संशोधनों को वापिस लो आदि नारे लगाते हुए मिनी सचिवालय पर श्रमिक नेताओं ने प्रदर्शनकारी श्रमिकों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार श्रम कानूनों में लगातार संशोधन करती जा रही है, ताकि इन संशोधनों का लाभ पूंजीपति उठा सकें।

कोरोना महामारी के दौरान बड़ी संख्या में प्रतिष्ठानों से श्रमिकों को निकाला जा रहा है। श्रमिक संगठन श्रमिकों के साथ हो रही इस प्रकार की कार्यवाहियों को कतई भी सहन नहीं करेंगे। उन्होंने सरकार से मांग की है कि श्रम कानूनों में जो संशोधन किए जा रहे हैं, उन्हें तुरंत वापिस लिया जाए, कोरोना के दौरान जिन प्रतिष्ठानों ने श्रमिकों को नौकरी से निकाल दिया है उन्हें दोबारा काम पर वापिस लिया जाए और ऐसे प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाए।

संक्षिप्त समाचार

सरकार की नीतियों के विरोध में धरना पर बैठे बिजली कर्मचारीगण।

बिजली कर्मियों ने किया सत्याग्रह आंदोलन

सोहना। बिजली कर्मियों ने सत्याग्रह आंदोलन को प्रदेश सरकार नीतियों के विरोध में किया। राज्य सरकार पर श्रम कानून में परिवर्तन करने से लेकर कर्मचारियों के विरोध में नीतियां बनाने तथा कच्चे कर्मचारियों को पक्का न करने आदि का आरोप लगाया। ऑल हरियाणा पावॅर कारपॅरेशन वर्कर्स यूनियन के कार्यकर्ताओं ने सर्व कर्मचारी संघ के तत्वावधान में सत्याग्रह आंदोलन को सरकारी विभागों को बचाओ का नाम देते हुए राज्य सरकार के खिलाफ में मनाया। जिसकी अध्यक्षता सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान उमेश खटाना ने की। इस अवसर पर रामबीर शर्मा, बिजेन्द्र फौगार्ड, सतबीर यादव, सुशील कुमार, प्रेमपाल, बलराज गुप्ता आदि ने संबोंधित किया। सत्याग्रह आंदोलन की स्थापना दिवस को बिजली कर्मियों ने सरकार की नीतियों को गलत ठहराते हुए सरकारी विभागों का निजीकरण किए जाने का विरोध जताया। सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान उमेश खटाना ने कहा कि सरकार की नितियों से अब बेरोजगारी बढ़ेगी। सरकारी कर्मचारियों को नये कानून बनाकर घर पर बैठाया जा रहा है। धीरे-धीरे सरकारी विभागों को निजीकरण में बदला जा रहा है। यही कारण है जो आज सरकारी विभागों में लगे कच्चे कर्मचारियों को पक्का नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आरक्षण प्रणाली में बदलाव भी चुपके से सरकारें कर रही हैं। जिससे आरक्षण को भी समाप्त करने की नीति तेजी से अमल में लाई जा रही है। लेकिन सर्व कर्मचारी संघ सरकार की इन नीतियों को किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देगा।

बैंक मैनेजर के नियम बने पशुधन क्रेडिट कार्ड में रोड़ा

नूंह। सरकार द्वारा पशुपालकों की आय को बढ़ाने के लिए लागू की गई पशुधन क्रेडिट कार्ड योजना नूंह जिले में कुछ बैंक मेनेजरों के कठिन नियमों के कारण सिरे नहीं चढ़ पा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया से दिशा-निर्देश जारी होने के बावजूद भी कुछ मेनेजर सरकार की इस योजना को आगे नहीं बढ़ने दे रहे हैं। मामला पिनगवां कस्बे में स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का है, जहां पर कार्यरत बैंक मैनेजर पशुधन क्रेडिट कार्ड बनवाने वाले लोगों को वीटा बूथ की अनुमति, गवाह, एग्रीमेंट जैसी उलझनों में डाल रहा है, जिन्हें लोग पूरा ही नहीं कर पाएंगे। जबकि पशुधन क्रेडिट कार्ड के लिए फार्म भरते समय पशुपालन विभाग व एलडीएम साहब की तरफ से लोगों को जानकारी दी गई कि डेढ़ लाख तक के लोन के लिए लोगों को किसी तरह के गारंटर की जरुरत नहीं है तो फिर पिनगवां एसबीआई का मेनेजर लोगों को कठिन शर्तों में क्यों उलझाया जा रहा है। पशुपालन विभाग के अलावा भी सीएम मनोहर लाल ने अपने बयानों में साफ तौर पर ये कहा है कि एक या दो पशु रखने वाले किसानों को किसी तरह के गारंटर की जरूरत नहीं है। वहीं जब इस बारे में पिनगवां एसबीआई के बैंक मेनेजर रविंद्र बिज्लवान से बात की तो उन्होंने कुछ भी बोलने से मना कर दिया।

जनता ने मौका दिया तो वार्ड में होगा चहुंमुखी विकास : खान

नूंह। नगीना खंड के वार्ड-14 से जिला परिषद् चुनाव के लिए तालठोक चुके समाज के हितैषी व गरीबों के मसीहा लुकमान पिथौरपुरी ने कहा कि पिछले पांच साल के कार्यकाल में उनके वार्ड में कोई विकास नहीं हुआ। जिस उम्मीद को लेकर लोगों ने वार्ड-14 से अपना रहनुमा चुना, उसके मुताबिक उनके काम कामकाज नहीं हुए। पत्रकारों से बातचीत करते हुए भावी प्रत्याशी लुकमान पिथौरपुरी ने कहा कि यदि वार्ड 14 की जनता ने उन्हें इस बार मौका दिया तो उनका पहला काम बिजली, पानी, रास्तों की मरम्मत जैसी समस्याओं को हल कराना होगा। उन्होंने कहा कि बिना कुछ बने हुए ही उन्होंने लोगों की समस्याओं को देखते हुए बिजली के कई ट्रांसफार्मर लगवाए हैं। जिला परिषद के भावी प्रत्याशी लुकमान ने कहा कि वह राजनीति में पैसे कमाने की नियत से नहीं आ रहे हैं, उन्हें तो बस लोगों की सेवा करने की ललक है। उन्होंने कहा कि जीत हो या ना हो लोगों की सेवा के लिए वह हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर खडे हैं। कोरोना काल में भी उन्होंने गरीब लोगों के लिए मास्क व सेनेटाजर वितरित किए थे। लुकमान ने बताया कि मेवात में बहुत जल्द जेजेपी पार्टी मजबूती के साथ पैर पसार रही है यहां की जनता युवा नेता उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला को बहुत पसंद करते हैं।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत अभियान की शुरू

सोहना। सत्याग्रह की 100 वीं वर्षगांठ पर ग्राम पंचायत उल्लाहवास में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत अभियान चलाया। जिसमें गांव को गंदगी मुक्त गांव व भारत बनाने का अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस तक विभिन्न गतिविधियां ग्राम पंचायतों में चलाए जाने का संकल्प लिया गया। रविवार को इस अवसर पर सोहना के खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी श्री प्रमेन्द्र सिंह ने बताया कि 9 अगस्त को एकल प्रयोग प्लास्टिक को श्रमदान करके एकत्रित किया जाएगा। 10 अगस्त को सार्वजनिक जगह चौपाल, मंदिर आदि की सफाई की जाएगी। 11 अगस्त को स्वच्छता पर वॉल पेंटिंग 12 अगस्त को पर्यावरण की शुद्धता एवं स्वच्छता के चलते श्रमदान से पौधारोपण 13 अगस्त को गंदगी मुक्त भारत पर ऑनलाइन द्वारा स्कूली बच्चों की पेंटिंग प्रतियोगिता 14 अगस्त को ग्राम पंचायतों की पीएचसी व सीएचसी सेंट्रो पर स्वच्छता अभियान व 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर ओडीएफ प्लस अभियान को लेकर खंड की सभी ग्राम पंचायतों में आम ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। इस सप्ताहिक कार्यक्रम के दौरान जो भी ग्राम पंचायत ओडीएफ प्लस की श्रेणी में आएगी। उस ग्राम पंचायत को ओडीएफ प्लस अभियान के लिए चुना जाएगा। ग्राम पंचायत उल्लाहवास में गंदगी मुक्त भारत अभियान में लगभग 30 से 35 व्यक्तियों ने भाग लिया। वह अपना श्रमदान करके सिंगल प्रयोग प्लास्टिक प्लास्टिक को एकत्रित किया। वह सभी ग्राम वासियों को स्वच्छता के प्रति संदेश दिया कि गांव को गंदगी मुक्त बनाएंगे, तभी हमारा भारत स्वच्छ वह सुंदर बन सकेगा।

अदालत ने मां के हत्यारोपी को चार दिन की रिमांड पर भेजा

सोहना। अदालत ने सिहरौल की ढाणी निवासी बुजुर्ग मां के हत्यारोपी बेरहम बेटा को चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड पर आया हत्यारोपी बेटा से पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है।

भोंडसी थाना पुलिस ने शनिवार को सिहरौल ढाणी निवासी 45 वर्षीय प्रेमपाल पुत्र रामकिशन को अदालत में पेश किया। अदालत ने पुलिस की मांग पर मां का हत्यारोपी बेटा को चार दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा है।

पुलिस ने रिमांड मिलने के साथ ही प्रेमपाल से सबसे पहले उस कुल्हाड़ी को लेकर पूछताछ शुरु कर दी है। जिससे जननी पर बेदर्दी से वार करते हुए दुनिया से ही हमेशा के लिए मिटा दिया। मामले की जांच कर रहे एसआई ओमप्रकाश ने बतायां कि पुलिस चार दिन के रिमांड पर हत्यारोपी प्रेमपाल के खिलाफ उन सभी साक्ष्यों को जुटाएगी। जिससे मां के हत्यारोपी को कड़ी से कड़ी सजा मिल सके। पुलिस सूत्रों के अनुसार कही प्रेमपाल का संग देने वाला अन्य कोई तो नहीं है। क्या हत्या का कारण शराब के लिए पैसा मांगना ही था या अन्य कोई कारण।

कम से कम होगी उम्र कैद

सोहना बार एसोसिएशन के प्रधान व वरिष्ठ अधिवक्ता देवदत्त शर्मा ने बताया कि 65 वर्षीय रामभतेरी के हत्यारोपी बेटा प्रेमपाल को उसके इस बेरहमी की कम से कम उम्रकैद की सजा तो होने की संभावना जताई है। उनका मानना है कि प्रेमपाल ने जिस तरह से अपनी बुजुर्ग मां पर कातिलाना हमला करके उसकी जान ले ली। उसके लिए वह कड़ी से कड़ी सजा का हकदार है।

हत्यारोपी का परिवार समाज से बाहर

जानकार सूत्रों के अनुसार बुजुर्ग मां की हत्या करने का आरोपी प्रेमपाल के परिवार को पहले से ही समाज ने नाता तोड़ा हुआ था। करीब डेढ़ वर्ष पहले भी इस परिवार में एक ऐसी ही घटना हुई थी। जिससे सम्पूर्ण समाज ने इस परिवार से अपना नाता तोड़ लिया था। समाज का एक भी सदस्य प्रेमपाल के परिवार को किसी भी खुशी या दुख के कार्यक्रम में नहीं बुलाता है। अब समाज ने प्रेमपाल की इस कायराना वारदात के बाद इस परिवार से और दूरी बना ली है।

पढ़ी-लिखी बेटियां स्कूलों में करेंगी ध्वजारोहण

गुरुग्राम। स्वतंत्रता दिवस पर इस बार कोरोना महामारी के चलते स्वतंत्रता दिवस पर स्कूली बच्चे अपनी प्रस्तुतियों का प्रदर्शन नहीं कर सकेंगे, लेकिन शिक्षा विभाग ने छात्र-छात्राओं की भावनाओं का ध्यान रखते हुए स्कूल शिक्षा का सलाम, राष्ट्र और कोरोना वारियर्स के नाम थीम पर कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला लिया है।

इन कार्यक्रमों में सीमित लोग ही शामिल हो सकेंगे और उन सभी को सामाजिक दूरी का पालन करते हुए मास्क लगाना भी अनिवार्य होगा। कोरोना महामारी के चलते स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में छात्र शामिल नहीं हो सकेंगे। हर वर्ष की भांति गांव की सबसे पढ़ी-लिखी बालिका व महिला द्वारा जिले के स्कूलों में ध्वजारोहण किया जाएगा।

अवैध रूप से पार्टी कर शराब का सेवन करते 30 युवक-युवती पकड़े

मौके से तीन पेटी बीयर, एक पेटी अंग्रेजी की अवैध रूप से लाई शराब भी बरामद

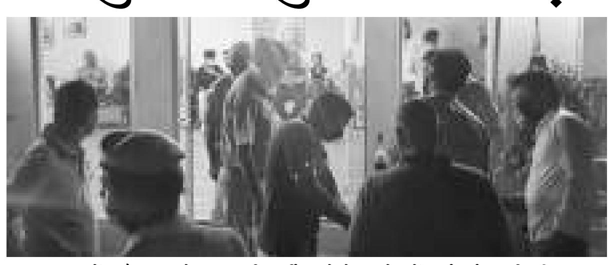

गुरुग्राम में अवैध रूप से शराब की पार्टी करने के आरोप में कार्रवाई करती पुलिस।

गुरुग्राम। यहां डीएलएफ फेज-1 पुलिस थाना के अंतर्गत एक स्थान पर 30 युवक-युवतियां अवैध रूप से पार्टी करके अवैध शराब का सेवन कर रहे थे। पुलिस ने छापेमारी की तो यह हकीकत सामने आई। पुलिस ने सभी को हिरासत में लिया। पुलिस प्रवक्ता सुभाष बोकन के अनुसार पुलिस ने मौके से 3 पेटी बीयर, 1 पेटी अवैध शराब की भी बरामद की है।

गुरुग्राम पुलिस आयुक्त केके राव को एक गुप्त सूचना मिली थी कि फरीदाबाद रोड पर ग्वाल पहाड़ी गांव के पास एक स्थान पर नियमों व निर्देशो की उल्लंघना करके कुछ युवक-युवतियां शराब का सेवन कर रहे हैं। इस सूचना पर एसीपी डीएलएफ करण गोयल को पुलिस आयुक्त ने छापेमारी के निर्देश दिए। एसीपी की ओर से इस बाबत सूचना एकत्रित की गई। उन्हें पता चला कि ऑफ रोड एडवेंचर जोन बालियावास में 22 युवक व 8 युवतियां सार्वजनिक स्थान पर अवैध रूप से शराब का सेवन कर रहे हैं।

आवेदक ने सरपंच पर अर्जी वापस लेने को जानसे मारने की धमकी का लगाया आरोप

नूंह। जिले के पिनगवां खंड के गांव ढाणा के रहने वाले जफर उर्फ गुलाम नाम के युवक द्वारा गांव में सरपंच द्वारा कराए गए विकास कार्यों की जानकारी आरटीआई से अधिकारियों ने दो महीने बाद भी नहीं दी। जिसके बाद शिकायतकर्ता ने प्रथम अपील लगाई, लेकिन वहां से भी कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद द्वितीय अपील राज्य जनसूचना अधिकारी पंचायत राज हरियाणा से को भेजी गई। शिकायतकर्ता जफर ने बताया कि उन्होंने संबंधित बीडीपीओ से गांव में हुए विकास कार्यों की जानकारी मांगी थी। जिसका दो महीने बाद भी बीडीपीओ ने कोई जवाब नहीं दिया। इसके बाद प्रथम अपील जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नूंह से की गई वहां से भी कोई जवाब नहीं मिला। शिकायतकर्ता को जब कहीं से भी कोई जवाब नहीं मिला तो आखिर में पंचायत राज से द्वितीय अपील की गई है। जफर उर्फ गुलाम का आरोप है कि जवाब तो मिल ही नहीं रहा है साथ में सरपंच व उसके परिवार के लोग उस पर दबाव बनाने के लिए जानसे मारने तक की धमकी भी दे रहे हैं। जफर का कहना है कि यदि रास्ते में या कहीं पर भी उसके साथ कोई वारदात हुई तो उसके जिम्मेदार सरपंच व उसका परिवार होगा।

उपमंडल बनने के तीन वर्ष बाद भी तावडू में नहीं बनी सिविल कोर्ट

आखिर तावडू के साथ क्यों हो रहा है भेदभाव

तावडू। मंगलवार 11 अगस्त को तावडू को उपमंडल का दर्जा मिले तीन वर्ष हो जाएंगे। यहां सिविल कोर्ट को भी मंजूरी मिल चुकी है, लेकिन यहां के लोगों को सिविल कोर्ट नसीब नहीं हो सकी है। लोगों को अब भी अपने कोर्ट संबंधी कार्यों को लेकर नूंह के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। जिसके चलते उनकी नजर में उपमंडल की पूरी सार्थकता भी नहीं रही है।

क्षेत्र के मौअजिज लोगों के मुताबिक उपमंडल बनने के बाद भी अगर सरकारी, प्रशासनिक व न्यायिक कार्यों को लेकर जिला मुख्यालय के ही चक्कर लगाने पड़ेंगे तो फिर सरकार ने आखिर तावडू को उपमंडल का दर्जा ही क्यों दिया।

11 अगस्त 2017 को तावडू को उपमंडल का दर्जा मिलने के बाद क्षेत्र में सिविल कोर्ट के गठन की मांग ने जोर पकड़ा। उसके बाद नूंह दौरे पर आए हाइकोर्ट जस्टिस दीपक सिब्बल से तावडू के लोगों ने इस संदर्भ में मुलाकात की थी। 8 दिसंबर 2017 को सेशन जज के माध्यम से रिपोर्ट स्टेट्स हाईकोर्ट भेजी गई। दो जगहों का मुआयना भी किया गया। हाइकोर्ट जज अरविंद सांगवान ने भी इसी संबंध में तावडू के ब्लॉक समिति कार्यालय, केनाल रेस्ट हाउस व एक अन्य प्राइवेट बिल्डिंग का निरीक्षण किया। क्षेत्र के करीब 2300 केस न्यायालयों में विचाराधीन हैं।

क्या कहते हैं क्षेत्र के मौजिज लोग

नगर पालिका चेयरपर्सन के पति आशीष गर्ग का कहना है कि स्वीकृति के बाद भी सिविल कोर्ट की स्थापना न होना लोगों की समझ से बाहर है। सिविल कोर्ट के गठन से लोगों को नूंह के चक्कर काटने से राहत मिलेगी। उनकी नजर में उपमंडल की पूर्ण सार्थकता भी होगी।

सीएम विंडो एमिनेंट सिटीजन प्रधान सुरेश का कहना है कि इस मांग को लेकर क्षेत्रवासी काफी समय से संघर्ष करते आ रहे हैं। सिविल कोर्ट के गठन से लोगों की नजर में उपमंडल की सार्थकता भी साबित होगी।

मार्केट कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष महेंद्र गोयल कहते हैं कि उपमंडल की वास्तविक सार्थकता लोगों की नजर में तभी है, जब यहां सिविल कोर्ट बैठे। उपमंडल बनने के बाद भी अगर जिला मुख्यालय के ही चक्कर काटने पड़ रहे हैं तो उपमंडल का कोई लाभ नहीं। हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के प्रधान दीपक धारीवाल का कहना है कि जब से उपमंडल बना है तब से लोगों की यही महत्वपूर्ण मांग है।

जेई सहित चार बिजली कर्मी निलंबित

बिजली निगम को लाखों के राजस्व का नुकसान पहुंचाने का है आरोप

गुरुग्राम। बिजली निगम द्वारा जूनियर इंजीनियर (जेई) सहित चार बिजली कर्मियों को निलंबित करने के आदेश दिए गए हैं। आरोप है कि उपभोक्ता का बिजली मीटर लगाकर उस मीटर को रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किया गया। जिससे इन बिजली कर्मियों की लापरवाही से बिजली निगम को करीब 3 लाख 67 हजार रुपये के राजस्व की हानि हुई है। इस तरह से भ्रष्टाचार के आरोप में साउथ सिटी उपमंडल के जेई सहित चार कर्मियों को तुरंत प्रभाव से निलंबन कर नारनौल कार्यालय से अटैच कर दिया है। जानकारी के अनुसार उपभोक्ता ने बिजली कनेक्शन का आवेदन वर्ष 2018 के नवम्बर माह में किया था। उसको कनेक्शन भी दे दिया गया। उसको मीटर भी लगा दिया गया, लेकिन मीटर को बिजली निगम के रिकॉर्ड में दर्ज नहीं किया गया। जब मामले की खुलासा हुआ तो इसकी जांच अधीक्षण अभियंता प्रमोद गोयल को सौंपी गई। जांच में क्षेत्र के जेई विजेंद्र सिंह, सीए जितेंद्र सिंह, शमीम खान यूडीसी व लाइनमैन पवन को दोषी पाया गया, जिस पर उन सभी को निलंबित कर दिया गया। पवन लाइनमैन का तबादला एक माह पूर्व नूंह उपमंडल में कर दिया गया था। इन कर्मियों की लापरवाही से बिजली निगम को 52 हजार 566 बिजली यूनिट का नुकसान हुआ। इन यूनिट का बिजली बिल 3 लाख 67 हजार रुपए बनता है।

लाइनमैन पवन के खिलाफ एक और जांच शुरू

निलंबित लाइनमैन पवन के खिलाफ बिजली निगम ने एक और जांच शुरु कर दी है। पवन के खिलाफ घाटा गांव के धीरज ने धोखाधड़ी का मामला पहले से ही दर्ज कराया हुआ है कि पवन ने एक लाख 18 हजार रुपये उससे उसका बिजली का बिल जमा करने के लिए लिये थे, लेकिन उसने उसे फर्जी रसीद ही थमा दी थी। इसी प्रकार पवन ने दूसरा मीटर के लिए भी उपभोक्ता से करीब 2.3 लाख रुपए लिए थे, लेकिन उसका बिल भी जमा नहीं कराया था। पवन के खिलाफ सेक्टर-56 में धीरज की शिकायत पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज करा दिया गया था। पवन की अग्रिम जमानत याचिका उच्च न्यायालय तक से भी खारिज हो चुकी है।

सोनीपत को प्रदेश का पहला गंदगी मुक्त जिला बनाएंगे : उपायुक्त

उपायुक्त ने कुराड़ से किया गंदगी मुक्त भारत अभियान का आगाज

कुराड़ में कचरा खरीद केंद्र को भी उपायुक्त ने किया लोकार्पित

कुराड़ गांव में लोगों को संबोधित करते डीसी श्याम लाल पूनिया।

रणबीर सिंह। सोनीपत

कुराड़ में गंदगी मुक्त भारत अभियान का बतौर मुख्य अतिथि आगाज करते हुए उपायुक्त श्याम लाल पूनिया ने कहा कि सोनीपत को हरियाणा का पहला गंदगी मुक्त जिला बनाएंगे। इसके लिए ग्राम पंचायतों व आम जनमानस का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वच्छ भारत का स्वप्न देखा था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साकार रूप प्रदान कर रहे हैं। हमें भी इन प्रयासों की सफलता के लिए हर संभव सहयोग देना होगा।

रात्रि चौपाल के साथ बीती रात्रि कुराड़ इब्राहिमपुर गांव में गंदगी मुक्त भारत अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अन्य ग्राम पंचायतों ने भी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से अपनी भागीदारी दी। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त तक यह अभियान जारी रहेगा। इस दौरान स्वच्छता स्थापित करने की दिशा में बेहतरीन कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों को भी सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतें भी प्रस्ताव पारित कर प्रेषित करेंगी कि उनका गांव गंदगी मुक्त एवं खुले में शौच मुक्त बन चुका है। प्रस्ताव के साथ उन्हें कार्य संबंधी पांच फोटो भी प्रेषित करने होंगे। उपायुक्त ने कहा कि महात्मा गांधी ने गंदगी व भेदभाव मुक्त भारत को जो स्वप्न संजोया था उस दिशा में हम तीव्रता से आगे बढ़ रहे हैं। हमें विचारों को भी साफ-सुथरा रखना होगा। इसके लिए अच्छी शिक्षा व संस्कारों की स्थापना अति आवश्यक है। साथ ही उन्होंने कहा कि बाहरी गंदगी से निजात दिलाने के लिए केंद्र सरकार प्रयासरत है और राज्य सरकार इन प्रयासों को अमलीजामा पहना रही है। प्रदेश व जिला ने खुद को खुले में शौचमुक्त कर लिया है।

उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था कायम रहनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने ग्रामीणों के हाथ खड़े करवाकर सहयोग मांगा तो ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक हाथ खड़े कर हर सहयोग का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि यदि अपने ही घर-गांव में गंदगी है तो फिर सफाई का कोई अर्थ नहीं रह जाता। इसलि श्रम करने की आवश्यकता है, ताकि हमें शर्म का भागी न बनना पड़े। डीसी ने इस दौरान ग्रामीणों का आह्वान किया कि वे मूल कर्त्तव्यों का अनुपालन भी ईमानदारी से करें। हम अधिकारों की बात तो करते हैं किंतु कर्त्तव्य भूल जाते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। अधिकार और कर्त्तव्य में सामंजस्य बना रहना आवश्यक है। इस मौके पर सरपंच व ग्रामीणों ने उपायुक्त के समक्ष ट्यूबवेल कनेक्शन, बिजली और खनन संबंधी समस्याएं प्रस्तुत कीं। उपायुक्त ने भरोसा दिया कि गांव में कोई समस्या शेष नहीं रहने दी जाएगी।

हर प्रकार का कचरा खरीदा जाएगा

इस दौरान उपायुक्त ने कुराड़ में स्थापित किए गए कचरा खरीद केंद्र को भी लोकार्पित किया। उन्होंने कहा कि यहां हर प्रकार का कचरा खरीदा जाएगा। अत: ग्रामीण अपने घरों का कचरा इधर-उधर न फेंके। कचरे से ग्रामीण अपनी कमाई भी कर सकते हैं। यह एक पंथ दो काज वाली स्थिति होगी। साथ ही उन्होंने कोविड-19 कोरोना वायरस से बचाव के संदर्भ में भी ग्रामीणों को जागरूक किया। एसडीएम विजय सिंह ने भी ग्रामीणों को गंदगी मुक्त भारत अभियान की सफलता में सहयोग के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधारोपण के लिए भी ग्रामीणों को प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के उचित प्रयोग का भी आह्वान किया। इस अवसर पर खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी मनीष मलिक, स्वच्छ भारत मिशन टीम के अंतर्गत कार्यरत दिलबाग सिंह, सरपंच अंजू व उनके पति बिजेंद्र सिंह, कर्ण सिंह, कंवल सिंह, हरिकिशन आदि गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

बैयांपुर खुर्द में बिजली-पानी और गलियों की हालत दयनीय : मदान

बैंयापुर खुर्द में ग्रामीणों को संबोधित करते निखिल मदान।

गांव में मूलभूत सुविधाओं का अभाव

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

युवा समाजसेवी एवं कांग्रेस नेता निखिल मदान ने बैयांपुर खुर्द में आयोजित कार्यक्रम में लोगों से मुलाकात करते हुए उनकी जन समस्याओं को सुना। कार्यक्रम में पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने निखिल मदान का गर्मजोशी से स्वागत किया।

ग्रामीणों ने निखिल मदान के सामने बैयांपुर खुर्द की समस्याओं को रखा। ग्रामीणों ने बताया कि अब बैयांपुर खुर्द नगर निगम का हिस्सा है और शहर के सबसे नजदीक है, परंतु फिर भी गलियों का पक्का न होना, स्ट्रीट लाइट की सुविधा न होना, स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति समय पर न होना कुछ ऐसे मुद्दे है, जिससे लोगों को परेशान होना पड़ता है। बारिश के समय हर गली में जल भराव की मुख्य समस्या है। सीवरेज लाइन का न होना और कुछ हिस्से में सीवरेज लाइन का हमेशा जाम रहना उनकी तकलीफों को बढ़ा रहा है। निखिल मदान ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि वो जल्द ही अधिकारियों से बात कर उनकी हर समस्या का समाधान करवाएंगे। निखिल मदान ने कार्यक्रम में मौजूद बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया और सभी को कोरोना महामारी से बचने के लिए सावधानी बरतने की अपील की। मौके पर शेर सिंह, रामकिशन जोगी, अनिल कुमार, महेंद्र सिंह, डॉ राजेश पांचाल, कंवर भान, जगदीश, महिपाल, सूबे फौजी, बलराज फौजी, सतपाल, नवाब जांगड़ा, बिजेंद्र फौज़ी और महाबीर सिंह मलिक आदि लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त-समाचार

विधायक ने क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारम्भ किया

इंद्री। रामकुमार कश्यप ने विकास खंड इंद्री के गांव राजेपुर में आयोजित एक दिवसीय क्रिकेट मैच प्रतियोगिता का रिबन काटकर शुभारम्भ किया। क्रिकेट प्रतियोगिता में खंड इंद्री, खंड लाडवा व गंगोह (उतर प्रदेश) सहित 16 टीमें भाग ले रही हैं। क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि खेल हमारे जीवन का अभिन्न अंग है और हरियाणा के खिलाड़ियों ने न केवल प्रदेश बल्कि देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ऊंचा किया है। आज विश्व में होने वाली हर खेल प्रतियोगिताओं में भारत के खिलाड़ी भाग लेते हैं। मौके पर भाजपा मडलाध्यक्ष अमित खेड़ा, विजय काम्बोज पटहेडा, रणबीर गोयत, कृष्ण सरपंच, मांगेराम शर्मा, राजेश कुमार, नीरज मंगला राजेश गुरप्रीत कश्यप, सौरभ पांचाल, मोहित कुमार कश्यप, लक्ष्मणदास कश्यप, रामचन्द्र कश्यप, रोहित मलिक राजेपुर आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ससुर ने पुत्रवधु की डंडों व लात-घूसों से की पिटाई

रेवाड़ी। जिले के एक गांव में ससुर ने अपनी पुत्रवधु की डंडों से जबरदस्त पिटाई कर दी। इससे पहले पीड़िता को उसकी ननद सहित अन्यों ने जमकर पीटा था, जिससे उसका गर्भपात हो गया था। महिला की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गांव भाड़ावास निवासी एक महिला ने पुलिस को शिकायत दी है कि उसके ससुर ने उसे डंडों व लात-घूसों से जमकर पीटा। महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि उसके हाथों से फर्श पर पानी गिर गया था, जिसको लेकर उसके सुसर ने बवाल खड़ा कर दिया। उसके साथ गाली-गलौज की, जब उसने इसका हलका विरोध किया तो उसे लात-घूसों व डंडों से जमकर पीटा। उसके शरीर पर गहरी चोट आई है। महिला ने बताया कि पूर्व में भी उसके साथ उसकी ननद व अन्यों ने मारपीट की थी, उसके पेट में लात तक मारी गई थी, जिससे उसका गर्भपात हो गया था। उस समय परिवार की इज्जत देखते हुए उसने पुलिस में शिकायत नहीं की थी, लेकिन अब वह न्याय चाहती है। इधर जांच अधिकारी ने बताया कि महिला की शिकायत दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जाएगी और आरोपी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

रक्तदान कर डॉ. जगबीर सिंधू को दी श्रद्धांजलि

कुरुक्षेत्र। सर्जन एवं कोरोना योद्धा डॉ. जगबीर सिंधू की याद में एलएनजेपी अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर लगाया। शुभकर्मण चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सर्व समाज कल्याण सेवा समिति के सहयोग से लगाए गए इस शिविर में 20 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। शिविर में मुख्यातिथि के तौर पर गुजरात के राज्यपाल के ओएसडी डॉ. राजेंद्र विद्यालंकार ने शिरकत की। वरिष्ठ प्रयोगशाला तकनीशियन नरेश सैनी की टीम ने रक्त एकत्रित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एलएनजेपी अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शैलेंद्र ममगाईं शैली ने की। शुभकर्मण चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्ष राजवंत कौर ने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति को हर तीन माह बाद रक्तदान करना चाहिए। युवाओं को इस कार्य में अपना अहम योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान करके हम किसी का अनमोल जीवन बचा सकते है। इसके लिए हमें सदैव तत्पर रहना चाहिए। डा. राजेंद्र ने मोहन नगर स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में निस्वार्थ भावना से सेवा करने पर सुनहरी देवी को सम्मानित किया। डॉ. राजेंद्र विद्यालंकार ने कहा कि मानवता सेवा के लिए रक्तदान सबसे श्रेष्ठ कार्य है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. शैलेंद्र ममगाईं शैली ने बताया कि लॉकडाउन के बाद ब्लड बैंक में यह 68वां शिविर है। इसमें से तीन शिविर बाहर लगाए गए हैं और बाकी के 65 शिविर ब्लड बैंक में ही लगाए गए हैं, जिनमें अब तक 1600 यूनिट रक्त एकत्रित किया जा चुका है। सर्व समाज कल्याण सेवा समिति के अध्यक्ष रामेश्वर सैनी ने रक्तदाताओं का आभार जताया।

आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को मास्क बांटे

करनाल। समाजसेवी पंकज गाबा के नेतृत्व में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए मास्क वितरण का अभियान चलाया। जिसमें पहले दिन नरसी विलेज के पास झुग्गी झोपड़ी में और नूर महल चौक पर खड़े दिहाड़ी मजदूरों को मास्क वितरित किए। उन्होंने कहा अभियान के तहत पूरा प्रयास किया जाएगा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों तक मास्क पहुंचाया जाए और मास्क पहनने के बारे में बताया जाए ताकि लोग मास्क पहनकर घर से बाहर निकलें। गाबा ने कहा कि वह पिछले पांच महीने से लगातार कोरोना कॉल में जरूरतमंदों के लिए इस तरह के अभियान चलाते आ रहे हैं गाबा ने कहा अभियान में ई-रिक्शा चलाने वालों को रेहड़ी लगाने वालों को झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों को मजदूरों को व अन्य जरूरतमंद लोगों को मास्क वितरित किए जाएंगे और साथ ही उन्होंने एक अपील भी की जो भी कोरोना पॉजिटिव से नेगेटिव हुए हैं वो प्लाज्मा डोनेट अवश्य करें वैश्विक महामारी में यह सबसे बड़ी मानवीय सेवा है इस मौके पर उनके साथ पीयूष शर्मा, सोनू शर्मा और पुनीत कुमार मौजूद रहे।

अभियान के तहत कारसा गांव में लगाए 101 पौधे

निगदू। भाजपा द्वारा चलाए जा रहे अभियान म्हारा हरियाणा हरा भरा हरियाणा के तहत निगदू भाजपा मंडल के अध्यक्ष कर्मबीर शर्मा व अन्य कार्यकर्ताओं ने कारसा गांव में 101 पौधे लगाए। भाजपा अध्यक्ष कर्मबीर शर्मा ने बताया कि अभियान के तहत कारसा गांव के शिव मंदिर, शिव पुरी व संत रविदास मंदिर के प्रांगण में 101 पौधे लगाए। उन्होंने बताया कि 3 अगस्त से चल रहा अभियान भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि 16 अगस्त तक चलेगा। जिसका उद्देश्य प्रदेश में हरियाली बढ़ाना है।

गो रक्षा दल के सदस्यों ने घायल गोवंश को अस्पताल भेजा

इंद्री। उपमंडल के गांव बुरज के पास रविवार सुबह किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक गोवंश घायल हो गया। सूचना मिलते ही गो रक्षा दल की टीम ने करनाल चिकित्सालय से एंबुलेंस बुलाकर घायल गोवंश को करनाल चिकित्सालय में भेजा। गोरक्षा दल के प्रधान सचिन शांडिल्य ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल गोवंश का यह पहला केस नहीं है बल्कि ऐसे केस गो रक्षा दल के पास प्रतिदिन आ रहे हैं। गोवंश को बेसहारा न बनाएं इसे गोशाला में छोड़ें। इस कार्य में गोलू मंढ़ाण, निशांक नेहरा, संदीप नेहरा, मोहित नेहरा, सनी मंडाण, रिंकू कश्यप का योगदान रहा।

केंद्र व राज्य सरकारों का रवैया जनता के प्रति आज भी अंग्रेजों जैसा

पीएल वर्मा। कैथल

14 अगस्त को पीटीआई के समर्थन में जेल भरो आंदोलन में भाग लेंगे कर्मचारी

कर्मचारियों को संबोधित करते कर्मचारी नेतागण।

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा एवं अनेक अन्य केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर रविवार को सत्याग्रह आंदोलन के अवसर पर अध्यक्ष मंडल में सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान जरनैल सिंह, गांधी लेगा जिला प्रधान महासंघ, नरेश रोहिया जिला प्रधान सीटू, महेंद्र सिंह जिला प्रधान किसान सभा, साहब सिंह जिला प्रधान इंटक, गोलू बाता एसएफआई व धूप सिंह सिरोही रिटायर्ड कर्मचारी संघ शामिल रहे।

मंच संचालन सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव रामपाल शर्मा ने किया। कार्यक्रम में सीटू के कोषाध्यक्ष जयप्रकाश शास्त्री, सतबीर गोयत, आंगनबाड़ी की राज्य महासचिव शकुंतला ने कहा कि आज भारत छोड़ो आंदोलन की 78वीं वर्षगांठ के अवसर पर मजदूर, कर्मचारी, शिक्षक वर्ग को भारत बचाओ आंदोलन इसलिए करना पड़ रहा है, क्योंकि अपनी जनता के प्रति वर्तमान केंद्र व राज्य सरकारों का रवैया भी वैसा ही है, जैसा आजादी से पहले अंग्रेजों का था। आज का सत्याग्रह आंदोलन मुख्यता केंद्र सरकार द्वारा करोना महामारी को अवसर में बदलकर जनता के खून पसीने से खड़े किए गए सार्वजनिक क्षेत्र जैसे कि भारत कोल, भारत पेट्रोलियम, भारतीय रेल, भारतीय दूरसंचार, एयर इंडिया आदि जो जनता की सुविधा के लिए खड़े किए थे, वह पूंजीपतियों के हवाले किए जा रहे हैं। कर्मचारियों पर एकतरफा अनेक आर्थिक कटौतियां अनेक आर्थिक हमले किए जा रहे हैं।

पीटीआई तालमेल कमेटी के जिला प्रधान सतपाल शर्मा, विजेंद्र मोर व बलवान कुंडू आदि ने लोगों को संबोधित किया। 14 अगस्त को कैथल के सभी विभागों के कर्मचारी पीटीआई के समर्थन में जेल भरो आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। इस अवसर पर कामरेड प्रेमचंद, ग्रामीण सफाई कर्मचारी मजदूर यूनियन के राज्य प्रधान बसाऊ राम, सर्व कर्मचारी संघ के वरिष्ठ उपप्रधान जसवीर सिंह, ओमपाल भाल रोडवेज के महासचिव पहल सिंह, आशा वर्कर जिला कमेटी सदस्य ज्योति, सुमन व रामदेवी आंगनबाड़ी वर्कर जिला उपप्रधान बाली देवी आदि मौजूद रहे।

जागरुकता से हराया जा सकता है कैंसर : डा. दहिया

गांव मथाना में भारत सेटेलाइट टेंपरेरी क्लीनिक शिविर लगाया

सरबजोत सिंह दुग्गल। कुरुक्षेत्र

शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक।

फैथ इन टुमॉरो कैंसर फाउंडेशन एवं अखिल भारतीय महिला शक्ति मंच के संयुक्त तत्वावधान में गांव मथाना में भारत सेटेलाइट टेंपरेरी क्लीनिक का शिविर लगाया गया। इसकी अध्यक्षता राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित डा.संतोष दहिया ने की। इस दौरान आसपास के इलाकों से पहुंचे 160 से अधिक लोगों के स्वास्थ्य जांच की गई।

डॉ. संतोष दहिया ने बताया कि कैंसर जागरुकता के अभाव के कारण आज लाइलाज बीमारी बनता जा रहा हैं, लेकिन हमें कैंसर से लड़ना है। क्योंकि कैंसर एक लाइलाज बीमारी नहीं है, इसके लिए हमें लोगों को जागरूक करना होगा। उन्होंने कहा कि शहरों में विभिन्न साधनों के माध्यम से लोगों तक जागरूकता के संदेश पहुंचाना आसान है, लेकिन छोटे गांव और हलकों में ऐसा संभव नहीं हो पाता। इसके चलते भारत टेंपरेरी सेटेलाइट क्लीनिक की शुरुआत की गई है। निकट भविष्य में यह सुविधा प्रदेश के हर गांव तक पहुंचाने का आश्वासन भी उन्होंने दिया। फैद इन टुमॉरो कैंसर फाउंडेशन के संस्थापक हरप्रीत सिंह ने बताया कि कैंसर से लड़ने के लिए इसके प्रति जागरूकता जरुरी है। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था कैंसर पीड़ितों के लिए कार्य करेगी। फाउंडेशन के प्रोग्राम डायरेक्टर डा. अनिन्द्य भल्ला ने बताया कि कैंसर लाइलाज बीमारी नहीं है। समय पर कैंसर के लक्षण का पता लगने पर पूर्ण रूप से इसका इलाज संभव है। हमारी संस्था ने कैंसर के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए एक विशेष पहल की है। उन्होंने बताया कि हम सम्पूर्ण भारत में भारत सेटेलाइट टेंपरेरी क्लीनिक की शुरुआत करने जा रहें हैं। इसका उद्देश्य आम लोगों तक घर घर पहुंच कर उन्हें कैंसर के प्रति जागरूक करना है।

शिविर में 71 यूनिट रक्तदान

सोनीपत। मां भारती रक्तवाहिनी के द्वारा 69वें रक्तदान शिविर में सिविल अस्पताल की रक्तकोष टीम ने 71 यूनिट रक्तदान कराया। रक्तदाताओं की संख्या अधिक होने के कारण समय से पहले शिविर को रोक दिया गया, क्योंकि संस्था द्वारा जितना अनुमान रक्तदाताओं के पहुंचने का था, उससे कही अधिक व्यक्ति रक्तदान करने पहुंचे। रक्तदाताओं का ऐसा जज्बा फाजिलपुर व आस-पास के गांवों का इस शिविर में देखने को मिला।

संस्था ने यह रक्तदान शिविर स्वतंत्रता दिवस मनाते हुए लगाया गया था, जिसमें संस्था के संरक्षक डा. पूर्णमल गौड़ व सेवा भारती के हरियाणा उपाध्यक्ष स्वामी अम्रतानंद मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। स्वामी ने सभी रक्तदाताओं को साधुवाद दिया और खुद भी रक्तदान कर सभी को रक्तदान जैसे सेवा कार्य के लिए प्रेरित किया। स्वामी अम्रतानंद ने संस्था के अन्य ग्रुप मां भारती साइकिल क्लब का भी शुभारंभ किया।

स्वतंत्रता सेनानी संगठन की अध्यक्ष शांता जैन ने शिविर में पहुंच कर रक्तदाताओं को मास्क व सेनेटाइजर वितरित किए। शिविर में भूतपूर्व रेडक्रॉस सचिव सुभाष वशिष्ठ, देवेंद्र सूरा, संस्था अध्यक्ष रविन्द्र शर्मा, समुंद्र मलिक, प्रवीन वर्मा, संदीप मलिक, यशपाल आर्य, सुभाष गुप्ता, स्नेहलता, मनीष, जयबीर गहलावत, हेमंत नांदल, वेद, अनिल, अंकुश आदि मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रेम गौतम आदि मौजूद रहे।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- तरुण सतीजा दुकान नंबर 3689 निकट काबली गुरुद्वारा एसजीएम नगर 7701965422
- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- कामरेड,बल्लभगढ़ रेड लाइट
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

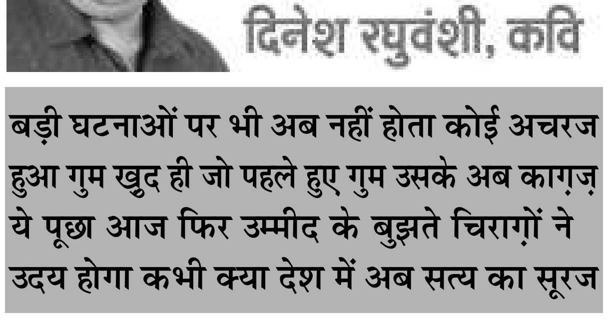

बड़ी घटनाओं पर भी अब नहीं होता कोई अचरज
हुआ गुम खुद ही जो पहले हुए गुम उसके अब कागज़
ये पूछा आज फिर उम्मीद के बुझते चिरागों ने
उदय होगा कभी क्या देश में अब सत्य का सूरज

जमकर बरसे बदरा, गर्मी से मिली राहत

शहर के सरकारी अस्पताल परिसर व रास्ते में भरा बरसात का पानी।

पायनियर समाचार सेवा। रेवाड़ी

जिले में रविवार को बदरा जमकर बरसे। शहर में चारों ओर पानी ही पानी हो गया। करीब एक घंटे हुई झमाझम बरसात से जहां आमजन को गर्मी से राहत मिली, वहीं जलभराव से परेशानी भी उठानी पड़ी।

इस बार श्रावण मास में बरसात नहीं होने से गर्मी का काफी असर देखा गय। आमजन बरसात के इंतजार में था, लेकिन श्रावण मास लगभग सूखा निकल गया। भाद्रपद के इस महीनें में पहली बार रविवार को जमकर बरसात हुई। शाम करीब साढ़े तीन बजे शुरू हुई बरसात करीब पौने पांच बजे तक जारी रही। बरसात इतनी तेज थी कि चारों ओर पानी ही पानी हो गया। शहर का सरकारी अस्पताल, बस स्टैंड, से1टर, मॉडल टाउन सहित अन्य ईलाकों में गहरा जलभराव हो गया, जिससे वाहन चालकों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। शहर के निचले हिस्सों, नई आबादी, नई बस्ती व कृषि भूमि पर बसी कॉलोनियों में स्थिति और अधिक खराब रही। बरसात ने नगर परिषद की सफाई व्यवस्था की भी पोल खोल कर रख दी। नालियों में भरी गंदगी सड़क पर आ गई, जिससे गली-मोहल्लों में गंदगी और अधिक बढ़ गई। बरसात का असर बाजार पर भी दिखाई दिया। बाजार सूने हो गए। पहले से ही मंदी की मार झेल रहे दुकानदार इस दौरान हाथ पर हाथ धरे बैठे रहे। बरसात का लाभ भी हुआ। पिछले कई दिनों से गर्मी की मार सहन कर रहे लोगों को मौसम सुहावना होने से राहत मिली।

सरकार जल्द गुर्जर रेजीमेंट बनाए : सोनू गुर्जर

सोनीपत। जीटी रोड स्थित एक ढाबे पर हुई राष्ट्रीय वीर गुर्जर सेना की बैठक में सरकार से देश में जल्द गुर्जर रेजीमेंट बनाए जाने की मांग को लेकर चर्चा की गई। बैठक में राष्ट्रीय वीर गुर्जर सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्य अतिथि चौधरी सोनू गुर्जर का हरियाणा मीडिया प्रभारी चौधरी मनीष पंवार गुर्जर ने पगड़ी बांधकर स्वागत किया। बैठक में राष्ट्र स्तरीय टीम के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में सोनीपत अध्यक्ष चौधरी विनादे गुर्जर, उपाध्यक्ष चौधरी ओमवीर सिंह गुर्जर, सकेटरी चौधरी राकेश बोस ने बैठक में आए सभी मेहमानों का स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू गुर्जर ने कहा कि सरकार द्वारा जल्द ही गुर्जर रेजीमेंट नहीं बनाया तो कोरोना काल के बाद एक आंदोलन किया जाएगा। गुर्जर रेजीमेंट बनवाने के लिए दिल्ली से पूरे देश में पदयात्रा निकाली जाएगी और आंदोलन करेंगे।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा -201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। संपादक : चंदन मित्रा, स्थानीय सम्पादक : प्रवीण मोहंती। दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किये गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

राजपक्षे परिवार की विजय

संबंध सुधारने का प्रयास करें

श्रीलंका के नागरिकों ने उदारवाद के बजाय स्थायित्व तथा लोकतंत्र के बजाय बेहतर कामकाज को वरीयता देते हुए देश के संसदीय चुनाव में व्यापक जनादेश से राजपक्षे परिवार की सत्ता में वापसी की है। राष्ट्रपति गोटाभाया राजपक्षे की सत्तारूढ़ श्रीलंका पीपुल्स पार्टी-एसएलपीपी को 150 सीटों में से 145 पर विजय मिली है। इससे उनको संविधान में परिवर्तन की शक्ति मिली है और वे अपनी कार्यकारी शक्तियों का विस्तार करते हुए सुनिश्चित कर सकते हैं कि उनके बड़े भाई महिंदा राजपक्षे प्रधानमंत्री बने रहें। संक्षेप में, अब श्रीलंका की राजनीति पर वंशवादी पकड़ संपूर्ण हो गई है। दोनों भाई अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए पूर्व सरकार द्वारा किए सुधार प्रयासों को उलट सकते हैं। भारत समेत दुनिया के अन्य देशों की तरह श्रीलंकाई नागरिकों ने भी कठिन समय में राष्ट्रवादी व मजबूत नेतृत्व को सत्ता सौंपी है। सरकार के स्मार्ट कोविड-19 प्रबंधन को जनता ने पसंद किया है जिसके चलते अब तक इस बीमारी से केवल 11 मौतें हुई हैं और चुनाव प्रक्रिया आराम से पूरी हुई। ईस्टर धमाकों के बाद राजपक्षे भाइयों को मजबूत व सक्षम नेताओं के रूप में देखा गया है और उनकी पार्टी की पकड़ बहुसंख्य सिंहल बौद्धों पर मजबूत हुई है। तमिल आंदोलन को कठोरता से कुचलने के कारण सिंहली गोटाभाया पर विश्वास करते हैं, हालांकि इस कार्रवाई से उनको 'टर्मिनेटर' कहा जाने लगा था। भारत के लिए महिंदा राजपक्षे की वापसी चिन्ताजनक हो सकती है क्योंकि उन्होंने तमिलों के प्रति कठोर दृष्टिकोण अपनाते हुए रणनीतिक क्षेत्रों में चीन का भारी निवेश स्वीकार किया था। अतीत में उन्होंने नई दिल्ली पर

श्रीलंका के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का आरोप भी लगाया था। मैतिरीपाला सिरीसेना की एसएलएफपी व उसकी सहयोगी यूएनपी की चुनाव में विजय के बाद रनिल विक्रमसिंघे ने गठबंधन सरकार बनाई थी जो भारत-समर्थक थी। लेकिन बाद में उन्होंने सिरीसेना को नीचा दिखाने और प्रधानमंत्री पद पर कब्जा करने में सफलता पाई। गोटाभाया ने रक्षा और सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली, तमिल-बहुल क्षेत्रों पर कठोर सैनिक नियंत्रण बनाए रखा तथा भारतीय राजनयिकों की निगरानी कराई। यदि भारत चीन को आगे बढ़ने से रोकना चाहता है तो उसे भू-रणनीतिक कारणों से श्रीलंका में पैदा यह अविश्वास समाप्त कर संबंध सुधारने होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबसे पहले महिंदा राजपक्षे को विजय की बधाई दी जिनके साथ कोविड-19 प्रबंधन के मामले में उनका निरंतर संपर्क बना हुआ था। भारतीय राजनय को छोटे पड़ोसियों के प्रति व्यावहारिकता प्रदर्शित करनी होगी। हालांकि, ये पड़ोसी चीन से आशंकित हैं, पर वे दोनों एशियाई महाशक्तियों के बीच बढ़ते टकराव से अलग रह कर शांति से विकास करना चाहते हैं। बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका खुशी के साथ चीन के साथ 'व्यापार संबंध' बढ़ाते हुए भी भारत के साथ 'ऐतिहासिक संबंधों' को भी महत्व देते हैं। इस प्रकार वे दोनों देशों से रियायतें पाना चाहते हैं। महिंदा राजपक्षे ने भी विजय के इस अवसर पर भारत को 'मित्र' कहा है जिसके साथ उनका 'दीर्घकालीन सहयोग' रहा है। मोदी सरकार ऐतिहासिक आधारों पर श्रीलंका संबंधी नीति में सक्रिय सहभागिता प्रदर्शित करती रही है। लेकिन श्रीलंका में चीन की स्थिति ज्यादा मजबूत है। श्रीलंका द्वारा कर्ज न अदा कर पाने के कारण उसने हंबनटोटा बंदरगाह 99 साल के लिए पट्टे पर ले लिया है और इसका प्रयोग हिंद महासागर से पूर्वी अफ्रीका तक अपनी सैनिक उपस्थिति मजबूत करने के लिए कर रहा है। चीन कोलम्बो के निकट एक कृत्रिम द्वीप भी बना रहा है जो नया वित्तीय हाटस्पाट तथा पूर्वी अफ्रीका तक संपर्क का नया रास्ता बनेगा। ऐसे में अपने रणनीतिक हितों पर चीन की छाया पड़ने से रोकने के लिए भारत को श्रीलंका के साथ संबंध बेहतर बनाने होंगे। इसके साथ ही उसे तमिल हितों के संबंध में भी ज्यादा झुकने से बचना होगा।

मंदिर आंदोलन से कांग्रेस बेनकाब

आज राहुल गांधी की अनेक मंदिर यात्राओं तथा स्वयं को प्रतिबद्ध हिंदू के रूप में पेश करने के बावजूद कांग्रेस को सभी मध्यमार्गी हिंदुओं की स्वाभाविक पार्टी नहीं माना जाता है। 2014 व 2019 में दो पराजयों के बाद भारत की स्वाभाविक पार्टी के रूप में उसकी स्थिति समाप्त हो गई है। मोदी के उभार और हिंदू गौरव की भावना प्रज्वलित होने के बाद वह हाशिए पर आ गई है।

स्वपन दासगुप्ता
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राज्यसभा सदस्य हैं)

हिंदुओं को खुश करने तथा मुस्लिमों को नाराज न करने के बीच झूलती कांग्रेस राम मंदिर आंदोलन से बेनकाब हो गई। हिंदू राष्ट्रवाद के उभार के बाद वह अब मध्यमार्गी हिंदुओं की स्वाभाविक पार्टी नहीं रही। लगभग तीन दशक पहले 1990 में लालकृष्ण आडवाणी की सोमनाथ से अयोध्या यात्रा का नारा था 'मंदिर वहीं बनाएंगे'। इसने हिंदुओं में तीखा विभाजन पैदा किया। इसका कारण बार-बार यह सवाल पूछा जाना था कि एक पुरानी मुगल संरचना के स्थान पर राम मंदिर बनाना क्यों जरूरी है, जबकि वह वास्तव में राम मंदिर की तरह ही काम कर रही थी? 5 अगस्त को प्रधानमंत्री की सहभागिता वाले भूमि पूजन कार्यक्रम ने संकेत दिया कि समय बीतने और राजनीति में परिवर्तन के साथ ये भ्रम काफी सीमा तक गायब हो गए हैं। पहले विवादित स्थल समझे जाने वाले स्थान पर मंदिर के लिए भूमि पूजन पर सामाजिक व राजनीतिक प्रतिक्रियायें हिंदू एकता के शानदार स्तर की ओर संकेत करती हैं। मीडिया ने अत्यन्त असाधारण तरीके से अयोध्या में पूजा की सर्वोत्तम कवरेज के लिए आपस में प्रतियोगिता की। यह आश्चर्यजनक था। इससे संकेत मिला कि राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण एक राष्ट्रीय समझदारी का हिस्सा बन गया है। भारत ने पिछले एक हजार से अधिक वर्षों में जो संप्रभुता खोई थी, वह पूरी तरह वापस आ गई है। 1992 में सोलहवीं शताब्दी की रचना विध्वंस के समय न्यायपालिका समेत अवस्थापना कारसेवकों की निन्दा करने में एकजुट थी कि उन्होंने कानून अपने हाथ में लिया। आरएसएस पर थोड़े समय के लिए प्रतिबंध लगाया गया तथा भाजपा के सामान्य कामकाज पर भी असंख्य नियंत्रण लगाए गए। मंदिर आंदोलन के समर्थकों को उत्पीड़ित किया गया। पिछले सप्ताह बहुत कम विरोध सामने आया। कुछ बुद्धिजीवियों ने दुःख प्रकट किया कि एक आपराधिक कृत्य को वैध ठहरा दिया गया। कुछ दूसरे लोगों ने एक शुद्ध रूप से धार्मिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री की सहभागिता को सेक्युलरवाद पर हमला माना। लेकिन वामपंथ के अलावा लगभग सभी गैर-भाजपा पार्टियों ने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि उनको राम-विरोधी की तरह न देखा जाए। वे केवल यह कह रहे थे कि राम केवल भाजपा के न होकर सबके हैं। राम मंदिर परियोजना में भारतीय अवस्थापना की सहमति का संबंध बड़ी सीमा तक मामले में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय से है जो यदि 1885 से नहीं तो भी लगभग पिछले सात दशक से लटका हुआ था।

1988-89 में राम मंदिर को केन्द्रित करते हुए अत्यधिक भावनात्मक लामबंदी का हिंदू मतदाताओं पर ज्यादा प्रभाव पड़ा और कांग्रेस इसे भांप नहीं पाई। शाहबानो मामले में राजीव गांधी द्वारा फैसला उल्टे जाने, 1980 में अफगानिस्तान में युद्ध तथा ईरानी इस्लामी क्रान्ति से वैश्विक स्तर पर मुस्लिम कट्टरपंथ के विकास और अंतत: 1980 दशक के सांप्रदायिक दंगों से हिंदू राष्ट्रवाद की स्वीकार्यता बढ़ी। 1988 और 1991 के बीच चुनावों में कांग्रेस ने बिहार और उत्तर प्रदेश में हिंदुओं का समर्थन खो दिया और वह कभी इस नुकसान की भरपाई नहीं कर सकी।

इसके पहले मंदिर का विरोध करने वाले राजनेता इस विवाद को कानून के क्षेत्र में बनाए रखना चाहते थे क्योंकि उनमें अंतिम निर्णय लेने की प्रतिबद्धता नहीं थी। अदालतें भी फैसला देने के पक्ष में नहीं थीं ओर वे अच्छी तरह जानती थीं कि यह केवल संपत्ति का विवाद न होकर राजनीतिक विवाद है। भाजपा ने 1989 में ही स्पष्ट रूप से राम जन्मभूमि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रकट की थी, कांग्रेस जैसी पार्टी हिंदुओं को खुश करने और मुसलमान समुदाय को नाराज करने के बीच झूलती रही। अतीत में कांग्रेस ने बार-बार अत्यधिक चालाकी दिखाई। राजीव गांधी का व्यवहार इसका एक उदाहरण है। इसी प्रकार चीजों को अपनी गति से चलने देने का प्रदर्शन पी.वी. नरसिम्हाराव ने विध्वंस वाले दिन किया। लेकिन भाजपा के आक्रामक दृष्टिकोण के सामने उसने अपनी परंपरागत धोखाधड़ी की आदत से मुद्दे से पल्ला झाड़ने का प्रयास किया, हालांकि इसका नतीजा अच्छा नहीं निकला। जनाधार वाली राजनीतिक पार्टियों ने कभी अनेक बुद्धिजीवियों द्वारा प्रस्तावित कट्टर सेक्युलरवाद का पक्ष नहीं लिया। उन्होंने इस उम्मीद से वाक्छल करने का प्रयास किया कि यह मुद्दा समाप्त हो जाएगा।

कांग्रेस की दयनीय स्थिति का विश्लेषण किया जाना उचित होगा। स्वतंत्रता आंदोलन के समय से 1980 के दशक मध्य तक कांग्रेस हिंदुओं की स्वाभाविक पार्टी थी। हिंदू राष्ट्रवाद को गले लगाए बिना और जवाहरलाल नेहरू के अत्यधिक सेक्युलरवादी झुकाव के बावजूद उसे हिंदू चेतना में काफी स्थान प्राप्त था। इस स्थिति से वह मुस्लिम समुदाय के नेताओं, खासकर ज्यादा कट्टरपंथी तत्वों का समर्थन प्राप्त कर लेती थी जो मुस्लिम पर्सनल कानूनों में पार्टी की गैर-हस्तक्षेपकारी भूमिका से प्रसन्न थे। इंदिरा गांधी ने 1980 से 1983 तक उल्लेखनीय हिंदू-समर्थक दृष्टिकोण अपनाया था। लेकिन जहां तक मुसलमानों का सवाल था, वे ज्यादा बड़े दुश्मन भाजपा के प्रति उनकी कठोर नीतियों से खुश थे। राम जन्मभूमि आंदोलन ने हिंदू मतदाताओं में कांग्रेस की स्वीकार्यता तोड़ी। 1988-89 में राम मंदिर को केन्द्रित करते हुए अत्यधिक भावनात्मक लामबंदी का हिंदू मतदाताओं पर ज्यादा प्रभाव पड़ा और कांग्रेस इसे भांप नहीं पाई। शाहबानो मामले में राजीव गांधी द्वारा फैसला उल्टे जाने, 1980 में अफगानिस्तान में युद्ध तथा ईरानी इस्लामी क्रान्ति से वैश्विक स्तर पर मुस्लिम कट्टरपंथ के विकास और अंतत: 1980 दशक के सांप्रदायिक दंगों से हिंदू राष्ट्रवाद की स्वीकार्यता बढ़ी। 1988 और 1991 के बीच चुनावों में कांग्रेस ने बिहार और उत्तर प्रदेश में हिंदुओं का समर्थन खो दिया और वह कभी इस नुकसान की भरपाई नहीं कर सकी। आज राहुल गांधी की अनेक मंदिर यात्राओं तथा स्वयं को प्रतिबद्ध हिंदू के रूप में पेश करने के बावजूद कांग्रेस को सभी मध्यमार्गी हिंदुओं की स्वाभाविक पार्टी नहीं माना जाता है। 2014 व 2019 में दो पराजयों के बाद भारत की स्वाभाविक पार्टी के रूप में उसकी स्थिति समाप्त हो गई है। मोदी के उभार और हिंदू गौरव की भावना प्रज्वलित होने के बाद वह हाशिए पर आ गई है।

जनवरी, 1993 में बाबरी मस्जिद विध्वंस के एक महीने बाद उस समय के अत्यधिक बदले मूड को भांपते हुए गिरिलाल जैन ने लिखा था, 'जब तक यह ढांचा मौजूद था, यह बाबर के प्रतिनिधित्व व राम के प्रतिनिधित्व के बीच गतिरोध प्रकट करता था। यह दुविधा स्वतंत्रता के बाद से भारतीय राज्य की दुविधा है। वास्तव में, मेरे विचार से इस ढांचे की तरह कोई अन्य ढांचा भारतीय राजनीतिक व्यवस्था की दुविधा, अनिश्चितता, विरोधाभास और उद्देश्यहीनता का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। इस ढांचे के टूटने से गतिरोध समाप्त हो गया है तथा एक नए युग की शुरुआत हुई है।' गिरिलाल जैन एक समय कांग्रेस अवस्थापना के स्तंभ थे और वे कभी हिंदू राष्ट्रवाद के पक्ष में नहीं आए। उनकी यह टिप्पणी भविष्य का अनुमान लगाने वाली थी। आने वाले वर्ष नए युग का प्रारम्भ करेंगे।

पंचायती राज संस्थाओं का ऑनलाइन ऑडिट

देवेन्दर सिंह असवाल
(लेखक लोकसभा के पूर्व अतिरिक्त सचिव हैं)

केंद्र सरकार ने पंचायती राज संस्थानों के ऑनलाइन ऑडिट की एक जीवन्त व्यवस्था बनाई है। इसकी लंबे समय से प्रतीक्षा थी। पंचायती राज संस्थाओं-पीआरआई के कामकाज में लंबे समय से पारदर्शिता और जवाबदेही की जरूरत अनुभव की जा रही थी। काफी विचार-विमर्श के बाद पंचायती राज मंत्रालय-एमओपीआर ने 2.50 लाख ग्राम पंचायतों-जीपी के खातों की जांच के लिए एक आडिटआनलाइन व्यवस्था शुरू की है। 2019-20 में इससे 50,000 जीपी में से कम से कम 20 प्रतिशत का आडिट किया जाएगा। इसकी लंबे समय से प्रतीक्षा थी क्योंकि संविधान के 73वें संशोधन के बाद जीपी को काफी शक्तियां, अधिकार और जिम्मेदारियां मिली हैं। चौदहवें वित्त आयोग की संस्तुति के बाद 2015-16 से 2019-20 के बीच पीआरआई को 2,00,292 करोड़ रुपये दिए गए हैं। चौदहवें वित्त आयोग व अन्य ने पंचायती खातों के आडिट की आवश्यकता जताई है क्योंकि इस स्तर पर खर्च में विवेक, ईमानदारी तथा निष्ठा पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। वित्त मंत्रालय ने 2015 में इस आशय के निर्देश जारी किए थे कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक-सीएजी पंचायतों व नगरपालिकाओं के अनुदानों व खर्चों की जांच करेंगे।

पंद्रहवें वित्त आयोग ने पीआरआई के तीन स्तरों के लिए 2020-21 में 60,750 करोड़ रुपये आबंटित किए हैं जिनमें जिला पंचायतें, ब्लाक पंचायतें व जीपी शामिल हैं। उसने खातों के समय पर आनलाइन आडिट पर जोर दिया है ताकि वित्तीय प्रबंधन मजबूत किया जा सके। इसलिए आडिटआनलाइन पीआरआई के खातों की आनलाइन व आफलाइन जांच की व्यवस्था करता है जिससे जनता के पैसे के उपयोग की पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित होगी। पायलट परियोजना के रूप में 20 प्रतिशत जीपी के खातों का आडिट किया जाएगा जिसे वित्त वर्ष 2021-22 में बढ़ा कर 100 प्रतिशत करने का विचार है। ईग्रामस्वराज के माध्यम से अब आनलाइन डिजिटल भुगतान व्यवस्था के कारण जीपी चौदहवें वित्त आयोग से मिले पैसे से आनलाइन भुगतान कर सकती हैं। वास्तव में 1.52 लाख जीपी इस मंच पर हैं और 1.04 लाख जीपी ने 2019-20 में आनलाइन भुगतान किए हैं। उल्लेखनीय है कि आडिटआनलाइन से रिकार्डों तक पहुंच आसान हो जाएगी जिनकी निगरानी जिला, राज्य व केन्द्र के स्तर पर हो सकेगी। इससे किए गए काम की फोटो अपलोड करना तथा परियोजनाओं की जियो टैगिंग संभव हो सकेगी ताकि उनकी भौतिक जांच व रिमोट से परिसंपत्तियों की पुष्टि हो सके। इससे खर्च घटेगा, जल्दी समीक्षा सुनिश्चित होगी तथा सटीक दस्तावेजीकरण के माध्यम से पर्यावरण का टिकाऊपन सुनिश्चित होगा। आफलाइन व्यवस्था में रिकार्डों की समय पर उपलब्धता एक बड़ी समस्या थी, पर आनलाइन आडिट व्यवस्था से आडिटर सारे दस्तावेजों को आनलाइन देख कर संस्तुति व भुगतान कर सकेंगे।

आडिटआनलाइन से खातों की आनलाइन व आफलाइन जांच संभव होगी तथा पिछले रिकार्ड रखे जा सकेंगे। यह सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होगी। इससे डिजाइनरों को केस रिकार्ड के लिए फार्म बनाना आसान होगा तथा विभिन्न रिपोर्टों को ग्राफिक्स के रूप में डाउनलोड कर उनका विश्लेषण व निगरानी संभव होगी। एक और महत्वपूर्ण तत्व यह है कि ईमेल, एसएमएस व सिस्टम आधारित एलर्ट के आधार पर निगरानी अधिकारी फौरन दर्ज हो जाएंगे जिससे बेहतर निगरानी, काम के बीच में सुधार व निरंतर विश्लेषण संभव होगा। आडिटआनलाइन में राज्य के एकाउंटेट जनरलों-एजी को ज्यादा जिम्मेदारी दी गई है। एजी व सीएजी के प्रतिनिधि प्रत्येक क्षेत्र के लिए जिला स्तरीय फंड आडिटर-डीएलएफओ नियुक्त करेंगे। इस प्रकार पूरी आडिट प्रक्रिया स्पष्ट रूप से रेखांकित हो जाएगी। हर साल विचार एवं सुधारात्मक कार्रवाई के लिए 31 दिसंबर तक जीपी आडिट रिपोर्ट पेश करेंगी। हालांकि, अनेक लाभों के बजाय कुछ बाधायें व तकनीकी समस्यायें बनी हुई हैं। खाते पूरे न होने पर आनलाइन आडिट संभव नहीं होगा। इसके साथ ही इंटरनेट की बाधा से कनेक्टिविटी प्रभावित हो सकती है। पैसा खर्च होने और उसके खाते में दर्ज होने तथा खाता बंद होने के बाद ही आनलाइन आडिट संभव हो सकेगा। लेकिन केन्द्र सरकार ने एक जीवन्त व बहुप्रतीक्षित व्यवस्था शुरू की है जो पीआरआई का आडिट कर सकेगी। वास्तव में आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, मणिपुर, तेलंगाना, त्रिपुरा व उत्तराखंड ने अपने विवरण दे दिए हैं और वे इस रास्ते पर आगे बढ़ेंगे। राज्यों में व्यापक आनलाइन टेंनिंग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि आडिटआनलाइन के सफल क्रियान्वयन से पीआरआई की छवि में सुधार होगा और उनकी जवाबदेही बेहतर होगी। इससे भारत में बहुआयामी डिजिटल लोकतंत्र को भी बढ़ावा मिलेगा।

केंद्र सरकार ने एक जीवंत व बहुप्रतीक्षित व्यवस्था शुरू की है जो पीआरआई का ऑडिट कर सकेगी। राज्यों में व्यापक ऑनलाइन ट्रेनिंग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि ऑडिटऑनलाइन के सफल क्रियान्वयन से पीआरआई की छवि में सुधार होगा और उनकी जवाबदेही बेहतर होगी। इससे भारत में बहुआयामी डिजिटल लोकतंत्र को भी बढ़ावा मिलेगा।

आप की बात

सामाजिक असुरक्षा का निदान हो

वैश्विक महामारी कोविड19 के कारण भारत की अर्थव्यवस्था को बुरी तरह से नुकसान पहुंचा है। इसका सबसे नकारात्मक प्रभाव समाज के मध्यम वर्ग को ही पड़ा है। जिसमें से बहुत सारे लोग मजदूरी करने को मजबूर हो गए और उनकी आय में भी कोई सुधार नहीं हुआ है। हमने देखा था कि जब कोविड19 महामारी के रोकथाम हेतु लॉकडाउन हुआ था तो कई टीवी चैनलों पर घूमते मजदूर और पलायन करते मजदूरों से संबंधित खबरों की संख्या में बहुत उछाल था परंतु अब इनकी चिंता कहीं नहीं है। बताते चलें कि रिवर्स माइग्रेशन दशक में सबसे ज्यादा इस साल देखने को मिला है जहां पर लोग नौकरी करने अपने गांव से शहर की तरफबढ़े परंतु द्वारा शहर से गांव की तरफ आ रहे हैं। भारतीय संविधान की मुख्य विशेषता एक कल्याणकारी समाज को बनाना है। संविधान की प्रस्तावना और राज्य के नीति निर्देशक तत्व मैं यह विदित है कि हमारा लक्ष्य केवल कल्याणकारी समाज को स्थापित करना है। इतना ही नहीं बल्कि सस्टेनेबल विकास हेतु एक एजेंडा भी तैयार है। परंतु इसी बीच मजदूरों के पलायन से कहीं ना कहीं सामाजिक असुरक्षा का विषय भी आता है।

सुदर्शन सोराड़ी, नैनीताल

राष्ट्रवाद का उभार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों राम मंदिर का शिलान्यास सिर्फ मंदिर आंदोलन का उसकी तार्किक परिणति तक पहुंचना भर नहीं है। लक्ष्य था देश की राजनीतिक मुख्यधारा को सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के विचार के इर्दगिर्द संचालित करने का। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राजनीतिक इकाई के तौर पर बीजेपी ने तीन बड़े लक्ष्य अपने सामने रखे थे- राम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण, समान आचार संहिता और अनुच्छेद 370 का खात्मा। यह भारत में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के राजनीतिक मुख्यधारा बन जाने का सबूत है कि पूर्ण बहुमत वाली सरकार बनाने के एक सवा साल के अंदर ही बीजेपी तीनों लक्ष्यों को साध लेने का दावा करने की स्थिति में आ गई है। कोरोना के भीषण प्रकोप के बीच भी शिलान्यास का कार्यक्रम संपन्न होना बताता है कि मंदिर निर्माण को अपने अंतिम बिंदु तक ले जाने में विघ्न नहीं आएगा। एक बार में तीन तलाक कहने की कुप्रथा को दंडनीय अपराध घोषित करके यह सरकार समान आचार संहिता की तरफ भी एक ठोस कदम आगे बढ़ा चुकी है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की मजबूत जमीन तैयार करके सत्ता हासिल करने और फिर उसके इर्दगिर्द एक बड़ा सामाजिक मतैक्य निर्मित करने में बीजेपी दुनिया की अन्य समान धाराओं के मुकाबले कहीं ज्यादा सफल है।

डॉ. हेमन्त कुमार, भागलपुर

सोना-चांदी के चढ़ते भाव

इस समय सोना चांदी के भाव लगातार आसमान छूते नजर आ रहे हैं। महीने में दोनों धातुओं ने जो बढ़त पकड़ी है उससे लगता है कि इनमें भावों को लेकर प्रतिस्पर्धा हो रही हो। लगातार बढ़ रहे भाव से अब आम आदमी इसकी खरीद से पीछे हट गया है। बढ़ते भाव से इनके बने गहने पहनने वाले भी अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। एक जमाना था जब सोना चांदी लोग शादी विवाह या लेनदेन के लिए ही खरीदते थे। भाव भी इतना कम था कि आसानी से उसे छोटे से छोटा आदमी भी खरीद लेता था। पिछले 10 सालों में इन दोनों धातुओं को महंगाई की नजर लगी। चढ़ते भाव इतने ऊपर हो गए कि गरीब आदमी तो खरीदी से बाहर हुआ ही मध्यमवर्गीय भी इससे घबराने लगा है। महज एक माह में चांदी का भाव 71000 प्रति किलो एवं सोना 56000 प्रति तोला हो गया है। पिछले 5 सालों में यह इन दोनों धातुओं का उच्चतम भाव है। लगातार बढ़ते भावों से अब हाथ, गले, पैर आदि में पहने जाने वाले आभूषण जान के दुश्मन बनते दिख रहे हैं। पता नहीं कब कौन इन्हें झपट ले और जान पर बन आए।

अमृतलाल मारू, धार, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

रक्षा मंत्रालय आत्मनिर्भर भारत पहल को आगे बढ़ाने के लिए अब बड़े कदम उठाने को तैयार है। सरकार देश में रक्षा संबंधी निर्माण बढ़ाने के लिए 101 सामग्रियों के आयात पर रोक लगाएग

– **राजनाथ सिंह**, रक्षा मंत्री

कांग्रेस के लक्ष्यहीन और दिशाहीन होने की लोगों में बढ़ती धारणा को खत्म करने के लिए इसे एक पूर्णकालिक अध्यक्ष ढूंढ़ने की प्रक्रिया अवश्य ही तेज करना चाहिए।

– **शशि थरूर**
कांग्रेस नेता

दिल्ली का स्कूल शिक्षा बोर्ड नई शिक्षा नीति में बताए गए सुधारों के अनुरूप होगा। इसमें साल के अंत में होने वाली परीक्षाओं से ध्यान हटाया जाएगा।

–**मनीष सिसोदिया**
उप मुख्यमंत्री, दिल्ली

1726 डिफॉल्टर अधिकारियों से वसूल किए जाएंगे 2.27 करोड़, केस दायर

डिफॉल्टरों में कई एचसीएस भी शामिल

राज्य सूचना आयोग द्वारा लगाए गए जुर्माने की राशि वर्षों से नहीं कराई जमा

पायनियर समाचारे सेवा। चंडीगढ़

वर्षों से 2.27 करोड़ रुपये जुर्माना राशि जमा न कराने वाले 1726 डिफॉल्टर जनसूचना अधिकारियों के खिलाफ शिकायत लोकायुक्त कोर्ट में पहुंच गई है। डिफॉल्टरों की सूची में एचसीएस अधिकारी व कई अन्य उच्चाधिकारी भी शामिल हैं।

लोकायुक्त को 24 जुलाई को शपथपत्र व आरटीआई दस्तावेजों सहित दी शिकायत में आरटीआई एक्टिविस्ट पीपी कपूर ने आरोप लगाया कि अधिकांश सूचना अधिकारी न तो सूचनाएं देते हैं न ही राज्य सूचना आयोग द्वारा लगाई गई जुर्माना राशि राजकोष में जमा कराते हैं। न ही सरकार इन डिफॉल्टरों के विरुद्ध कोई विभागीय कारवाई करती है। नतीजन पारदर्शिता व जवाबदेही क लिए बना आरटीआई एक्ट 2005 मजाक बनकर रह गया है।

राज्य सूचना आयोग ने वर्ष 2006 से दिसम्बर 2019 तक राज्य जनसूचना अधिकारियों पर कुल 3,50,54,740 रुपये जुर्माना लगाया था। लेकिन 1726 जनसूचना अधिकारियों ने वर्षों बीत जाने पर भी 2.27 करोड़ रुपये जुर्माना राशि जमा नहीं कराई। सरकार ने इस जुर्माना राशि की वसूली के लिए बार-बार सभी उच्चाधिकारियों को सर्कुलर भेजकर पल्ला झाड़ लिया। लेकिन इन आदेशों पर अमल नहीं हुआ।

अन्य प्रमुख डिफॉल्टर अधिकारी

वीएन भारती तत्कालीन ईओ नगर परिषद जींद (1,82,000 रुपये), अमन ढांडा तत्कालीन ईओ नगर परिषद् हांसी (1,50,000), अश्विनी मलिक तत्कालीन एस्टेट ऑफिसर हुडा जींद (15,000), सतेन्द्र सिवाच तत्कालीन बीडीपीओ यमुनानगर (5,000), हरदीप सिंह तत्कालीन नगरपरिषद भिवानी (50,000), वीएस मान तत्कालीन एसई यूएचबीवीएन पानीपत (12,500), डॉ. सुमन दलाल तत्कालीन चेयरपर्सन आईटीटीआर खानपुर कलां (60,000), अशोक छिक्कारा तत्कालीन बीडीपीओ करनाल (50,000), विकास सिंह तत्कालीन तहसीलदार सोनीपत (50,000), ईशम सिंह कश्यप नगर निगम गुरुग्राम (65,000), मनेन्द्र तत्कालीन ईओ नगर निगम पंचकूला (50,000), अनिल धानिया तत्कालीन डीएफएससी करनाल (25,000), हरिओम अत्री तत्कालीन डीआरओ गुरुग्राम (50,000), पूनम चंद्रा तत्कालीन बीडीपीओ गन्नौर (25,000), मिनी आहुजा तत्कालीन प्रिंसिपल डीआईईटी हिसार (25,000), हितेश शर्मा तत्कालीन डीटीपी टाउन कंट्री प्लानिंग विभाग चंडीगढ़ (40,000), दीपक सूरा तत्कालीन ईओ नगर निगम यमुनानगर (1,10,000), सतीश यादव तत्कालीन भूमि अधिग्रहण अधिकारी गुरूग्राम (75,000), नवीन अग्रवाल तत्कालीन अधीक्षक निदेशालय स्कूली शिक्षा विभाग हरियाणा (1,06,000/5), योगेन्द्र सिंह तत्कालीन डीएफएसओ पलवल (25,000), डॉ. एमआई खान तत्कालीन प्रिंसिपल यासीन मेव डिग्री कॉलेज मेवात (25,000), बलवार सिंह तत्कालीन डीआरओ रोहतक (25,000), अमरजीत सिंह तत्कालीन सचिव नगर निगम फरीदाबाद (25,000)शामिल हैं।

प्रमुख डिफॉल्टर एचसीएस अधिकारी

गायत्री अहलावत (5,000 रुपये), बिजेन्द्र हुड्डा (50,000), कुमारी शालिनी चेतल (25,000), प्रवीन कुमार (15,000), अरविंद मलहान (40,000), प्रशांत इस्कान (7500), मुकेश सोलंकी (1500), रीगन कुमार (10,000), संजय सिंगला (25,000), मनोज कुमार (5,000), राजेश कौथ (25,000), सतबीर झांगू (25,000), आरपी मक्कड़ (25,000)।

लोकायुक्त से मांग-

सभी 1726 डिफाल्टर जनसूचना अधिकारियों से 2.27 करोड़ रूपये जुर्माना राशि ब्याज सहित वसूल की जाए। ड्यूटी से लापरवाह इन जनसूचना अधिकारियों की एसीआर में विपरीत टिप्पणी दर्ज हो। जुर्माना राशि वसूली के लिए राज्य सूचना आयोग में विशेष प्रकोष्ठ गठित हो। जुर्माना वसूली ना करने वाले ड्राईंग एंड डिसर्बसमैंट ऑफिसरों को दंडित किया जाए।

राज्य मंत्री ने पीएम आवास योजना के 57 पात्रों को एक-एक लाख के सौंपे चेक

लाभार्थियों को मकान के कागजात सौंपतीं राज्य मंत्री कमलेश ढांडा।

कैथल। महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि हर जरूरतमंद के सिर पर छत हो। इसी दिशा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में प्रदेश सरकार उसे साकार करते हुए संबंधित व्यक्तियों को घर बनाने के लिए धनराशि दे रही है।

राजौंद में महिला महाविद्यालय की सौगात मिलने से बेटियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के और अधिक अवसर प्राप्त होंगे। हलके के जितने भी विकासात्मक कार्य हैं, उन्हें प्राथमिकता से पूरा कराया जाएगा, ताकि सभी को उसका लाभ मिल सके। ढांडा राजौंद के वार्ड नंबर 1, 5 व 6 के सामुदायिक भवनों का शिलान्यास करने उपरांत प्रधानमंत्री आवास योजना के 57 लाभ पात्रों को पहली किस्त के रूप में एक-एक लाख रुपये के चेक सौंपने के दौरान संबोधित कर रही थीं।

राज्यमंत्री ने कहा कि इससे पहले भी राजौंद क्षेत्र के 225 लाभ पात्रों को 2 करोड़ 25 लाख के चेक सौंपे जा चुके हैं। जैसे ही इन सभी व्यक्तियों के तय मापदंडों के अनुसार मकान निर्माण के कार्य पूरे होंगे, उन्हें तुरंत दूसरी किस्त सौंप दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राजौंद के हर वार्ड में सामुदायिक भवनों का निर्माण किया जाएगा, उसी श्रृंखला में आज तीन वार्डों के सामुदायिक भवनों का शिलान्यास किया गया है।

संक्षिप्त-समाचार

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने दी युवा कांग्रेस स्थापना दिवस पर बधाई

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने युवा कांग्रेस के स्थापना दिवस पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारतीय युवा कांग्रेस हमारे संगठन की वो नर्सरी है, जहां से निकलकर युवाओं ने देश का नेतृत्व किया और उन्होंने देश के विकास में अपना अहम योगदान भी दिया है। मैंने भी अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत युवा कांग्रेस से ही की थी, इसलिए कांग्रेस की इस युवा इकाई से मेरा हमेशा विशेष लगाव रहा है। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस का हर कार्यकर्ता युद्ध के मैदान में सबसे आगे तैनात सिपाही की तरह है, जो देशहित और संगठन के लिए हर समय अपना सब कुछ न्योछावर करने को तैयार रहता है। युवाओं और देश हित के मुद्दों को आवाज देने के लिए यह संगठन हमेशा तत्पर व संघर्षरत रहता है। आज एक बार फिर संगठन की तरफ से मुहिम चलाई गई है-रोजगार दो। इस तरह की मुहिम आज के दौर में बेहद जरूरी है। क्योंकि, आज हम ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जब हमें बढ़ती बेरोजगारी जैसी महामारी के खिलाफ लडना है। पूरा देश 45 साल की सबसे ज्यादा बेरोजगारी के दंश को झेल रहा है। भाजपा सरकार ने हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन उनके पहले 5 साल में साढ़े 5 करोड़ लोगों का रोजगार छिन गया और पिछले एक साल में तो बेरोजगारी बढ़ने की दर में ऐतिहासिक तेजी आई है। भारत का युवा 45 साल की सबसे ज्यादा बेरोजगारी का सामना कर रहा है।

विकास मंच ने महक स्वामी को किया सम्मानित

कुरुक्षेत्र। सामान्य वर्ग के निर्धन एवं मेधावी बच्चों को शिक्षा में आर्थिक सहायता करने वाली संस्था शाहाबाद विकास मंच ने कुरुक्षेत्र की बेटी महक स्वामी को उनके निवास स्थान पर जाकर सम्मानित किया। मंच के अध्यक्ष राजेश सिडाना ने बताया कि बेटी महक स्वामी ने यूपीएससी की परीक्षा में 393वां रैंक हासिल कर बेटियों के लिए प्रेरणा बनी है। इस बेटी ने जिला का नाम रोशन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। समाजसेवी मिहा सिंह रंगा ने कहा कि लक्ष्य चाहे छोटा हो या बड़ा हम उसे तभी पा सकते हैं, जब हमारे भीतर उसे हासिल करने का जनून हो। कठोर परिश्रम से हर राह आसान हो जाती है। इस अवसर पर महात्मा ज्योतिबाई फूले ट्रस्ट की अध्यक्ष स्वीटी रंगा, विकास मंच परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे।

युवा जजपा जिलाध्यक्ष को पितृशोक

कुरुक्षेत्र। युवा जजपा जिलाध्यक्ष डॉ. जसविन्द्र खैहरा के 65 वर्षीय पिता रवैल सिंह का ह्रदय गति रुकने से निधन हो गया। उनके अंतिम संस्कार में विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक, स्वयंसेवी, राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों सहित शाहबाद विधायक रामकरण, पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा, राज्य खेल मंत्री संदीप सिंह के भाई बिक्रमजीत सिंह, जजपा जिलाध्यक्ष कुलदीप मुलतानी, कांग्रेस नेता गगन सिंह संधू, कांग्रेस नेता गुरिन्दरजीत सिंह नत, जजपा नेता मायाराम, जजपा नेता इंद्रजीत सिंह गुराया, आप नेता सुमित हिंदुस्तानी, योगेश शर्मा, इनेलो नेता मनजीत सिंह ने शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। डॉ. जसविन्द्र खैहरा एवं ज्येष्ठ भाई बूटा सिंह लुखी ने दिवंगत को मुखाग्नि दी। परिवार से मिली जानकारी के अनुसार दिवंगत की अंतिम अरदास 14 अगस्त को गुरुद्वारा दशमेश प्रकाश साहिब और खैहरा फार्म गांव लुखी में होगी।

बेरोजगारी में टॉप पर है हरियाणा, 33.6 प्रतिशत लोग बेरोजगार

रेवाड़ी। कांग्रेस के प्रवक्ता ओमप्रकाश डाबला ने कहा कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण आज हरियाणा बेरोजगारी के मामले में पूरे देश में टॉप पर है। सीएमआईई की रिपोर्ट के मुताबिक हरियाणा के 33.6 प्रतिशत लोग आज बेरोजगारी का सामना कर रहे हैं। यह बेरोजगारी देश की औसत 11 प्रतिशत का तीन गुणा है। डाबला ने जारी एक बयान में कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार दिशाहीन है। कानून व्यवस्था हो या फिर कोरोना, स्थिति किसी भी तरह नियंत्रण में नहीं आ रही है। जनहित की योजनाएं तथा विकास कार्य ठप्प पड़े हुए हैं। मुख्यमंत्री के आश्वासनों का अंबार लग गया है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी के मामले में राज्य बिहार, उत्तर प्रदेश व पश्चिमी बंगाल से भी आगे निकल गया है। आज राज्य बेरोजगारी के मामले में देश में टॉप पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का प्राइवेटे सेक्टर में 75 प्रतिशत आरक्षण देने का दावा भी एक जुमला है, जो वर्तमान के उद्योगों की बजाय नए लगाए जाने वाले उद्योगों पर लागू होगा और इसमें भी उद्योगों के लिए बचने का रास्ता छोड़ दिया है। डाबला ने बताया उद्योग पॉलिसी में कहा गया है कि यदि उद्योगों को हरियाणा से कोई श्रमिक नहीं मिले तो वे बाहर वालों को नौकरी दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसे जुमले गढ़ने की बजाय निवेश व रोजगार सृजन करने पर जोर देना चाहिए।

गोविंद पक्षी विहार व गोविंद औषध बगीचा तैयार किया जाएगा

सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन द्वारा तैयार किए जा रहे सोनीपत के सबसे बड़े पक्षी विहार और औषध बगीचे के लिए रविवार को सदर थाना के साथ पुलिस क्वार्टर परिसर में विभिन्न सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सफाई अभियान चलाते हुए स्वयं कारसेवा कर सफाई की। फाउंडेशन के प्रधान संजय सिंगला व चेयरमैन वाईके त्यागी ने बताया कि एसपी व डीएसपी के मार्गदर्शन व अनुमति से इस खाली पड़े परिसर में सोनीपत का सबसे बड़ा गोविंद पक्षी विहार व गोविंद औषध बगीचा तैयार किया जाएगा। जिसमें पक्षियों के लिए हर समय दाने पानी की व्यवस्था रहेगी। यहां हर प्रकार की औषधियों के पौधे लगाए जाएंगे, चाहे वह कितनी भी दुर्लभ क्यों ना हो। ये पार्क इतना सुंदर बनाया जाएगा कि लोग दूर-दूर से इसे देखने आएंगे और इन जड़ी बूटियों का लाभ लेंगे। इस मौके पर जयबीर गहलावत, रविन्द्र सरोहा, लालसिंह, जगत सिंह, प्रवीण वर्मा, गौरव, संदीप बत्रा, दिलबाग मास्टर, आनन्द, शिवराज, हेमंत नांदल, पवन, मुकेश, बबीता, नवजीत खत्री, बाबूराम और बलबीर आदि मौजूद रहे।

पौधारोपण कर मनाया स्वर्गीय जिंदल का जन्मदिवस

कुरुक्षेत्र। स्टील जगत में क्रांति लाने वाले पूर्व उर्जा मंत्री स्वर्गीय ओमप्रकाश जिंदल के जन्म दिवस पर गांव अजराना खुर्द बस स्टैंड पर त्रिवेणी के पौधे रोपित किए गए। जिला परिषद की पूर्व उपाध्यक्ष सुनीता नेहरा ने ओमप्रकाश जिंदल को पुष्प अर्पित करते हुए कहा कि ओमप्रकाश जिंदल ने जीवन में संघर्ष के बल पर पूरी दुनिया में देश का नाम रोशन किया। जिंदल को श्रद्धांजलि देते हुए सुनीता नेहरा ने कहा कि उन्होंने ने देश को औद्योगिक क्रांति का सूत्र दिया। उन्होंने राजनीति को जनसेवा का माध्यम बनाया। इस अवसर पर कांग्रेसी नेता सतनाम सिंह विर्क, पवन सैनी, मोहन कश्यप, ओंकार सिंह, सुखा सिंह, हरविंदर सिंह, दीपक, रामरतन, गोपाल राम, परमजीत सिंह, धर्मपाल, ताराचंद पहलवान और कार्तिक कक्कड़ सहित अन्य मौजूद रहे।

कुरुक्षेत्र के प्रशांत को मिला नाट्य निनाडा राष्ट्रीय सम्मान

कुरुक्षेत्र। नाट्य निनाडा राष्ट्रीय सम्मान हासिल करने वाले कुरुक्षेत्र निवासी प्रशांत कुमार का यहां पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। कुरुक्षेत्र निवासी प्रशांत कुमार ने नृत्य के क्षेत्र में अपनी एक नई पहचान बनाई है। बता दें कि प्रशांत कुमार ने अपनी स्कूली शिक्षा से सेठ टेक चंद मेमोरियल पब्लिक स्कूल से की है और वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय में अपने उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। हाल में ही प्रशांत कुमार का 23वां ऑल इंडिया क्लासिकल डांस फेस्टिवल में चयन हुआ था, जिसमें उन्होंने 26 जुलाई को फेसबुक लाइव के माध्यम से अपनी नृत्य प्रस्तुति दी थी और रविवार को उन्हें नाट्य निनाडा राष्ट्रीय सम्मान के साथ पुरस्कृत किया गया। प्रशांत कुमार ने बताया कि 26 जुलाई को क्लासिकल डांस फेस्टिवल में कत्थक नृत्य में गुरु वंदना प्रस्तुत की थी।

व्रत कर धूमधाम से मनाएं श्रीकृष्ण जन्माष्टमी : लक्ष्मी प्रसाद

शाहाबाद मारकंडा। श्री भगवान नृसिंह परमार्थ ट्रस्ट व वैदिक ज्योतिष अनुसंधान केंद्र के निदेशक आचार्य लक्ष्मी प्रसाद भारद्वाज ने बताया जन्माष्टमी भगवान श्री कृष्ण का जनमोत्सव है। गृहस्थ लोग 11 अगस्त को जन्माष्टमी का पर्व मनाएंगे, क्योंकि 11 की रात को अष्टमी है। गृहस्थ लोग रात में चंद्रमा को अर्घ्य दें, दान और जागरण कीर्तन करें।

12 अगस्त को व्रत करें और कृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाएं। उन्होंने बताया कि वैष्णव लोग 12 अगस्त बुधवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाएं। भगवान कृष्ण का जन्म अष्टमी तिथि को रोहिणी नक्षत्र में हुआ था। कई बार ऐसा होता है ये दोनों संयोग एक साथ नहीं बन पाते। इस बार भी कृष्ण जन्म की तिथि और नक्षत्र एक साथ नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि 11 अगस्त को सुबह 9 बजकर 7 मिनट के बाद अष्टमी तिथि का आरंभ हो जाएगा, जो 12 अगस्त को प्रात: 11 बजकर 17 मिनट तक रहेगी। वहीं रोहिणी नक्षत्र का आरंभ 13 अगस्त को सुबह तीन बजकर 26 मिनट से 14 अगस्त प्रात: पांच बजकर 22 मिनट तक रहेगा। योगेश्वर श्रीकृष्ण के भगवगगीता के उपदेश अनादि काल से जनमानस के लिए जीवन दर्शन प्रस्तुत करते रहे हैं। जन्माष्टमी को भारत में हीं नहीं, बल्कि विदेशों में बसे भारतीय भी पूरी आस्था व उल्लास से मनाते हैं। श्रीकृष्ण ने अपना अवतार भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मध्यरात्रि को अत्याचारी कंस का विनाश करने के लिए मथुरा में जन्म लिया। इसलिए भगवान स्वयं इस दिन पृथ्वी पर अवतरित हुए थे। अत: इस दिन को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के रूप में मनाते हैं। इसीलिए श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर मथुरा नगरी भक्ति के रंगों से सराबोर हो उठती है।

सरकार का लक्ष्य, हर गांव में हो मॉडर्न लाइब्रेरी

पंचायत एक कमरा दे सरकार उसमें बनाएगी आधुनिक लाइब्रेरी : दुष्यंत चौटाला

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

अब नौकरी की तैयारी करने वाले गांवों के विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए शहर नहीं जाना पड़ेगा क्योंकि प्रदेश सरकार उनके लिए गांव में ही ऐसी व्यवस्था स्थापित कर देगी कि वे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर सकेंगे। इसके लिए प्रदेश के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने प्रदेशभर के हर गांवों में कोचिंग सेंटर के तर्ज पर मॉडर्न लाइब्रेरी स्थापित करने का लक्ष्य रखा है।

डिप्टी सीएम ने सभी ग्राम पंचायतों से आह्वान किया है कि वे अपने-अपने गांव में लाइब्रेरी बनाने के लिए कमरा देने का कार्य करें, राज्य सरकार वहां अपने खर्चे पर ग्रामीण आंचल के पढ़ने वाले बच्चों को मॉडर्न लाइब्रेरी बनाकर तोहफे के रूप में देने का काम करेगी।

डिप्टी सीएम ने बताया कि वे गांवों में बनने वाली आधुनिक लाइब्रेरी में बच्चों की ऑनलाइन शिक्षा के लिए कंप्यूटर, नौकरी की तैयारी के लिए संबंधित प्रतियोगी परीक्षा की सभी किताबें उपलब्ध करवाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी गांवों में सामूहिक जगह चौपाल या जहां भी ग्राम पंचायत लाइब्रेरी के लिए कमरा उपलब्ध करवाएगी वहां जितना भी खर्चा आएगा, उसे सरकार वहन करते हुए मॉडर्न लाइब्रेरी बनाएगी। उन्होंने कहा कि गांवों में इस व्यवस्था के स्थापित होने के बाद ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को किताबें तथा कोचिंग लेने के लिए शहर नहीं जाना पड़ेगा और वे अपने गांव में ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर सकेंगे।

दुष्यंत चौटाला ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए यह लंबे समय से आवश्यकता थी और वे इसके लिए बतौर सांसद से लेकर अब उपमुख्यमंत्री के तौर पर निरंतर जोर दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि बतौर सांसद उन्होंने अपने क्षेत्र के प्राइमरी स्कूल में आधुनिक लाइब्रेरी बनाई थी और अब बतौर उपमुख्यमंत्री उन्होंने जींद व उचाना हलके के गांव करसिंधु में मॉडर्न लाइब्रेरी स्थापित करने का कार्य शुरू किया है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए आगामी समय में अन्य और भी कई अहम कदम उठाने जा रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के आधारभूत ढांचे को बदलने के लिए हमें टेक्नोलॉजी की तरफ तेजी के साथ आगे बढ़ना होगा और इस पर सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केंद्र सरकार के मॉडल स्कूलों की तर्ज पर प्रदेश के प्रत्येक ब्लॉक में संस्कृति मॉडल स्कूल बनाने और प्राइमरी स्कूलों को बैग फ्री करते हुए उन्हें मॉडर्न स्कूल की ओर ले जाने जैसे कई महत्वपूर्ण कदम उठाएगी।

छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

छात्र छात्राओं को सम्मानित करते प्रधान रतन लाल शर्मा व समाज के अन्य वरिष्ठ लोग।

कैथल। ब्रह्म कल्याण समिति ने बोर्ड की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। समिति के सदस्य मा. नारायणदा शास्त्री के निवास पर हुई बैठक की अध्यक्षता समिति के प्रधान रतन लाल शर्मा ने की, संचालन महासचिव महीपाल कौशिक ने किया। समारोह में सर्व ब्राह्मण धर्मशाला के उपप्रधान अर्जुन शर्मा चंदलाना, जीवन रक्षक दल के प्रधान राजू डोहर ने शिरकत की।

छात्रों को संबोधित करते हुए प्रधान रतन लाल शर्मा ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज व देश तरक्की कर सकता है। ब्राह्मण समाज के इन बच्चों ने बोर्ड की परीक्षाओं में 97 प्रतिशत से भी अधिक अंक लेकर साबित कर दिया है कि हमारे बच्चे भी किसी से पीछे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही एक ऐसी पूंजी है जिसे कोई चुरा नहीं सकता। उप चेयरमैन कृष्ण कौशिक और महीपाल कौशिक ने कहा कि आज बेटियां भी किसी क्षेत्र में किसी से पीछे नहीं हैं। बेटा अगर हीरा है तो बेटिया कोहिनूर हैं। सम्मानित छात्र-छात्राओं में दसवीं कक्षा की छात्रा दीपिका पुत्री संजीव कुमार (97.6 प्रतिशत अंक), रीमा शर्मा पुत्री कुलदीप शर्मा फ्रेंडस कॉलोनी ने (97.8 प्रतिशत अंक) माता पिता का नाम रोशन किया है। आशु पुत्र सतबीर थुआ बैंक कॉलोनी (92 प्रतिशत अंक), हिमांशु पुत्र शिव कुमार बैंक कॉलोनी (90 प्रतिशत अंक), अजय शर्मा पुत्र अनिल कुमार बलराज नगर (95 प्रतिशत अंक) शामिल रहे। मौके पर उनके साथ शमशेर छौत, सतबीर नारनौंद, रोशन लाल मुदगिल, पूर्व सरपंच सतीश शर्मा, संजय शर्मा, जयभगवान शर्मा, रणधीर सांघन आदि भी उपस्थित थे।

संस्था के स्थापना दिवस पर लगाया औषधीय पौधा

सोनीपत। जनहित सेवा केन्द्र का स्थापना दिवस मनाया। संस्था 2006 से सामाजिक कार्यों में लगातार सहयोग कर रही है। संस्था द्वारा महिलाओं, बुजुर्गों, युवाओं, पर्यावरण, स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कोविड के दौरान खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी सोनीपत के तत्वावधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्था के अध्यक्ष सतपाल सिंह ने स्थापना दिवस के अवसर पर सदर थाना के साथ लगते पार्क में औषधीय पौधा लगाया। उन्होंने कहा कि हर घर में एक पेड़ जरूर होना चाहिए, ताकि शुद्ध हवा मिलती रहे। सोनीपत शहर के प्रमुख समाजसेवियों ने संस्था व अध्यक्ष के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। संजय सिंगला, जगत सिंह, हेमंत नांदल, संदीप बत्रा, दिलबाग सिंह आदि मौजूद रहे।

देश की युवा पीढ़ी पर कुसंस्कृति और पाश्चात्य संस्कृति हावी

पायनियर समाचार सेवा। रादौर

रोटरी क्लब रादौर के प्रधान राजीव शर्मा।

युवा वर्ग नशे की ओर आकर्षित होता जा रहा है। नशा ही सभी बुराइयों की जड़ है। ऐसे में नशे जैसी बुराई का खात्मा करने के लिए देश के सभी लोगों को आगे आना चाहिए। समय रहते यदि जनता नशे के विरुद्ध आगे नहीं आई तो इसका भयंकर परिणाम सरकार को भुगतना पड़ेगा। नशे में इंसान भेड़िया बन जाता है। जो समाज के लिए घातक साबित होता है।

यह बात रोटरी कल्ब रादौर के प्रधान राजीव शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि आज हमारे देश की युवा पीढ़ी पर विदेशी कुसंस्कृति और पाश्चात्य संस्कृति हावी हो रही है। जिसके कारण युवा पीढ़ी नशे जैसी बुराइयों के अपनाने पर लगा हुआ है। नशा ही हर बुराई की जड़ है। जिस घर के अंदर कोई भी व्यक्ति नशा करता है तो उस घर में रहने वाले लोगों के सुख व शांति भंग होती है। इसी प्रकार समाज में नशा करने वाले लोगों से समाज को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। नशा मनुष्य के शरीर व दिमाग दोनों पर गहरा असर डालता है। जिससे मनुष्य भयंकर बीमारियों का शिकार हो जाता है। युवाओं को नशे का त्याग कर शिक्षा, खेलों व समाजिक कार्यों में ध्यान देना चाहिए। इससे उनका शारीरिक व मानसिक विकास होता है।

विश्व में परमाणु हथियारों का खतरा अभी भी कायम

पंकज शर्मा। करनाल

जापान की प्रबुद्ध हस्तियों ने विश्व में शांति और विकास के लिए परमाणु हथियारों को पूर्णरूप समाप्त करने की आवश्यकता पर दिया बल

भारत ओर जापान की प्रबुद्ध हस्तियों ने रविवार को विश्व में शांति और विकास के लिए परमाणु हथियारों को पूर्णरूप से समाप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया।

नागासाकी में 75 वर्ष पूर्व गिराए गए परमाणु बंब की भयानकता को याद करते हुए सामाजिक संस्था नेशनल इंटेग्रेटेड फोरम आफ आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्टस (निफा) ने अंतरराष्ट्रीय डिजिटल सेमिनार का आयोजन किया। शांति व विकास के लिए परमाणु हथियार मुक्त विश्व की अवधारणा पर आयोजित सेमिनार में भारत की ओर से हरियाणा के मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव व युवा मामलों के प्रधान सचिव योगेन्द्र चौधरी, झारखंड सरकार के सचिव सुनील बरनवाल, आंध्र प्रदेश में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक व होम डिपार्टमेंट के प्रधान सचिव कुमार विश्वजीत, जापान इंटरनेशनल कोआपरेशन एजेन्सी अलुमनाई असोसीएशन के प्रधान डॉक्टर ओपी देवल ने अपने विचार रखे जबकि जापान की ओर से ताजिमा शिनजी व जापान इंटरनेशनल कोआपरेशन एजेन्सी के भारत में पूर्व उप प्रतिनिधि व भूटान के मुख्य प्रतिनिधि कोज़ी यामादा ने हिरोशिमा व नागासाकी पर हुए परमाणु विस्फोट का उल्लेख करते हुए विश्व शांति की राह में परमाणु हथियारों को खत्म करने की बात की। कार्यक्रम में मूल रूप से अमेरिका वासी व विगत लंबे समय से जापान में रहकर विभिन्न देशों में अपने संगीत के माध्यम से शांति व प्यार फैला रहे संगीतकार टिम होफमेन ने अपने मधुर संगीत की तीन प्रस्तुतियां देकर संगीत के माध्यम से शांति का संदेश दिया।

अमेरिकन संगीतकार टिम होफमेन ने जापानी वाद्य यंत्रों शाकुहाची भारतीय सितार व तबले के साथ भारतीय राग जय जय वंती, राग काफी, राग मिसरा पीलू व बनारस ठुमरी पर मधुर प्रस्तुतियां दी जिन्हें खूब पसंद किया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए हरियाणा के युवा कार्यक्रम विभाग के प्रधान सचिव योगेंदर चौधरी ने कहा कि पिछली सदी में हमने दो विश्व युद्धों का सामना किया, विश्व के अनेक देशों ने भूख से लड़ाई लड़ी ओर फिर बीमारियों से भी दो चार हुए। आज जब हम इन बड़ी मुसीबतों से जीत चुके हैं लेकिन परमाणु हथियारों का खतरा अभी कायम है। आज जब हम पूरे विश्व को ग्लोबल विलेज मान रहे हैं और करोना की बीमारी ने ये साबित भी कर दिया है कि इन सरहदों के कोई मायने नहीं हैं ऐसे में सभी को और विशेष रूप से युवाओं को आगे आकर विश्व शांति के लिए काम करना चाहिए।

कोजी यामादा ने कहा कि जापान में पुरानी पीढ़ी ये अपनी जिम्मेदारी समझती है कि वो हिरोशिमा नागासाकी में हुए विध्वंस की जानकारी नयी पीढ़ी को दें ताकि ये कभी दोबारा न हो। उन्होंने कहा कि लोगों को करोना पीरियड खतम होने के बाद हिरोशिमा पीस मेमोरीयल में विजिट करनी चाहिए ताकि विश्व शांति के लिए उनका इरादा ओर मजबूत हो सके। आंध्र प्रदेश सरकार के प्रधान सचिव होम कुमार विश्वजीत ने कहा कि भारत का वसुदेव कुटुम्बकम का सिद्धांत भारत ही नहीं पूरे विश्व के लिए महत्वपूर्ण है।

रेलवे को निजी हाथों में सौंपने के विरोध में किया प्रदर्शन

रेवाड़ी। रेलवे को निजी हाथों में सौंपने के विरोध में रविवार को ऑल इंडियन रेलवे मेंस फैडरेशन एंव नॉर्थ वेस्टर्न एंप्लाईज यूनियन के संयुक्त तत्वावधान में कर्मचारियों ने अंग्रेजों भारत छोड़ो दिवस पर स्थानीय रेलवे स्टेशन पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व यूनियन के सहायक मंडी मंत्री बीकानेर देवेंद्र यादव ने किया।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कामरेड देवेंद्र यादव ने कहा कि रेल बचाओ-देश बचाओ आंदोलन सिर्फ रेलकर्मियों की ही मांग नहीं है, बल्कि सच यह है कि रेल बचेगी, तभी देश भी बचेगा। युद्ध हो या युद्ध के हालात, सीमा पर तैनात सेना के लिए हथियार पहुंचाने का काम रेलकर्मी ही करते हैं। उन्होंने कहा कि रेलव निजीकरण देश की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। रेल में सरकारी नौकरी के अवसर खत्म हो जाएंगे और कर्मचारियों का शौषण होगा।

महिंदा राजपक्षे ने श्रीलंका के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे ने ऐतिहासिक बौद्ध मंदिर में रविवार को देश के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली।

एसएलपीपी (श्रीलंका पीपुल्स पार्टी) के 74 वर्षीय नेता को नौंवी संसद के लिए पद की शपथ उनके छोटे भाई एवं राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने केलानिया में पवित्र राजमाहा विहाराय में दिलाई। महिंदा राजपक्षे ने इस साल जुलाई में संसदीय राजनीति में 50 वर्ष पूरे किए। वह 1970 में महज 24 साल की उम्र में सांसद निर्वाचित हुए थे। उसके बाद से वह दो बार राष्ट्रपति चुने गए और तीन बार प्रधानमंत्री नियुक्त किए गए। महिंदा राजपक्षे नीत एसएलपीपी ने पांच अगस्त के आम चुनाव में जीत हासिल करते हुए संसद में दो तिहाई बहुमत हासिल किया।

नागासाकी पर परमाणु हमले की 75वीं बरसी

लोगों ने की परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध की अपील

तोक्यो। जापान के नागासाकी पर हुई अमेरिकी बमबारी के रविवार को 75 साल पूरे होने पर शहर के मेयर और हमले में जीवित बचे लोगों ने अपने देश समेत विश्वभर के नेताओं से परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध लगाने के लिए और कदम उठाने की अपील की है।

अमेरिका के बी-9 बमवर्षक बॉकस्कार ने नौ अगस्त, 1945 को पूर्वाह्न 11 बजकर दो मिनट पर नागासाकी पर 4.5 टन का प्लूटोनियम बम फैट मैन गिराया था। हमले में जीवित बचे लोगों समेत अन्य लोगों ने मारे गए 70,000 से अधिक लोगों की याद में रविवार को 11 बजकर दो मिनट पर एक मिनट का मौन रखा। कोरोना वायरस के चलते कार्यक्रम में कम लोगों को यहां आने की अनुमति थी। नागासाकी पर हमले से तीन दिन पहले

जापान ने 15 अगस्त को आत्मसमर्पण कर दिया था

अमेरिका ने हिरोशिमा पर पहला परमाणु बम गिराया था, जिससे यह शहर तबाह हो गया था। इस हमले में 1,40,000 लोगों की मौत हो गई थी। यह दुनिया में पहला परमाणु हमला था। जापान ने 15 अगस्त को आत्मसमर्पण कर दिया था, जिससे द्वितीय विश्वयुद्ध का अंत हुआ था।

हमले में जीवित बचे कई लोगों को विकिरण के संपर्क में आने के कारण कैंसर या कोई न कोई अन्य बीमारी हो गई और उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ा। नागासाकी के मेयर तोमिहिसा ताउए ने शांति घोषणा में जापान सरकार और सांसदों से अपील

की कि वे परमाणु हथियार निषेध संधि, 2017 पर जल्द हस्ताक्षर करें। मेयर ने कहा कि परमाणु हथियारों का खतरा पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। ताउए ने चिंता जताई कि हालिया वर्षों में परमाणु सम्पन्न देश निरस्त्रीकरण के प्रयासों से पीछे हटे हैं और वे परमाणु हथियारों को उन्नत कर रहे हैं एवं उनके इस्तेमाल को सरल बनाने के लिए उनका आकार छोटा कर रहे हैं।

उन्होंने मध्यम दूरी परमाणु शक्ति संधि रद्द करने से बढ़े जोखिम के लिए अमेरिका और जापान की आलोचना की। जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने समारोह में भाग लेने के बाद परमाणु हथियार निषेध संधि की आलोचना करते हुए इसे वास्तविकता से परे करार दिया। उन्होंने कहा कि परमाणु हथियार रखने वाला कोई देश इसमें शामिल नहीं हुआ है और परमाणु हथियार नहीं रखने वाले देशों ने भी इसका व्यापक समर्थन नहीं किया है। आबे ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी कठोर माहौल की वास्तविकता पर विचार किए बिना परमाणु हथियार निषेध संधि को पारित कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि हालांकि जापान की तरह इस संधि का लक्ष्य भी परमाणु हथियारों को नष्ट करना है, लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि यह संधि जापान के दृष्टिकोण एवं रुख से बहुत अलग है। जापान ने संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं। उसका कहना है कि वह किसी का पक्ष लेना नहीं चाहता, बल्कि परमाणु और गैर परमाणु देशों के बीच सेतु की भूमिका निभाना चाहता है, ताकि पूर्ण हथियार प्रतिबंध का लक्ष्य हासिल करने के लिए वार्ता को बढ़ावा दिया जा सके।

संकट में किसान बने हैं देश का बड़ा सहारा : मोदी

एक लाख करोड़ रुपये का कृषि अवसंरचना कोष शुरू किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोविड-19 महामारी से उत्पन्न इस संकटकाल से निपटने में देश के किसानों के योगदान की रविवार को प्रशंसा करते हुए कहा कि किसानों के चलते भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था आज भी मजबूत है और इससे पूरी अर्थव्यवस्था को सहारा मिला है।

उन्होंने कृषि क्षेत्र के विकास के लिए अपनी सरकार की तमाम नीतियों और कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि खासकर छोटे किसानों के हित को इन योजनाओं के केंद्र में रखा गया है। प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) की छठी किस्त के तहत 8.5 करोड़ से भी अधिक किसानों को 17,100 करोड़ रुपये की राशि जारी की और कृषि अवसंरचना कोष के तहत एक लाख करोड़ रुपये की वित्तपोषण सुविधा का उद्घाटन किया। पीएम किसान के तहत किसानों को हर साल दो-दो हजार रुपये की तीन किस्तों में कुल छह हजार रुपये की सहायता दी जाती है।

मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि संकट के इस दौर में,

हमारे किसानों ने पिछले छह माह में यह दिखा दिया है कि हमारा ग्रामीण और कृषि क्षेत्र आपदा में देश की कितनी बड़ी मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि इन किसानों की तपस्या से ही हम 80 करोड़ लोगों को मुफ्त भोजन सामग्री सुलभ कराने का विश्व का सबसे बड़ा कार्यक्रम चालने में समर्थ हुए हैं। इस कार्यक्रम में देशभर के किसान, सहकारी समितियां और नागरिक जुड़े। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर भी इस कार्यक्रम में शामिल थे। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत की कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था संकट में भी मजबूत है। हमने इस दौरान बीज और उर्वरकों का रिकॉर्ड उत्पादन किया है।....किसानों ने महामारी के खतरे के बीच भी कटाई-बुवाई में रिकॉर्ड बनाए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में ज्यादातर किसान छोटे हैं। पिछले पांच-छह साल से हम किसानों की हालत सुधारने का सुविचारित प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार कृषि उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का नेटवर्क बना रही है। इसके तहत 350 कृषि स्टार्टअप का वित्तपोषण किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि कोविड-19 से पहले और लॉकडाउन के दौरान किसानों ने काफी मेहनत की है। यही वजह है कि आज देश में खाद्य सामग्री की पर्याप्त आपूर्ति सुगमता से हो रही है। उन्होंने किसानों का आह्वान किया कि वे अपना काम करते हुए इस महामारी के दौरान मास्क पहनें और सामाजिक दूरी का पालन करें।

मोदी ने कहा कि आज शुरू किए गए नए वित्तीय सहायता कोष से कटाई बाद फसल प्रबंधन अवसंरचना और सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों जैसे कि कोल्ड स्टोरेज, संग्रह केंद्रों, प्रसंस्करण इकाइयों के सृजन को बढ़ावा मिलेगा। सरकार का मानना है कि ये परिसंपत्तियां किसानों को अपनी उपज का अधिक मूल्य प्राप्त करने में सक्षम करेंगी। दरअसल, इन परिसंपत्तियों की बदौलत किसान अपनी उपज का भंडारण करने एवं ऊंचे मूल्यों पर बिक्री करने, बर्बादी को कम करने और प्रसंस्करण एवं मूल्यवर्धन में वृद्धि करने में समर्थ हो सकेंगे। कई ऋणदाता संस्थानों के साथ साझेदारी में वित्तपोषण सुविधा के तहत एक लाख करोड़ रुपये मंजूर किए जाएंगे। सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंकों में से 11 बैंकों ने पहले ही कृषि सहयोग और किसान कल्याण विभाग के साथ सहमति पत्रों (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

पीएम-किसान योजना के तहत 9.9 करोड़ से भी अधिक किसानों को लाभ

दिसंबर, 2018 को शुरू की गई पीएम-किसान योजना के तहत 9.9 करोड़ से भी अधिक किसानों को 75,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का प्रत्यक्ष नकद लाभ प्रदान किया गया है। इसने किसानों को अपनी कृषि आवश्यकताओं को पूरा करने और अपने-अपने परिवारों को आवश्यक सहारा देने में सक्षम बनाया है। पीएम-किसान योजना के तहत धनराशि को सीधे तौर पर आधार प्रमाणित लाभार्थियों के बैंक खाते में हस्तांतरित किया जाता है ताकि धनराशि के रिसाव (लीकेज) को रोका जा सके और किसानों के लिए सुविधा बढ़ाई जा सके। यह योजना कोविड-19 महामारी के दौरान किसानों को आवश्यक सहारा देने में भी सहायक रही है।

दो करोड़ रुपये तक की ऋण गारंटी दी

इन परियोजनाओं की व्यवहार्यता या लाभप्रदता बढ़ाने के लिए लाभार्थियों को तीन प्रतिशत ब्याज सब्सिडी और दो करोड़ रुपये तक की ऋण गारंटी दी जाएगी। योजना के लाभार्थियों में किसान, विपणन सहकारी समितियां, एफपीओ, एसएचजी, संयुक्त देयता समूह (जेएलजी), बहुउद्देशीय सहकारी समितियां, कृषि-उद्यमी, स्टार्टअप और केंद्रीयाराज्य एजेंसी अथवा स्थानीय निकाय द्वारा प्रायोजित सार्वजनिक-निजी भागीदारी परियोजनाएं शामिल होंगी।

समस्या कृषि उत्पादन नहीं, बल्कि कटाई के बाद होने वाला नुकसान है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में आज समस्या कृषि उत्पादन को लेकर नहीं, बल्कि कटाई के बाद होने वाले नुकसान को लेकर है। उन्होंने कहा कि कृषि अवसंरचना कोष कटाई बाद फसल प्रबंधन अवसंरचना और सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों जैसे कि शीत भंडार गृह, संग्रह केंद्रों, प्रसंस्करण इकाइयां आदि बनाने में मददगार होगा। मोदी ने कहा कि कृषि से संबंधित हालिया दो अध्यादेशों से किसानों को मंडी के बाहर अपनी उपज बेचने के लिए नए बाजार अवसर उपलब्ध होंगे। साथ ही प्रधानमंत्री ने किसान रेल का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि किसान रेल की वजह से अब किसानों को अपनी उपज को औने-पौने दाम पर बेचने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा। मोदी ने कहा कि पहली किसान रेल मुंबई और बिहार के बीच अभी कुछ दिन पहले शुरू कर दी गई है। यह रेल पटरी पर दौड़ते शीतगृह हैं। इससे रास्ते में उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के छोटे किसानों को भी फायदा होगा। वे बड़े महानगरों के बाजार से सीधे जुड़ जाएंगे। मोदी ने कहा, किसान रेलों से शहर के उपभोक्ता को भी लाभ होगा। फल-सब्जियों की ढुलाई का भाड़ा कई गुना कम होगा। मौसम और दूसरे संकट के समय शहरों में ताजा फल और सब्जियों की कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इससे किसान फल-सब्जी और दूध आदि के उत्पादन के लिए प्रोत्साहित होंगे और कीमत (घटाने-बढ़ाने) का खेल खेलने वालों के लिए मौका खत्म होगा।

संक्षिप्त समाचार

निजी वित्तीय मामलों में बदला भारतीय लोगों का रुख

नई दिल्ली। लगभग 45 फीसदी भारतीय कोविड-19 के बाद आर्थिक सुधार के बारे में अनिश्चित हैं और कम से कम एक साल के लिए धीमी गति से वृद्धि का अनुमान लगा रहे हैं। एक सर्वे में यह तथ्य सामने आया है। इससे निजी वित्तीय मामलों को लेकर उनके बदले रुख से पता चलता है। डिजिटल धन प्रबंधन सेवा प्रदाता स्क्रिपबॉक्स द्वारा जुलाई में किए गए इस सर्वेक्षण में 1,400 से अधिक वयस्क भारतीयों की राय ली गई। इनमें से 83 प्रतिशत पुरुष और 17 प्रतिशत महिलाएं रहीं। स्क्रिपबॉक्स के फाइनेंशियल फ्रीडम सर्वे-2020 के अनुसार, 50 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने गैर-जरूरी खर्च बंद करने और किसी आपात स्थिति के लिए अधिक बचत की योजना बनाई है। इसके अलावा सर्वे में कहा गया है कि 28 प्रतिशत लोग गैर-आवश्यक चीजों पर खर्च में कटौती करेंगे, 22 प्रतिशत लोग किसी आपातकालीन स्थिति के लिए अधिक बचत करेंगे और 10 प्रतिशत ईएमआई बोझ को कम करेंगे। सर्वेक्षण में कहा गया है, यह वित्तीय दिक्कतों का समय है। लगभग हर दो भारतीय में से एक (45 प्रतिशत) अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर अनिश्चित है और कम से कम एक वर्ष के लिए धीमी वृद्धि का अनुमान कर रहा है। सर्वे में शामिल लगभग 44 प्रतिशत लोग मासिक आय के 15 से 30 प्रतिशत के बराबर ईएमआई भर रहे हैं, जबकि 11 प्रतिशत लोग मासिक आय के 50 प्रतिशत से अधिक ईएमआई भर रहे हैं। सर्वेक्षण में सामने आया कि कोविड-19 महामारी ने भारतीयों को अधिक बचत करने के लिए प्रेरित किया है।

अमेरिका के दो पूर्व सैन्यकर्मियों को 20 साल की सजा

काराकस। वेनेजुएला की एक अदालत ने अमेरिकी विशेष बल के दो पूर्व सैनिकों को देश के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पद से हटाने की कोशिश के तहत समुद्री तट पर किए गए हमले में उनकी भूमिका के लिए 20-20 साल कारावास की सजा सुनाई है। ग्रीन बैरेट के नाम से जाने वाले अमेरिकी सेना विशेष बल के पूर्व कर्मी ल्यूक डेनमैन और ऐरान बेरी के वकीलों ने कहा कि उन्हें शुक्रवार रात हुई मामले की सुनवाई में शामिल नहीं होने दिया गया, जो कि बचाव के उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। मादुरो के मुख्य अभियोजक तारेक विलियम साब ने शुक्रवार देर रात फैसला सुनाते हुए कहा, उन्होंने (सैनिकों ने) तथ्यों के संबंध में अपनी जिम्मेदारी स्वीकार कर ली है। साब ने ट्वीट किया कि तीन मई को हुए हमले में सहायता करने के आरोप में कई अन्य अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। मादुरो को अपदस्थ करने से मकसद से कोलंबिया में अस्थाई प्रशिक्षण शिविरों से एक ऑपरेशन चलाया गया था। यह ऑपरेशन नाकाम रहा था और इसमें कम से कम आठ विद्रोही सैनिक मारे गए थे जबकि 60 से अधिक लोगों को जेल में बंद किया गया था। सिल्वरपूल यूएसए नाम की फ्लोरिडा की सुरक्षा कंपनी चलाने वाले एक अन्य पूर्व अमेरिकी सैन्यकर्मी बेरेट जॉर्डन गोड्रेयू ने इस असफल हमले की जिम्मेदारी ली थी। वेनेजुएला के अभियोजकों ने उनकी गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं। ऐसा माना जाता है कि गोड्रेयू इस समय अमेरिका में हैं और उनके खिलाफ हथियार तस्करी कानून के उल्लंघन के मामले में जांच चल रही है।

जुलाई में कोयला आयात 43 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। देश का कोयला आयात जुलाई में 43.2 प्रतिशत घटकर 1.11 करोड़ टन रह गया। खान के पास, संयंत्रों और बंदरगाहों पर कोयले का काफी भंडार पड़ा है, जिसकी वजह से आयात में गिरावट आई है। एमजंक्शन सर्विसेज ने यह जानकारी दी है। ये आंकड़े जहाजों की स्थिति तथा पोत-परिवहन कंपनियों से मिले आंकड़ों पर आधारित हैं। जुलाई, 2019 में कोयले का आयात 1.96 करोड़ टन रहा था। एमजंक्शन टाटा स्टील और सेल का संयुक्त उद्यम है। यह एक बी2बी (व्यवसाय से व्यवसाय) ई-कॉमर्स कंपनी है, जो कोयला और इस्पात पर शोध रिपोर्ट प्रकाशित करती है। एमजंक्शन के अनुसार, जुलाई, 2020 मे कोयले का आयात 1.11 करोड़ टन (अस्थाई) रहा। जुलाई, 2019 में कोयले ओर कोक का आयात 1.96 करोड़ टन रहा था। चालू वित्त वर्ष के पहले चार माह अप्रैल-जुलाई, 2020 के दौरान कुल कोयला आयात 5.72 करोड़ टन रहा। यह इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के आंकड़े 8.91 करोड़ टन से 35.76 प्रतिशत कम है। एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विनय वर्मा ने कोयला आयात के मौजूदा रुख पर कहा, कोयला खानों, संयंत्रों तथा बंदरगाहों पर कोयले के भारी भंडार की वजह से आयात मांग कमजोर है। बाजार भागीदार देखो और इंतजार करो की नीति अपना रहे हैं। निकट भविष्य में हमें आयात की मात्रा में कोई बड़ा बदलाव आने की संभावना नहीं दिखती। अप्रैल-जुलाई, 2020 के दौरान गैर-कोकिंग कोयले का आयात घटकर 3.88 करोड़ टन पर आ गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 6.09 करोड़ टन रहा था। इसी तरह कोकिंग कोयले का आयात घटकर 1.06 करोड़ टन रहा गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 1.77 करोड़ टन रहा था।

ओएनजीसी ने अपना कर्ज 35 प्रतिशत घटाया

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने अपने ऋण में करीब 35 प्रतिशत की कटौती की है। ओएनजीसी के अधिकारियों का कहना है कि इसके बावजूद तेल एवं गैस के दाम काफी नीचे आने की वजह से कंपनी के लिए योजनागत व्यय को पूरा करना एक चुनौती है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि 31 मार्च, 2019 तक उसपर बकाया कुल कर्ज 21,593 करोड़ रुपये था। यह 31 मार्च, 2020 को घटकर 13,949 करोड़ रुपये रह गया है। कंपनी का कहना है कि बेहतर परिचालन से प्राप्त आय का इस्तेमाल उसने अपने कर्ज के बोझ को कम करने के लिए किया है। इस ऋण में से 2,245 करोड़ रुपये दीर्घावधि के ऋण खाते का है। यह दिसंबर, 2029 में परिपक्व होना है। कंपनी के पास 31 मार्च, 2020 तक 968 करोड़ रुपए की नकदी और नकद समतुल्य (अन्य बैंक शेष सहित) था। एक साल पहले यह 504 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर था। मार्च के अंत तक कंपनी का एकल ऋण-इक्विटी अनुपात सिर्फ 0.07 प्रतिशत था।

प्रमुख बंदरगाहों पर माल ढुलाई 18 फीसदी घटी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी की वजह से देश के प्रमुख बंदरगाहों पर माल ढुलाई में काफी गिरावट आई है। भारतीय बंदरगाह संघ (आईपीए) के अनुसार चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से जुलाई की अवधि के दौरान प्रमुख बंदरगाहों पर माल ढुलाई (माल चढ़ाना और उतारना) 18.06 प्रतिशत घटकर 19.33 करोड़ टन रह गई।

केंद्र के नियंत्रण वाले इन 12 प्रमुख बंदरगाहों पर जुलाई में माल ढुलाई में लगातार चौथे महीने गिरावट आई है। मोरमुगाव को छोड़कर सभी बंदरगाहों की वृद्धि नकारात्मक रही है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में इन बंदरगाहों की माल ढुलाई 23.60 करोड़ टन रही थी। चालू वित्त वर्ष के पहले चार माह में चेन्नई, कोच्चि और कामराजार बंदरगाहों पर माल ढुलाई में 30 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई। वहीं, कोलकाता और जेएनपीटी पर माल ढुलाई में 20 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई।

केंद्र सरकार के नियंत्रण में 12 मुख्य बंदरगाह हैं। इन बंदरगाहों में दीनदयाल (पुराना नाम कांडला), मुंबई, जेएनपीटी, मोरमुगाव, न्यू मंगलुरु, कोच्चि, चेन्नई, कामराजार (एन्नोर), वीओ चिदंबरनार, विशाखापट्टनम, पारादीप और कोलकाता (हल्दिया सहित) शामिल हैं। बीते वित्त वर्ष में इन बंदरगाहों पर 70.5 करोड़ टन की माल ढुलाई हुई। आईपीए ने कहा कि अप्रैल-जुलाई में चेन्नई बंदरगाह पर माल ढुलाई 32.53 प्रतिशत गिरकर 1.10 करोड़ टन टन रही। कामराजार बंदरगाह पर माल ढुलाई 35.64 प्रतिशत घटकर 70 लाख टन रह गई। कोच्चि बंदरगाह पर माल ढुलाई 32.78 प्रतिशत घटकर 77.6 लाख टन रही।

दक्षिण कोरिया में मूसलाधार बारिश से 30 लोगों की मौत

सियोल। दक्षिण कोरिया में एक हफ्ते से ज्यादा वक्त से जारी मूसलाधार बारिश संबंधी घटनाओं में 30 लोगों की मौत हो और 12 लोग लापता हो गए।

सरकार ने आगे और बारिश होने की चेतावनी देते हुए रविवार को यह जानकारी दी। गृह एवं सुरक्षा मंत्रालय ने एक रिपोर्ट में बताया कि भूस्खलन, बाढ़ एवं अन्य घटनाओं में एक हफ्ते में 30 लोगों की मौत हो गई और 12 लोग लापता हो गए। इनमें से पिछले दो दिन में 13 लोगों की मौत हुई और दो लोग लापता हुए। बृहस्पतिवार और शुक्रवार को हुई बारिश के बाद दक्षिणी क्षेत्र में आवासीय इलाकों, सड़कों और खेतों में बाढ़ आने से 3,700 से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं। सुरक्षा मंत्रालय ने कहा कि सियोल क्षेत्र और दक्षिणी क्षेत्र में रविवार को और ज्यादा बारिश होने की आशंका है।

मेक्सिको के सबसे हिंसक राज्य गुआनाजुआतो में सात लोगों की हत्या

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के एक ड्रग माफिया की हाल में हुई गिरफ्तारी के बाद उम्मीद की जा रही थी कि देश के सबसे हिंसक राज्य गुआनाजुआतो में अब शांति स्थापित हो जाएगी, लेकिन सात लोगों के गोलियों से छलनी शव मिलने के बाद इन उम्मीदों पर पानी फिर गया।

नशीली दवाएं बनाने एवं बेचने वाले एक गिरोह ने घोषणा की है कि वह इस राज्य में अपना नियंत्रण स्थापित करने वाला है। गुआनजुआतो राज्य में सांता रोजा डी लीमा गिरोह और उसके प्रतिद्वंद्वी गिरोह जेलिस्को के बीच 2017 में इस औद्योगिक राज्य को अपने-अपने कब्जे में लेने के लिए लड़ाई शुरू होने के बाद से अब तक 9,000 से ज्यादा लोगों की हत्या की जा चुकी है। ऐसी उम्मीद की जा रही थी कि सांता रोजा गिरोह के नेता जोस

एंतोनियो एपेज ओर्तिज उर्फ एल मारो की दो अगस्त को हुई गिरफ्तारी के बाद हिंसा खत्म हो जाएगी, लेकिन शनिवार को गुआनजुआतो के अधिकारियों ने पुष्टि की कि राज्य की सीमा के पास सड़क के किनारे सात लोगों के गोलियों से छलनी शव पड़े मिले।

अधिकारियों ने बताया कि उन्हें वहां से राइफल और पिस्तौल से चलाई गई गोलियों के खोके मिले हैं जो दिखाते हैं कि सभी की हत्या उसी स्थान पर की गई। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में करीब 20-22 लोग राइफलों, 50 बोर की स्निपर राइफल और कम से कम दो बेल्ट वाली मशीन गन साथ में लिए सेना जैसी वर्दी पहने हुए नजर आए। वीडियो में दिख रहे व्यक्तियों ने खुद को सांता रोजा गिरोह का प्रतिद्वंद्वी जेलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल का सदस्य बताया, जो अब गुआनजुआतो में अपना नियंत्रण चाहता है।

ब्लेंडिंग की मांग बढ़ने से सोयाबीन डीगम सहित सरसों तिलहन, पाम तेल कीमतों में सुधार

नई दिल्ली। दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह सरसों तेल की मांग निकलने और लॉकडाउन के दौरान इसकी खपत बढ़ने से सरसों दाना के अलावा बिनौला तेल के भाव में पर्याप्त सुधार दर्ज हुआ।

इसके विपरीत मांग होने के बावजूद विदेशों में जमा भारी स्टॉक और अगली पैदावार बढ़ने की संभावनाओं के बीच आयातित पाम तेल और पामोलीन में गिरावट का रुख देखने को मिला। सहकारी संस्था नाफेड और हाफेड ने देशी सरसों उत्पादक किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए मंडियों में सस्ते दाम में सरसों की बिक्री कम कर दी है। लॉकडाउन के दौरान इस तेल की घरेलू मांग बढ़ने से सरसों दाना की कीमत में पिछले सप्ताह के मुकाबले 180 रुपये का सुधार आया।

सूत्रों ने बताया कि देश में खाद्य तेल की कमी को देखते हुए देशी खाद्य तेल में सस्ते आयातित तेल की ब्लेंडिंग की छूट है। तेल उद्योग इस छूट का लाभ उठाते हुए सरसों, मूंगफली जैसे व्यापक उपयोग वाले देशी तेलों की बहुत कम मात्रा में, पाम तेल, सोयाबीन डीगम जैसे सस्ते आयातित तेलों की भारी मात्रा में मिलावट (ब्लेंडिंग) करते हैं। ऐसा होने से सरसों तेल (लगभग 110 रुपये किलो) की कीमत पर पाम तेल जैसे सस्ते आयातित तेल (लगभग 75 रुपये किलो) को सरसों तेल के भाव बेच दिया जाता है। इससे आयातित विदेशी तेल तो बाजार में आसानी से खप जाते हैं, लेकिन उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ होता है। साथ ही सस्ते आयातित तेल के मुकाबले देशी तेल-तिलहनों को बाजार में खपाना मुश्किल हो जाता है।

सूत्रों ने कहा कि इस बार किसानों को सरसों फसल के लिए अच्छी कीमत मिली है तथा नाफेड और हाफेड जैसी सहकारी एजेंसियां भी बहुत समझदारी के साथ कम मात्रा में सरसों की बिकवाली कर रही हैं क्योंकि सरसों की अगली फसल आने में लगभग आठ महीने हैं। ग्राहकों के पास सरसों का कोई विकल्प भी नहीं और स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरुकता के कारण वे सरसों तेल को अधिक तरजीह देने लगे हैं। इस बार सरसों किसानों के अनुकूल सरकारी

पैदावार बढ़ने की संभावना के बीच आयातित पाम तेल और पामोलीन में गिरावट

रुख को देखते हुए सरसों के अगली फसल लगभग दोगुनी हो सकती है, बशर्ते कि सरसों के साथ देशी तेलों में ब्लेंडिंग को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया जाए।

उन्होंने कहा कि सरकार को तिलहन मामले में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए एक नीतिगत पहल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सस्ते आयात को नियंत्रित करने और बैंकों के पैसों के साथ खिलवाड़ रोकने और बाजार में भाव तोड़ने वाले आयातकों पर अंकुश लगाना चाहिए। इसके लिए आयात शुल्क में भारी वृद्धि जरूरी है। ऐसे आयातकों में 75-80 प्रतिशत बैंकों का पैसा डुबाने में लगे हैं। सूत्रों ने कहा कि देशी तेल का उपयोग बढ़ाने से महंगाई बढ़ने की चिंता गैर-वाजिब है बल्कि इसके कई फायदे होंगे। एक तो स्थानीय तेल मिलें पूरी क्षमता से काम करेंगी, देशी

तेलों की बाजार में खपत बढ़ेगी, किसानों को फायदा होगा और उन्हें अच्छी कीमत के इंतजार में स्टॉक नहीं बचाना होगा, तेल मिलों के चलने से रोजगार बढ़ेंगे, तेल आयात पर खर्च की जाने वाली विदेशी मुद्रा बचेगी, उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की देखभाल होगी और दवा का खर्च बचेगा। उन्होंने कहा कि इन उपायों से उलटे महंगाई और कम हो सकती है।

गुजरात में किसानों और सहकारी संस्था नाफेड के पास सूरजमुखी, मूंगफली, सरसों और सोयाबीन का पिछले साल का भारी स्टॉक बचा है। एक- दो महीने में इसकी नई पैदावार बाजार में आ जाएगी और इस बार भी बम्पर पैदावार होने की संभावना है। वायदा कारोबार में सोयाबीन दाना, मूंगफली के भाव कम बोले जा रहे हैं और किसानों को अपनी उपज को औने-पौने दाम पर बेचना पड़ता है। लॉकडाउन के दौरान लोगों के घरों में अधिकांश समय रहने से सरसों तेल और विशेषकर सरसों कच्ची घानी तेल की खपत बढ़ी है। बाजार में घरेलू मांग बढ़ने और मंडियों में आवक कम होने से समीक्षाधीन सप्ताहांत में सरसों दाना (तिलहन फसल) के भाव 180 रुपये के सुधार के साथ 5,150-5,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। सरसों दादरी की कीमत 10,400 रुपये प्रति क्विन्टल के पूर्वस्तर पर बंद हुई। कारोबारी उतार-चढ़ाव के बीच सरसों पक्की और कच्ची घानी तेलों की कीमतें पांच-पांच रुपये की मामूली हानि के साथ लगभग पूर्वस्तर के आसपास बंद हुईं। इनके भाव क्रमशः 1,615- 1,755 रुपये और 1,725- 1,845 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए।

देश में सस्ते आयातित तेलों के मुकाबले मूंगफली की बाजार मांग प्रभावित होने और औने-पौने दाम पर सौदों के कटान से मूंगफली दाना (तिलहन फसल) और मूंगफली गुजरात की कीमत में क्रमशः 35 रुपये और 180 रुपये प्रति क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल कीमत में 15 रुपये प्रति टिन की गिरावट आई और इनके भाव क्रमशः 4,600-4,650 रुपये, 12,000 रुपये और 1,800-1,860 रुपये रहे। किसानों के पास पहले के बचे स्टॉक, आगामी पैदावार बम्पर रहने की उम्मीद और सस्ते विदेशी तेलों के आगे मांग न होने से सोयाबीन दिल्ली के भाव अपरिवर्तित रहे जबकि और सोयाबीन इंदौर तेल 20 रुपये के मामूली सुधार के साथ 9,120 रुपये क्विंटल हो गया। आयातकों द्वारा बेपरता कारोबार करने की वजह से सोयाबीन डीगम के भाव में 100 रुपये प्रति क्विंटल की हानि दर्ज हुई और यह 8,250 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। सस्ते आयात के कारण स्थानीय मांग कमजोर रहने से सोयाबीन दाना और लूज (तिलहन फसल) के भाव क्रमशः पांच-पांच रुपये की हानि के साथ क्रमशः 3,620-3,645 रुपये और 3,355-3,420 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

लॉकडाउन में ढील के बाद देश में सस्ते तेल की मांग बढ़ने के बावजूद मलेशिया और इंडोनेशिया में पाम व पामोलीन का भारी स्टॉक जमा होने और आगामी पैदावार बढ़ने की संभावना के कारण कच्चे पाम तेल (सीपीओ) और पामोलीन आरबीडी दिल्ली की कीमतें पिछले सप्ताहांत के मुकाबले क्रमशः 150 रुपये और 50 रुपये की हानि के साथ क्रमशः 7,350 -7,400 रुपये और 8,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुईं जबकि पामोलीन तेल कांडला की कीमत 50 रुपये की हानि दर्शाती 8,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुई।

म्यूचुअल फंड फोलियो की संख्या 18 लाख बढ़ी

नई दिल्ली। म्यूचुअल फंड उद्योग ने जून तिमाही में 18 लाख निवेशक खाते जोड़े हैं। इस तरह उतार-चढ़ाव वाली बाजार परिस्थितियों के बावजूद फोलियो की कुल संख्या बढ़कर 9.15 करोड़ हो गई है।

ग्रो के सह-संस्थापक हर्ष जैन ने कहा कि फोलियो की संख्या में वृद्धि में डिजिटल मंचों का विशेष योगदान रहा है, विशेषरूप से लॉकडाउन के दौरान। फोलियो वह संख्या होती है, जो व्यक्तिगत निवेशक खातों को दी जाती है। एक निवेशक के कई फोलियो हो सकते हैं। म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार, जून तिमाही में फोलियो की संख्या 17.96 लाख बढ़कर 9,15,42,092 हो गई। मार्च तिमाही के अंत तक यह आंकड़ा 8,97,46,051 था। मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक (प्रबंधक शोध) हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, बाजार में मार्च में जबरदस्त गिरावट आई। इससे निवेशकों को शेयर बाजारों में निवेश का अच्छा अवसर मिला।

कोरोना काल में विधानमंडल का विधायी सत्र बुलाने वाला पहला राज्य बनेगा उत्तर प्रदेश

हर सदस्य एक सीट छोड़कर बैठेगा, कुछ सदस्य लॉबी और दर्शक दीर्घा में भी बैठेंगे

लखनऊ। कोविड-19 महामारी के दौर में विधायी कार्य संपन्न कराने के लिए विधानमंडल का सत्र आहूत करने वाला देश का पहला राज्य उत्तर प्रदेश बनने जा रहा है। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने रविवार को पीटीआई-भाषा से बातचीत में यह दावा करते हुए कहा कि कोरोना वायरस काल में इससे पहले मध्य प्रदेश में विधानसभा का सत्र हुआ था, लेकिन वह विश्वास मत हासिल करने के लिए बुलाया गया था, जबकि उत्तर प्रदेश में विधानमंडल का सत्र विधायी कार्यों के लिए आहूत किया जा रहा है। लिहाजा उत्तर प्रदेश महामारी के दौरान ऐसा सत्र आयोजित करने वाला देश का पहला राज्य बनेगा।

उन्होंने बताया कि आगामी 20 अगस्त को आहूत किया जाने वाला यह सत्र कई मायनों में अलग होगा। इस दौरान सदस्यों के बीच सामाजिक दूरी के मानकों का पूरा ख्याल रखा जाएगा। इसके लिए जरूरी बंदोबस्त किए जा रहे हैं।

दीक्षित ने बताया कि सदन में हर सदस्य एक सीट छोड़कर बैठेगा। कुछ सदस्यों को लॉबी में बैठाया जाएगा, जबकि दर्शक दीर्घा में भी सामाजिक दूरी का ध्यान रखते हुए सदस्यों के बैठने का इंतजाम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सदन में दाखिल होने से पहले हर सदस्य की थर्मल स्क्रीनिंग होगी। उम्मीद है कि सभी सदस्य मास्क पहनकर आएंगे लेकिन अगर कोई ऐसा नहीं करता है तो उसे एक मास्क उपहार में दिया जाएगा। दीक्षित ने कहा कि जहां तक सदन में एयर कंडीशनर चलाए जाने का सवाल है तो यह केंद्र सरकार द्वारा तय मानकों के हिसाब से किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने सभी दलों के नेताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि ऐसे मुश्किल वक्त में आहूत किए जा रहे सत्र के दौरान सभी पार्टियां परस्पर सहयोग और समन्वय की भावना से काम करेंगी और कोरोना वायरस संक्रमण संबंधी प्रोटोकॉल का पूरा पालन किया जाएगा।

कोझिकोड दुर्घटना के 16 शव परिजनों को सौंपे

नई दिल्ली। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने रविवार को कहा कि कोझिकोड विमान दुर्घटना में मारे गए 16 यात्रियों के शव उनके परिवार को सौंप दिए गए। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि पायलट इन कमांड दीपक वसंत साठे का पार्थिव शरीर कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा ले जा गया है जहां से शाम में उसे मुंबई ले जाया जाएगा।

बयान में कहा गया कि सह-पायलट अखिलेश कुमार का रविवार को अंतिम संस्कार किया गया जहां उनके गृह प्रदेश मथुरा में उनको श्रद्धांजलि देने के लिए परिवार के सभी सदस्यों के साथ ही एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस के अधिकारी मौजूद रहे। एयरलाइन ने कहा, एएआईबी (विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो) ने विमान सुरक्षा अधिकारियों के सहयोग से दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। इसने कहा, मृत यात्रियों के शव उनके परिवार की सहमति के बाद उन्हें सौंप दिए गए हैं। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कोझिकोड मेडिकल कॉलेज का दौरा करने के बाद कहा कि कुल 149 लोगों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। 23 को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, जबकि तीन की हालत नाजुक बनी हुई है।

घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने को सरकार ने लगाई

101 रक्षा उपकरणों के आयात पर रोक

मसौदे में रक्षा मंत्रालय ने 2025 तक रक्षा विनिर्माण में 1.75 लाख करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान

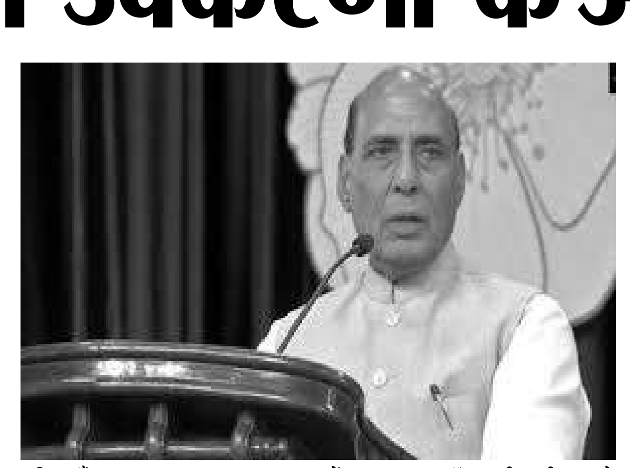

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने घरेलू रक्षा उद्योग को बढ़ावा देने की एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 101 हथियारों और सैन्य उपकरणों के आयात पर 2024 तक के लिए रोक लगाने की रविवार को घोषणा की। इन उपकरणों में हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर, मालवाहक विमान, पारंपरिक पनडुब्बियां और क्रूज मिसाइल शामिल हैं।

सिंह ने ट्विटर पर इसकी घोषणा करते हुए अनुमान लगाया कि इन निर्णय से अगले पांच से सात साल में घरेलू रक्षा उद्योग को करीब चार लाख करोड़ रुपए के ठेके मिलेंगे। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत आह्वान को आगे बढ़ाते हुए घरेलू रक्षा विनिर्माण को तेज करने के लिए अब बड़े कदम उठाने को तैयार है।

अधिकारियों के अनुसार, 101 वस्तुओं की सूची में टोएड आर्टिलरी बंदूकें, कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, क्रूज मिसाइलें, अपतटीय गश्ती जहाज, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, अगली पीढ़ी के मिसाइल पोत, फ्लोटिंग डॉक, पनडुब्बी रोधी रॉकेट लांचर और कम दूरी के समुद्री टोही विमान शामिल हैं।

सूची में बुनियादी प्रशिक्षण विमान, हल्के रॉकेट लांचर, मल्टी बैरल रॉकेट लांचर, मिसाइल डेस्ट्रॉयर, जहाजों के लिए सोनार प्रणाली, रॉकेट, दृश्यता की सीमा से परे हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें अस्त्र-एमके।, हल्के मशीन गन व आर्टिलरी गोला बारूद (155 एमएम) और जहाजों पर लगने वाली मध्यम श्रेणी की बंदूकें भी शामिल हैं।

सिंह की घोषणा रक्षा मंत्रालय की रक्षा खरीद नीति के मसौदे के एक सप्ताह के बाद सामने आई है। मसौदे में रक्षा मंत्रालय ने 2025 तक रक्षा विनिर्माण में 1.75 लाख करोड़ रुपए (25 अरब डॉलर) के कारोबार का अनुमान लगाया है।

भारत शीर्ष वैश्विक रक्षा कंपनियों के लिए सबसे आकर्षक बाजारों में से एक है। भारत पिछले आठ वर्षों से सैन्य हार्डवेयर के शीर्ष तीन आयातकों में शामिल है। अनुमान के मुताबिक, भारतीय सशस्त्र बल अगले पांच वर्षों में 130 अरब डॉलर की खरीद करने वाले हैं। सिंह ने कहा, यह रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह भारतीय रक्षा उद्योग को इस सूची में शामिल वस्तुओं का अपने स्वयं के डिजाइन व विकास क्षमताओं का उपयोग करके या डीआरडीओ द्वारा विकसित व डिजाइन की गई प्रौद्योगिकियों को अपनाकर मौके का फायदा उठाने का अवसर देता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि एक अन्य महत्वपूर्ण कदम के तहत रक्षा मंत्रालय ने 2020-21 के पूंजीगत खरीद बजट को घरेलू व विदेशी पूंजीगत खरीद में विभक्त किया है। चालू वित्त वर्ष में घरेलू खरीद के लिए करीब 52 हजार करोड़ रुपए का एक अलग बजट बनाया गया है।

सिंह ने कहा कि इस सूची में शामिल किए गए उपकरणों का घरेलू विनिर्माण तय समयसीमा के भीतर सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन उपायों में रक्षा सेवाओं के द्वारा उद्योग जगत को ऊपर उठाने का एक समन्वित तंत्र भी शामिल होगा।

उन्होंने कहा, आयात पर इस रोक को 2020 और 2024 के बीच उत्तरोत्तर अमल में लाने की योजना है। सूची की घोषणा के पीछे का उद्देश्य सशस्त्र बलों की प्रत्याशित आवश्यकताओं के बारे में भारतीय रक्षा उद्योग को अवगत कराना है, ताकि वे स्वदेशीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकें।

रक्षा मंत्री ने कहा कि मंत्रालय ने तीनों सेनाओं, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों, आयुध कारखाना बोर्ड और निजी उद्योगों सहित सभी संबंधित पक्षों के साथ कई दौर की बातचीत के बाद यह सूची तैयार की है।

उन्होंने कहा, तीनों सैन्य सेवाओं ने अप्रैल 2015 से अगस्त 2020 के बीच 3.5 लाख करोड़ रुपए की अनुमानित लागत पर ऐसी वस्तुओं की लगभग 260 योजनाओं का अनुबंध दिया। इन 101 वस्तुओं के आयात पर लगी नई रोक से यह अनुमान है कि अगले पांच से सात वर्षों में घरेलू उद्योग को लगभग चार लाख करोड़ रुपए के अनुबंध मिलेंगे।

उन्होंने कहा, इस अवधि के दौरान (अगले पांच से सात साल) इनमें से थल सेना और वायु सेना दोनों के लिए लगभग 1,0,000 करोड़ रुपये की वस्तुओं तथा नौसेना के लिए 1,40,000 करोड़ रुपये की वस्तुओं की खरीद का अनुमान लगाया गया है। सिंह ने कहा कि सूची में पहिए वाले बख्तरबंद लड़ाकू वाहन (एएफवी) भी शामिल हैं, जिनके लिए अमल की सांकेतिक तिथि दिसंबर 2021 है। थल सेना के द्वारा पांच हजार करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से ऐसे 200 वाहनों के अनुबंध दिए जाने के अनुमान हैं।

उन्होंने कहा, इसी तरह नौसेना के द्वारा दिसंबर 2021 की सांकेतिक अमल तारीख के साथ पनडुब्बियों की खरीद के अनुमान हैं। नौसेना करीब 42 हजार करोड़ रुपये की लागत से छह ऐसी पनडुब्बियों के अनुबंध दे सकती है। वायु सेना के लिए हल्के लड़ाकू विमान एमके ।ए को सूची में शामिल करने का निर्णय लिया गया है, जिनके लिए अमल की सांकेतिक तारीख दिसंबर 2020 होगी। वायु सेना के द्वारा 85 हजार करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत पर 123 ऐसे विमानों के अनुबंध दिए जाने के अनुमान हैं। एक सरकारी दस्तावेज के अनुसार, 69 वस्तुओं पर आयात प्रतिबंध दिसंबर 2020 से लागू होगा, जबकि अन्य 11 वस्तुओं पर प्रतिबंध दिसंबर 2021 से लागू होगा। लंबी दूरी के लैंड अटैक क्रूज मिसाइलों पर आयात प्रतिबंध दिसंबर 2025 से लागू होगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि संबंधित पक्षों के साथ परामर्श के आधार पर आगे भी ऐसे सामानों की सूची बनाई जाएगी, जिनके आयात पर रोक लगाने की जरूरत होगी।

रक्षा उपकरणों के आयात पर प्रतिबंध की घोषणा है शब्दजाल : चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर रविवार को निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने रक्षा उपकरणों के आयात पर प्रतिबंध की जो घोषणा की है, वह केवल शब्दजाल है, क्योंकि उनका एकमात्र आयातक रक्षा मंत्रालय है। चिदंबरम ने ट्वीट किया कि रक्षा मंत्री ने रविवार सुबह धमाका करने का वादा किया था, लेकिन उनकी घोषणा उम्मीद के विपरीत रही। उन्होंने कहा, रक्षा उपकरणों का एकमात्र आयातक रक्षा मंत्रालय है। आयात पर कोई भी प्रतिबंध वास्तव में स्वयं पर प्रतिबंध है। पूर्व गृह मंत्री ने कहा कि रक्षा मंत्री ने रविवार को अपनी ऐतिहासिक घोषणा में जो कहा, उसके लिए उनके सचिवों को केवल मंत्री के कार्यालय आदेश की आवश्यकता थी। उन्होंने कहा, आयात पर प्रतिबंध केवल शब्दजाल है। इसका अर्थ यह है कि हम दो से चार साल में उन्हीं उपकरणों (जिन्हें हम आज आयात करते हैं) को बनाने की कोशिश करेंगे और इसके बाद आयात बंद करेंगे। उल्लेखनीय है कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को घोषणा की कि आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत देश में रक्षा वस्तुओं का उत्पादन बढ़ाने के लिए 101 उपकरणों के आयात पर रोक लगाई जाएगी।

शिक्षा बोर्ड अगले साल होगा क्रियाशील, सरकारी स्कूलों पर नहीं थोपा जाएगा : सिसोदिया

नई दिल्ली। दिल्ली के अपने स्कूल शिक्षा बोर्ड के अगले साल से क्रियाशील होने की संभावना है, हालांकि अन्य राज्यों से उलट इसे सरकारी स्कूलों पर नहीं थोपा जाएगा। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने यह बात कही। राज्य शिक्षा बोर्ड गठित करने की योजना के विवरण देते हुए, सिसोदिया ने कहा कि यह बोर्ड नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में प्रस्तावित सुधारों के अनुरूप होगा। ध्यान लगातार आकलन पर होगा न कि वर्ष के अंत में होने वाली परीक्षाओं पर।

सिसोदिया ने एक साक्षात्कार में पीटीआई-भाषा को बताया, हमने प्रस्तावित बोर्ड के साथ ही पाठ्यक्रम सुधारों पर काम करने के लिए हाल में दो समितियां गठित की हैं। आदर्श स्थिति में हम इसे अगले साल से क्रियाशील बना सकते हैं। शुरुआत में, करीब 40 स्कूलों को बोर्ड से संबद्ध किया जाएगा जो या तो सरकारी होंगे या निजी स्कूल। उन्होंने कहा, अन्य राज्य बोर्डों में यह होता है कि निजी स्कूलों के पास सीबीएसई, आईसीएसई या राज्य बोर्ड में से किसी को चुनने का विकल्प होता है। जबकि सरकारी स्कूलों में राज्य बोर्ड का पाठ्यक्रम लागू होता है। लेकिन यहां यह सरकारी और निजी दोनों ही तरह के स्कूलों के लिए वैकल्पिक होगा। हम बोर्ड को उपयोगी एवं समृद्ध बनाना चाहते हैं।

ट्रक से टक्कर में बस चालक की मौत

नोएडा। थाना बादलपुर क्षेत्र के छपरौला गांव के पास रविवार सुबह एक ट्रक व यूपी रोडवेज की बस में टक्कर हो गई। इस घटना में बस चालक की मौत हो गई, जबकि बस में सवार अनेक सवारियों को मामूली चोट आई है। अपर पुलिस उपायुक्त अंकुर अग्रवाल ने बताया कि थाना बादलपुर क्षेत्र के छपरौला गांव में जीटी रोड के पास रविवार सुबह फुर्खाबाद से सवारी लेकर आ रही उत्तर प्रदेश रोडवेज की बस तथा एक ट्रक में टक्कर हो गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में बस के चालक ओमकार पुत्र कृपाल सिंह निवासी ग्राम रसूलपुर थाना मेरापुर जिला फुर्खाबाद सहित बस में सवार दर्जनों यात्री घायल हो गए।

विशेषज्ञों ने स्तनपान या मानक दुग्ध बैंक से दूध लेने को बताया सुरक्षित

कोविड-19 :

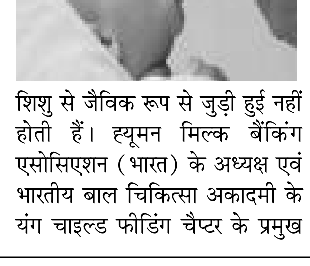

नई दिल्ली। विशेषज्ञों ने कोविड-19 के समय में स्तनपान कराने या मानक सावधानियों के साथ दुग्ध बैंकों से स्तन से निकला दूध लेने को सुरक्षित बताया है। मानव दुग्ध बैंक या स्तन दुग्ध बैंक ऐसी सेवा है। जिसके तहत स्तनपान कराने वाली मांओं द्वारा दान किए गए दूध को जमा कर, उसकी जांच एवं प्रसंस्करण किया जाता है तथा डॉक्टरों की सलाह पर वितरित किया जाता है। दान करने वाली मांएं शिशु से जैविक रूप से जुड़ी हुई नहीं होती हैं। ह्यूमन मिल्क बैंकिंग एसोसिएशन (भारत) के अध्यक्ष एवं भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी के यंग चाइल्ड फीडिंग चैप्टर के प्रमुख केतन भारदव ने कहा कि जिन शिशुओं को जिस किसी भी कारण से मां का दूध नहीं मिल पाता है। उनके लिए दूसरा बेहतर विकल्प वैज्ञानिक तरीके से संचालित मानक दुग्ध बैंक से पाश्चुरीकृत मानव दूध लेना है।

उन्होंने कहा कि मुद्रण पूर्व उपलब्ध वैज्ञानिक पत्रिकाओं में इस बात के ठोस सबूत मिले हैं कि होल्डर पाश्चरीकृत तरीके से दूध को पाश्चरीकृत करने से कोविड-19 के लिए जिम्मेदार कोरोना वायरस मर जाता है।

कांग्रेस के दिशाहीन होने की धारणा तोड़ने को पूर्णकालिक अध्यक्ष चुना जाए : शशि थरूर

पूर्णकालिक अध्यक्ष तलाशने की प्रक्रिया में तेजी लाकर कांग्रेस ने फौरन इस मद्दे का समाधान करने की जरूरत जताई

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने रविवार को कहा कि पार्टी के लक्ष्यहीन और दिशाहीन होने की लोगों में बढ़ती धारणा को खत्म करने के लिए इसे एक पूर्णकालिक अध्यक्ष ढूंढ़ने की प्रक्रिया अवश्य ही तेज करना चाहिए। कांग्रेस के लोकसभा सदस्य ने यह भी कहा कि उन्हें निश्चित रूप से से ऐसा लगता है कि पार्टी का एक बार फिर से नेतृत्व करने के लिए राहुल गांधी के पास साहस, क्षमता और योग्यता है, लेकिन यदि वह ऐसा करना नहीं चाहते हैं तो पार्टी को एक नया अध्यक्ष चुनने की दिशा में अवश्य ही आगे बढ़ना चाहिए।

उनकी यह टिप्पणी काफी मायने रखती है क्योंकि यह सोनिया गांधी के कांग्रेस के अंतरिम अध्यक्ष के तौर पर 10 अगस्त को एक साल पूरा करने से ठीक पहले (पूर्व संध्या पर) आई है। वहीं, अब भी पार्टी द्वारा उनके उत्तराधिकारी को चुना जाना बाकी है। कांग्रेस सांसद ने पीटीआई-भाषा से एक साक्षात्कार में कहा, मेरा निश्चित तौर पर मानना है कि हमें अपने नेतृत्व के आगे बढ़ने के बारे में स्पष्ट होना चाहिए। मैंने पिछले साल अंतरिम अध्यक्ष के तौर पर सोनिया जी की नियुक्ति का स्वागत किया था, लेकिन मेरा मानना है कि उनसे अनिश्चितकाल तक इस जिम्मेदारी को उठाने की उम्मीद करना उचित नहीं होगा।

थरूर ने कहा कि एक पूर्णकालिक अध्यक्ष तलाशने की प्रक्रिया में तेजी लाकर कांग्रेस द्वारा फौरन इस मुद्दे का समाधान करने की जरूरत है। इसे एक भागीदारीपूर्ण और लोकतांत्रिक प्रक्रिया से किया जाए जो विजेता उम्मीदवार को वैध अधिकार एवं विश्वसनीयता प्रदान करे, जो पार्टी में सांगठनिक एवं संरचनागत स्तर पर नई जान फूंकने के लिए बहुत जरूरी है। पार्टी अध्यक्ष के रूप में राहुल गांधी की वापसी की कांग्रेस में बढ़ती मांग और क्या उनका फिर से कमान संभालना सर्वश्रेष्ठ संभावित परिदृश्य होगा, इस बारे में पूछे जाने पर थरूर ने कहा, बेशक, यदि राहुल गांधी फिर से नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं तो उन्हें अपना इस्तीफा वापस लेना होगा। वह दिसंबर 2022 तक सेवा देने के लिए चुने गए थे और उन्हें फिर से बागडोर थामनी होगी। उन्होंने कहा, लेकिन यदि वह (राहुल) ऐसा नहीं करते हैं तो हमें आगे बढ़ना होगा।

बांदा में दो पत्रकारों के खिलाफ जबरन वसूली का मामला दर्ज

अवैध बालू खनन का समाचार कवरेज करने पर आरोपियों ने कैमरे और मोबाइल फोन छीनने की रिपोर्ट दर्ज कराई

बांदा (उप्र)। बांदा जिले के जसपुरा थाने की पुलिस ने दो पत्रकारों के खिलाफ बालू खनन कारोबारियों से जबरन वसूली के आरोप में मामला दर्ज किया है। वहीं एक पत्रकार ने भी खनन कारोबारियों के खिलाफ लूटपाट का मुकदमा दर्ज कराया है।

जसपुरा थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अर्जुन सिंह ने रविवार को बताया कि पत्रकार अंशु गुप्ता और रवि तिवारी के खिलाफ एक बालू खनन कारोबारी की तहरीर पर शनिवार को भारतीय दंड विधान की धारा-323 (मारपीट), 504 (गाली-गलौज), 506 (जान से मारने की धमकी) और 386 (जबरन धन वसूली) का मुकदमा दर्ज किया गया है।

उन्होंने बताया कि दूसरी ओर पत्रकार अंशु गुप्ता की तहरीर पर कारोबारियों सोनू सिंह, रवि सिंह और जयप्रकाश के खिलाफ आईपीसी की धारा-395 के तहत मुकदमा दर्ज कर लूट के आरोपों जांच की जा रही है। पत्रकार अंशु ने बताया कि गत 31 जुलाई को अवैध बालू खनन का समाचार कवरेज करने पर बालू खनन में संलिप्त लोगों ने उनके कैमरे और मोबाइल फोन छीन लिए थे।

अंशु ने आरोप लगाया कि पुलिस ने खनन कारोबारियों के साथ मिलकर पांच दिन बाद उनके खिलाफ फर्जी मुकदमा दर्ज किया है। वहीं पत्रकार रवि तिवारी ने बताया कि उन्होंने शनिवार को पुलिस अधीक्षक से मिलकर घटना की हकीकत बताई है। अगर निष्पक्ष जांच न हुई तो पत्रकार भूख हड़ताल करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

गहलोत ने विधायकों से सच्चाई का साथ देने की अपील की

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को राजस्थान विधानसभा के सभी विधायकों को पत्र लिखकर उनसे लोकतंत्र को बचाने के लिए और प्रदेशवासियों के व्यापक हित में सच्चाई के साथ खड़े होने की अपील की है। पत्र में गहलोत ने सभी विधायकों से राज्य के विकास और समृद्धि के वादों को पूरा करने में उनका सहयोग मांगा है। उन्होंने कहा, मेरी आप सभी से अपील है कि लोकतंत्र को बचाने, हम में जनता का विश्वास बरकरार रखने एवं गलत परम्पराओं से बचने के लिए आपको जनता की आवाज सुननी चाहिए। उन्होंने आगे कहा, आप चाहे किसी भी राजनीतिक पार्टी के विधायक हों, आप अपने अन्य साथियों, परिवारजनों और अपने क्षेत्र के मतदाताओं की भावनाओं को समझकर यह सुनिश्चित करने का फैसला करें कि राजस्थान प्रदेश के हितों के लिए जनता द्वारा चुनी हुई बहुमत प्राप्त सरकार मजबूती के साथ कार्य करती रहे और सरकार को अस्थिर करने के मंसूबे कामयाब नहीं हो सकें। गहलोत ने कहा, मुझे विश्वास है कि प्रदेशवासियों के व्यापक हित में सभी विधायक सच्चाई के साथ खड़े रहेंगे और राज्य के विकास और समृद्धि के लिए जनता से किए गए वायदों को पूरा करने में सहयोग करेंगे।

टॉवर पर चढ़कर व्यक्ति ने काटा हंगामा, आत्महत्या की धमकी

नागपुर। कर्ज में डूबे 42 वर्षीय व्यक्ति ने महाराष्ट्र के नागपुर शहर के सिविल लाइंस इलाके में शनिवार रात को दूरसंचार कंपनी के टॉवर पर चढ़कर आत्महत्या करने की धमकी दी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। गोंडवाना लेन के पास आकाशवाणी चौराहे पर शनिवार रात करीब साढ़े तीन घंटे तक यह तमाशा जारी रहा, जिससे शहर की पुलिस, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाकर्मियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। नागपुर के पुलिस आयुक्त भूषण कुमार उपाध्याय द्वारा आश्वासन मिलने के बाद मनोज नाम का वह व्यक्ति नीचे उतरा। पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) विनीता साहू ने कहा कि व्यक्ति की मानसिक और आर्थिक स्थिति को देखते हुए, उसके खिलाफ कोई कार्वाई नहीं की जाएगी।

पुणे में एलपीजी सिलेंडर विस्फोट में एक मौत, आठ घायल

पुणे। महाराष्ट्र में पुणे जिले के पिंपरी चिंचवाड़ इलाके में रविवार सुबह एक मकान में एलपीजी सिलेंडर फटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह घटना पिंपरी चिंचवाड़ औद्योगिक शहर में दिघी इलाके की एक आवासीय सोसायटी में हुई। दिघी पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक सूचना के अनुसार ऐसा लगता है कि सिलेंडर से एलपीजी का रिसाव हुआ और जब गैस स्टोव चलाया गया तो विस्फोट हो गया। उन्होंने बताया, इस घटना में एक शख्स की मौत हो गई। आठ घायलों को अस्पताल ले जाया गया है।

कार पलटने से दो युवकों की मौत, एक घायल

शिवपुरी। नौ अगस्त (भाषा) शिवपुरी शहर में देहात थाना अंतर्गत कर्बला के निकट रविवार सुबह तेज गति से आ रही कार असंतुलित होकर पलट गई, जिससे उसमें सवार दो युवकों की मौत हो गई और एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। देहात थाना प्रभारी सुनील खेमरिया ने बताया कि रविवार सुबह करीब पांच बजे कर्बला के समीप तेज रफ्तार से आ रही कार के पलट जाने से कार में सवार तीन युवकों में से दो की मौत हो गई। हादसे के वक्त ये कार चलाना सीख रहे थे। उन्होंने कहा कि मृतकों की पहचान संजय कुशवाह एवं साकेत झा के रूप में की गई है। दोनों की उम्र 20 वर्ष से कम लगती है। खेमरिया ने बताया कि इस हादसे में प्रणव मिश्रा गम्भीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि मामले की विस्तृत जांच जारी है।

15वें एमईटीए पुरस्कारों का होगा आयोजन ऑनलाइन

नई दिल्ली। महिंद्रा एक्सिलेंस इन थिएटर अवार्ड्स (एमईटीए) के 15वें संस्करण का आयोजन 30 अगस्त को ऑनलाइन किया जाएगा। अपनी तरह के पहले डिजिटल पुरस्कार समारोह में रंचमंच की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। तीन हफ्ते तक चलने वाला रंगमंच का यह समारोह सोमवार को आज को रंगमंच समीक्षा सम्मेलन के साथ शुरू होगा और इसका समापन ऑनलाइन पुरस्कार समारोह के साथ होगा, जिसमें 13 श्रेणियों में रंगमंच की हस्तियों और कलाकारों को सम्मानित किया जाएगा। महिंद्रा ग्रुप और टीमवर्क आर्ट्स द्वारा आयोजित एमईटीए 2020 महोत्सव पहले इस साल मार्च में होना था, लेकिन कोविड-19 वैश्विक महामारी के कारण इसे टाल दिया गया था। महिंद्रा ग्रुप में कलचरल आउटरीच के उपाध्यक्ष जय शाह ने कहा, कार्यक्रम जारी रहना चाहिए। हम वैश्विक महामारी के कारण पैदा हुई समस्याओं से उबर रहे हैं और मैं पूरे रंगमंच समुदाय की इस मुश्किल वक्त में साथ आने के लिए तारीफ करता हूं।

सांसद ने मोदी से की जनसंख्या नियंत्रण कानून लाने की अपील

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य डॉ. अनिल अग्रवाल ने देश में लगातार बढ़ रही आबादी को काबू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आगामी संसद सत्र में जनसंख्या नियंत्रण विधेयक पेश करने की अपील की है। डॉ. अग्रवाल ने शुक्रवार को पत्र लिखकर प्रधानमंत्री से यह अपील की। सूचना प्रौद्योगिकी मामलों की स्थाई समिति, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय सलाहकार समिति और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य डॉ. अग्रवाल ने प्रधानमंत्री मोदी से कहा, आपने 15 अगस्त 2019 के अवसर पर देश में जनसंख्या नियंत्रण की जो जरूरत बताई थी, अब उस संकल्प को पूरा करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप आगामी संसद सत्र में इस संबंध में उचित विधेयक लाने पर विचार करें।

उधमपुर में वायुसेना के जवान ने आत्महत्या की

जम्मू। जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में भारतीय वायुसेना के एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से गोली मारकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि घटना शनिवार को उस समय हुई जब 22 वर्षीय शुभम सिंह परमार उधमपुर के वायुसेना स्टेशन में संतरी के रूप में ड्यूटी पर तैनात थे। उन्होंने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। अधिकारी ने बताया कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि जवान ने ऐसा कदम क्यों उठाया। उन्होंने बताया कि उधमपुर के जिला अस्पताल में शव का पोस्टमॉर्टम चल रहा है। परमार उत्तर प्रदेश के कानपुर निवासी थे और अंतिम संस्कार के लिए शव परिवार को सौंपा जा रहा है।

ठाणे में अवैध रेत खनन के आरोप में पांच गिरफ्तार

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक छोटी नदी से अवैध तरीके से रेत निकालने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना पर कार्वाई करते हुए पुलिस और राजस्व अधिकारियों के एक दल ने शनिवार रात यहां काशेली इलाके में छोटी नदी के पास खनन वाली जगह पर छापे मारे और नदी से कथित तौर पर अवैध रूप से रेत निकाल रहे पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि तीन अन्य आरोपी पानी में तैरकर वहां से फरार हो गए। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 379, 439 और 34 तथा महाराष्ट्र भूमि राजस्व संहिता, 1966 के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आप ने बादल परिवार की पुलिस सुरक्षा पर सवाल उठाए

चंडीगढ। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रमुख भगवंत मान ने रविवार को पंजाब सरकार से पूछा कि बादल परिवार को राज्य पुलिस की सुरक्षा क्यों मिली हुई है जबकि कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रताप सिंह बाजवा की सुरक्षा को वापस ले लिया गया है। केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल का नाता बादल परिवार से है। शिरोमणि अकाली दल की बागडोर बादल परिवार के हाथ में ही है। पंजाब सरकार ने शनिवार को बाजवा की पुलिस सुरक्षा को यह कहते हुए वापस ले लिया कि उन्हें केंद्रीय सुरक्षा कवर मिला हुआ है और उन्हें कोई खतरा नहीं है। इस निर्णय से कुछ दिन पहले बाजवा और कांग्रेस के अन्य राज्यसभा सदस्य शमशेर सिंह डुल्लो ने राज्य में शराब के अवैध कारोबार को लेकर सीबीआई जांच की मांग की थी। इस मामले पर टिप्पणी करते हुए मान ने पूछा कि जब केंद्रीय सुरक्षा मिले होने के बहाने से कांग्रेस सांसद की राज्य पुलिस की सुरक्षा को वापस लिया जा सकता है तो बादल परिवार के सदस्यों को राज्य पुलिस की सुरक्षा क्यों मिली हुई है।

डिजीटल मार्केटिंग और डाटा विश्लेषण जैसी नवयुगीन योग्यताओं की भारी मांग है। **अंकित श्यामसुख** का कहना है कि व्यावसायिक शिक्षा इस शून्य को भरने में पहल कर सकती है

प्रशिक्षित श्रमशक्ति है प्रमुख

महामारी के दौरान तकनीक के हर चीज का मूल बन जाने से, हमने तकनीक की उपयोगिता व ऐसी अनेक तब्दीलियों को देखा है, जो अन्यथा स्थिति में अगले कम से कम छह सालों में हुई होतीं। कुछ ऐसा लगता है कि अपने रोजमर्रा जीवन में तकनीक के इस्तेमाल के मामले में, हमने छह सालों की छलांग लगाई है। इसीलिए उचित व्यवसायिक शिक्षा भी मांग करती है कि तकनीक को खासी तीव्रता के साथ अपनाना जाए ताकि हम कुछ उस तरह अपने विचारों को साध सकें कि एक उत्पाद को न्यूनतम संभव समय में बनाया जाए तथा तकनीक की सहायता से उपभोक्ता तक यथासंभव शीघ्रता से पहुंचाया जाए।

महामारी के आर्थिक संकट से लड़ने के लिए, व्यक्ति को पर्याप्त योग्य होना चाहिए ताकि कंपनियां उसे इसलिए काम पर रख सकें कि उसमें उनकी वितरण प्रक्रिया को तेज करने की सभी अपेक्षित योग्यताएं हैं। सरकार को भी आर्थिक मंदी से पार पाने के लिए व्यवसायिक शिक्षा पर खास ध्यान देना चाहिए। व्यवसायिक शिक्षा प्रत्येक विकसित देश की रीढ़ है। उदाहरण के लिए, चीन के पास व्यावसायिक प्रशिक्षण का विशाल मंच है। वे सुनिश्चित करते हैं कि उनका प्रशिक्षण देश के कोने कोने तक पहुंचे ताकि अति प्रशिक्षित लोग इंडस्ट्री में नियुक्त हों। इसलिए इस सेक्टर को सरकार से प्रोत्साहन की जरूरत है।

यहां कुछ तरीके हैं जिनके जरिए व्यवसायिक शिक्षा को मजबूत बनाया जा सकता है। हमारे देश में, व्यवसायिक शिक्षा को अक्सर स्कूलों, कालेजों व विश्वविद्यालयो के साथ जोड़ दिया जाता है। इसे महत्ता के अलावा विशेष पहचान दिए जाने की जरूरत है। निजी संस्थानों द्वारा प्रदत्त इस व्यवसायिक शिक्षा को संभालने की उचित संस्था की कमी दिखाती है कि इस संदर्भ में काफी गलतफहमी है।

यह उत्तम समय है जब सरकार का कोई सहयोग तथा व्यवसायिक शिक्षा में प्रोत्साहन अत्यंत कुशल भारत को सुनिश्चित कर सकता है जो आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता कदम है। यह कदम भारी निवेश को भी आकर्षित करेगा। उदाहरण के लिए, उद्योग चीन जाते हैं क्योंकि उन्हें वहां प्रशिक्षित श्रमशक्ति मिलती है और वहां, भारत जैसे अन्य देशों की तुलना में, किसी भी समय कंपनी स्थापित करना आसान है।

जमीन और अन्य के अलावा श्रमशक्ति को जुटाना केवल एक दिन का मामला बनता है। लेकिन कुशल श्रमशक्ति पाना वहां कभी भी मुद्दा नहीं है। यह अनेक अन्य देशों के लिए चुनौती है जहां व्यवसायिक शिक्षा को शिक्षा के अन्य वर्गों की तरह प्रोत्साहित नहीं किया गया है। प्रशिक्षित श्रमशक्ति की महत्ता आज आवश्यकता है।

जिस तरह कोरोना वायरस के कारण नौकरियां खत्म होती गयी हैं, यह दिखाता है कि प्रशिक्षण की आवश्यकता इस समय एकमात्र मूलभूत चीज बन गयी है।

महामारी के आर्थिक संकट से लड़ने के लिए व्यक्ति को पर्याप्त योग्य होना चाहिए ताकि कंपनियां उसे इसलिए काम पर रख सकें कि उसमें उनकी वितरण प्रक्रिया को तेज करने की सभी अपेक्षित योग्यताएं हैं। सरकार को भी आर्थिक मंदी से पार पाने के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर खास ध्यान देना चाहिए। व्यावसायिक शिक्षा प्रत्येक विकसित देश की रीढ़ है। उदाहरण के लिए, चीन के पास व्यावसायिक प्रशिक्षण का विशाल मंच है। वे सुनिश्चित करते हैं कि उनका प्रशिक्षण देश के कोने कोने तक पहुंचे ताकि अति प्रशिक्षित लोग इंडस्ट्री में नियुक्त हों।

महामारी ने प्रत्येक संगठन एवं प्रशिक्षित श्रमशक्ति में प्रशिक्षण की महत्ता को रेखांकित किया है। यह देखा गया है कि योग्यता ने हमारे देश में हमेशा अनेक अवसरों के दरवाजे खोले हैं। हमें महामारी से बाहर निकलने के लिए बड़े प्रोत्साहन की जरूरत है। सिलाई, मेहमानवाजी व नर्सिंग जैसे अनेक व्यवसाय हैं जिन्हें आनलाइन प्रशिक्षित नहीं किया जा सकता।

इसलिए, सरकार को ऐसे किसी व्यवसाय को शुरू करने की अनुमति देनी चाहिए। सभी उद्योगों व संस्थानों को बदलाव को गले लगाना चाहिए। हमारे यहां जिस प्रकार का बाजार है, हर किसी के पास नकदी की समस्या है।

हमारे देश में, व्यवसायिक शिक्षा की दखल दुनिया में सबसे कम है। समूचा समुदाय, खासतौर पर युवा, जो 21 से 35 साल के आयुवर्ग में आते हैं, उन्हें पुराना भूलने व नया सीखने की जरूरत है। अनेक दरवाजों के बंद होने के साथ, हजार नए अवसर भी है जो उत्पन्न हो रहे हैं। लेकिन समस्या यह है कि हमारे पास उन रोजगारों के लिए आवश्यक योग्यताएं नहीं होती हैं।

उदाहरण के लिए महामारी के दौरान, पिछले तीन महीनों में बनी वेबसाइटों की संख्या साल भर में बनी वेबसाइटों के लगभग बराबर है। अनेक नयी योग्यताएं व क्षेत्र खुले हैं। डिजीटल मार्केटिंग, डाटा विश्लेषण जैसी नवयुगीन योग्यताओं की भारी मांग है।

सुरक्षा कारणों से या नौकरियां छूटने के कारण लोग अपने मूल शहरों की ओर गए हैं। अब उन्हें उन योग्यताओं के बारे में जानने की जरूरत है जिनकी उनके अपने शहर में मांग है। यदि आप बैंगलुरू में हैं, तो आपको आईटी योग्यताओं की आवश्यकता है लेकिन जब आप गुजरात में हैं तो आपको नौकरी पाने के लिए औद्योगिक योग्यताएं हासिल करने की जरूरत है। लोगों को अपने लिए आवश्यक योग्यताएं पहचाननी और उसी प्रकार उत्तम लोग या कंपनी ढूंढ़नी चाहिए ताकि उसके लिए उत्तम योग्यताएं हासिल कर सकें। भारत में विशेषज्ञता की बात की जाती है लेकिन बिरले ही उसका आचरण किया जाता है। उदाहरण: आप ईएनटी विशेषज्ञ के पास जाते हैं जब आपको गले/नाक/कान की समस्या होती है लेकिन क्या आप आर्थोपेडिक डाक्टर के पास जाते हैं? इसी तरह, अपने करियर के लिए विशेषज्ञ के पास क्यों नहीं जाते हैं? क्या करियर और योग्यताएं अगर ज्यादा महत्वपूर्ण नही तो समान दर्जे की हकदार नहीं होती?

-लेखक आईसीए एडू स्किल्स के सीईओ हैं।

इंटरनेट से बदल रही है शिक्षा व्यवस्था

भारत में इंटरनेट शिक्षा व्यवस्था को आमूलचूल परिवर्तित कर रहा है। नोवल कोरोना वायरस फैलने से जिसने समूचे देश को तालांबद हो जाने के लिए बाध्य कर दिया, ई-लर्निंग और अन्य कामों के साथ, घर से काम करना, एक नयी सामान्य स्थिति बन गया है। स्मार्ट कक्षाएं और मोबाइल तकनीक न केवल महंगे निजी स्कूलों में शिक्षा को बदल रहे हैं, बल्कि यह धीरे धीरे सरकारी स्कूलों में भी अपनी पैठ बना रहे हैं।

प्रत्येक सेक्टर अप्रत्याशित स्थिति से निपटने में व्यस्त है। हालांकि कार्पोरेट घरानों के लिए घर से काम करना और सामान्य की तरह बिजनेस चालू रखना थोड़ा आसान हुआ है, मगर शिक्षा व्यवस्था के लिए स्थिति चुनौतीपूर्ण बन गयी है क्योंकि यह बदलावों को अपनाने में सुस्त है। हर कहीं होने वाली बाधाओं से, विभिन्न संबंधित शिक्षक, राजनेता, विद्वान और नौकरशाह शिक्षा व्यवस्था के परिष्करण की जरूरत का समर्थन करते हैं।

डिजीटल लहर भारत में पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था को बदल रही है। हालांकि संकट भयावह है, मगर यह हमारे शैक्षणिक संस्थानों को तकनीकी रूप से उन्नत तथा नवयुगीन उपकरणों व तकनीकों से सुसज्जित बना रहा है। हालांकि, छात्रों और शिक्षकों ने भारी तालमेल बैठाया है जैसा कि पढ़ाई हमेशा से कक्षाओं में होती आई हैं और उनमें से अनेक सुदूर रहकर पढ़ाई

माइंड इट

करने के लिए तकनीक से बहुत ज्यादा लैस नहीं हैं।

लंबी तालाबंदी के बाद के संकट ने शैक्षणिक संस्थानों द्वारा डिजीटल तकनीक को अपनाने में तेजी लाई है और आनलाइन शिक्षा मंचों व डाटा प्रबंधन तरीकों को एक के बाद एक काम में लाना शुरू कर दिया गया है। अनेक शैक्षणिक संस्थान प्रयोग के अवसर के रूप में स्थिति का फायदा उठा रहे हैं और संकट में शिक्षा को संभव व अर्थपूर्ण प्रसार करने के लिए स्मार्ट उपकरणों का उपयोग कर रहे हैं।

हालांकि यह अनिश्चित है कि स्कूल और कालेज कब दुबारा खुलेंगे, मगर वे लगातार कोशिश कर रहे हैं कि संकट से कैरीकुलम प्रभावित न हो। डिजीटल रूपांतरण से, हालांकि आनलाइन शिक्षण व मूल्यांकन के जरिए उन्नत व नवोन्मेषी पेशेवर योग्यता विकसित करते हुए जोर ज्यादा उत्पादक व प्रभावी होने पर है।

हालांकि हम शिक्षक केन्द्रित शिक्षा से छात्र केन्द्रित शिक्षा की ओर बदलाव देखते हैं, मगर वर्चुअल कक्षाएं शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच भागीदारी बरकरार रखने और बढ़ाने में सहायता कर रही हैं, लगभग क्लासरूम टाइप अनुभव की तरह। इसके अलावा, स्मार्ट क्लासरूम शिक्षक-अभिभावक बैठकों से लेकर स्टाफ-प्रबंधन बैठकों तक हर चीज का प्रावधान करते हैं। शिक्षा व्यवस्था की सहायता की पहल में जब कालेज और स्कूल बंद हैं, सरकार हर स्तरों पर, केन्द्र व राज्य, समेत प्राइवेट संस्थान छात्रों की सहायता व लाभ के लिए विभिन्न कदम उठा रहे हैं। साथ ही, सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए तमाम प्रयास किए हैं कि शिक्षा पर संकट का असर कम से कम हो।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्र स्कूल बंद रहने के दौरान अपनी पढ़ाई करते रहें, विभिन्न ई-लर्निंग पोर्टल्स और ई-पाठशाला, स्वयं जैसे एप्प, दीक्षा पोर्टल और स्टेम आधारित खेलों को सरकार व शिक्षा निकायों द्वारा आरंभ किया गया है। आनलाइन पढ़ाई धीरे धीरे शिक्षा व्यवस्था में एक क्रांतिकारी अनुभव के रूप में दिखी है। प्रमुख विश्व परिवर्तनकारी घटनाएं अक्सर, सार्स के उपरांत ई-कामर्स की तरह, तीव्र नवोन्मेषन का एक परिवर्तनकारी बिन्दु बन जाते हैं। यद्यपि भविष्यवाणी करने का यह उचित समय नहीं है, मगर कोविड-19 उपरांत ई-लर्निंग का अप्रत्याशित उभार हो सकता है जिसमें छात्रों को समूची दुनिया से सर्वोत्तम सुविधा उपलब्ध होगी।

संकट से राहत के रूप में जो सामने आया, वो उन्नत उपस्थिति, प्रतिस्पर्धा आधारित पढ़ाई, भविष्य के लिए उच्च क्षमता वाले शिक्षण तरीके बनना, ट्रेक करने योग्य शिक्षण, अधिक भागीदारी, कम भटकाव और त्वरित मूल्यांकन के कारण लोकप्रिय हो रहा है। आनलाइन मूल्यांकन मंच सिमित बैंडविड्थ को देखते हुए अपने उत्पाद सुधारने के लगातार प्रयास कर रहे हैं। काफी कुछ तो योजनाबद्ध व क्रियान्वयन हो गया है और अधिक सुधार होना जारी है। गुणवान शिक्षको और उन्नत आईटी संचना के साथ मिलकर उनका डिजीटल तकनीकों का अभ्यस्त होना वे महत्वपूर्ण पैमाने हैं जिन्हें भविष्य में देखा जाना बाकी है।

- लेखक किरण घाम, ग्लोबस इंफोकॉम लि की सीईओ हैं।

स्कॉलरशिप

द न्यू युनिवर्सिटी आफ एडीलेड हायर एजुकेशन स्कालरशिप का प्रस्ताव अब छात्रों के लिए उपलब्ध है। यह स्कालरशिप ट्यूशन फीस में 25 प्रतिशत की रियायत प्रदान करती है। यह स्कालरशिप आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को छोड़कर, हर देश के नागरिकों के लिए उपलब्ध है।

योग्यता: आवेदक अनिवार्यतया या तो आस्ट्रेलियन हायर एजूकेशन इंस्टीट्यूशन से मान्यता प्राप्त एक्यूएफ का अलून्मी(ग्रेंजुएट) हो या उसने युनिवर्सिटी आफ एडीलेड में अपनी डिग्री की शुरूआत करने से पहले हाल में एक्यूएफ-मान्यताप्राप्त हायर एजूकेशन इंस्टीट्यूशन से अपनी पढ़ाई सफलतापूर्वक संपन्न की है। आवेदक के पास पूर्ण शुल्क भुगतान वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्र के रूप में युनिवर्सिटी आफ एडीलेड का प्रवेश संबंधी प्रस्ताव पत्र होना चाहिए। आवेदक ने अपने प्रवेश प्रस्ताव में दर्ज होने के बतौर स्वीकार्यता प्रक्रिया पूरी की हो।

युनिवर्सिटी की प्राथमिक प्रतिष्ठित अंग्रेजी भाषा परीक्षाए हैं: आईईएलटीएस, टीओईएफएल, पीयर्सन टेस्ट आफ इंगलिश। अंग्रेजी का अपेक्षित स्तर न रखने वाले छात्रों को प्रवेश पाने से पहले अंग्रेजी भाषा में गहन कोर्स की पढ़ाई को संतोषजनक स्तर पर पूरा करना होगा। युनिवर्सिटी उपयुक्त अंग्रेजी भाषा कोर्स, एकेडमिक इंगलिश (पीईपी पाथवे) की व्यवस्था करेगी।

आवेदन कैसे करें: जो उम्मीदवार मानकों पर खरे उतरते हैं वे स्वत: विचार कर लिए जाएंगे।

आवेदन की अंतिम तिथि: स्कालरशिप साल भर खुली हैं।

यूके में युनिवर्सिटी आफ एसेक्स के एमबीए डिग्री प्रोग्राम के लिए अर्ली बर्ड डिस्काऊंट इंटरनेशनल अवार्ड के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। यह शैक्षणिक अवार्ड विश्व के हर देश के छात्रों के लिए उपलब्ध है।

योग्यता: वे छात्र जो पूर्णकालिक एमबीए प्रोग्राम के लिए आवेदन कर रहे हैं। यह स्कालरशिप पार्ट टाइम या डिग्री एप्रेंटिसशिप प्रोग्राम के लिए आवेदन करने वाले छात्रों के लिए उपलब्ध नहीं है। इस स्कालरशिप को ऐसेक्स एमबीए डीन्स अवार्ड के साथ जोड़ा जा सकता है जिसमें सिर्फ कोर्स फीस का पचास फीसदी से कम रियायत का प्रस्ताव है।

इसे कोर्स फीस के पचास फीसदी या अधिक की धनराशि की ऐसेक्स एमबीए डींस अवार्ड के साथ जोड़ा नहीं जा सकता। इस स्कालरशिप को अलून्मी लाएलिटी डिस्काऊंट समेत अन्य युनिवर्सिटी आफ ऐसेक्स स्कालरशिप्स के साथ जोड़ा नहीं जा सकता है। आवेदक को भेजे गए प्रस्ताव को दो सप्ताह के भीतर प्रस्ताव संबंधी स्वीकृति देनी होगी।

भाषा शर्त : यदि अंग्रेजी आपकी प्रथम भाषा नहीं है, तो आपको आईईएलटीएस, टीओईएफएल का या अन्य स्वीकृत अग्रेजी भाषा योग्यता का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

आवेदन कैसे करें: युनिवर्सिटी में मास्टर डिग्री प्रोग्राम में प्रवेश लेने वाले आवेदकों पर स्वत: विचार कर लिया जाएगा।

आवेदन की अंतिम तिथि: 31 अक्टूबर, 2020।

डॉ. प्रतिमा शोरी का कहना है कि छात्र समझने लगे हैं कि एचआर में जन विश्लेषण किस तरह कर्मचारी आचरण को समझने के अलावा डाटा आधारिक फैसले लेने में उनकी सहायता करेगा।

अपनी विश्लेषणकारी योग्यताएं निखारें

इस तेजी से बदलती दुनिया में व्यापार रूपांतरण एक अनिवार्यता बन गया है। बहुआयामी संचार चैनलों के जरिए कर्मचारी की भागीदारी व सशक्तीकरण लाजिमी हो गया है। बीते कुछ सालों में, हमने स्थिरता, तयशुदा सोच और अन्य डिजीटल केन्द्रित गतिविधियों की स्वीकार्यता में तीव्र वृद्धि देखी है।

अतीत में, वित्तीय एवं कामकाजी प्रदर्शनों का आंकलन करने के लिए मात्रात्मक तरीके लागू किए जाते थे, लेकिन लोगों का मूल्यांकन करने के लिए गुणात्मक तरीके लागू करना हमेशा कठिन हुआ है। इसीलिए, जन विश्लेषण निश्चित रूप से खेल परिवर्तक बना रहा है। इसने आचरणगत डाटा का मूल्यांकन करने में सहायता की, मसलन जिस पर कर्मचारी कार्यरत हैं, आचरणगत बदलाव किस प्रकार कंपनी के आर्थिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं, कौन सी चीज संगठन में कर्मचारी आचरण को प्रभावित कर सकती है।

मानव संसाधन मैनेजरों की अपनी भूमिका में, एमबीए छात्रों ने अपने करियर में जन विश्लेषण की महत्ता को सीखना शुरू कर दिया है। छात्र समझने लगे हैं कि किस प्रकार एचआर में यह विशिष्ट क्षेत्र कर्मचारी आचरण को समझते हुए, डाटा संचालित फैसले लेने में उनकी सहायता करेगा। यह आधार जन विश्लेषण के तीव्र गति से उभरते क्षेत्र के साथ आता है जिसे संस्थान अपना रहे हैं क्योंकि वे वे डाटा का संस्थान में कर्मचारी की रोजगार यात्रा का मूल्यांकन करने में उपयोग करते हैं।

निम्न ऐसे तरीके हैं जो बताते हैं कि किस प्रकार यह कोर्स एच आर पेशेवरों को इंडस्ट्री के लिए तैयार कर रहा है:

कर्मचारी आचरण को प्रभावी ढंग से विश्लेषण: एक महत्वपूर्ण पक्ष, जिसे एक एचआर पेशेवर को सुनिश्चित करना चाहिए कि गहन स्तरों पर कर्मचारी आचरण पर नजर रखे। बेहतर मुआवजों के साथ कर्मचारी के प्रयासों की पहचानना कर्मचारी की खुशी और संतुष्टि से सीधे संबंधित होता है। जन विश्लेषण समस्त स्तरों पर कर्मचारियों के साथ भागीदारी की नयी तकनीकों के साथ चलने में एचआर पेशेवरों की सहायता करता है।

पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया: एचआर के लिए सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण कार्यों में से एक होता है विभाग विशेष की आवश्यकताओं के अनुकूल प्रतिभा का उचित भंडार तलाशना और पहचान करना कि किस विभाग में अपेक्षित योग्यताओं के संदर्भ में कमियां हैं। ऐसे मामलों में, जन विश्लेषण प्रतिभा में अपेक्षित योग्यताओं, प्रोफाइलों में से चुनना, पारदर्शी प्रोफाइलिंग गणना तथा प्रतिभा विकास पर समझ प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब ऐसे डाटा आधारित फैसले लिए जाते हैं तो इससे कंपनी को अपने प्रतिभा भंडार के साथ अपने लक्ष्यों को संयोजित करने में सहायता होती है।

संभावित बिजनेस प्रभाव का पूर्वानुमान: वर्तमान रूझान और ऐतिहासिक डाटा कर्मचारी प्रदर्शन मापने तथा बिजनेस के लिए मुनाफा बनाने में उपयोगी होते हैं। संस्थान समय के साथ बिजनेस रूझानों पर प्रभाव को समझ सकता है। कारक में असंगत प्रभाव भी संभव होता है। यह सब उचित जन प्रयासों का अनुपालन का पूर्वानुमान करने में सहायता कर सकता है ताकि सुनिश्चित हो कि बिजनेस सकारात्मक रूप में प्रभावित है।

संगठन में विविधता बढ़ाएं: विविधता किसी भी व्यापार के लिए एक प्रबल कारक है। कंपनी के सभी कर्मचारियो की जीवनशैली में, जन विश्लेषण विविधता की स्थिति का आंकलन करने में प्रमुख भूमिका निभाता है। यह अवांछित पूर्वाग्रहों के क्षेत्र पहचानने और समस्या क्षेत्रों का प्रभावी समाधान करने में भी सहायता करता है।

जन विश्लेषण एचआर क्षेत्र में प्रमुख उपादान बनकर उभरा है और कोई भी, जो ज्यादा रणनीतिक वर्क प्रोफाइल चाहता है, वह निश्चित रूप से इस क्षेत्र में विशेषज्ञता के लिए जा सकता है। आपको विशेषज्ञ बनाने के अलावा, विश्लेषण योग्यता निखार में तथा संस्थान की उन्नति व सुधार के लिए प्रमाण आधारित फैसले लेने में निश्चित रूप से आपकी सहायता करेगा।

-लेखक एससीएमएचआरडी, पुणे के निर्देशक हैं।

डिजीटल मार्केटिंग और डाटा विश्लेषण जैसी नवयुगीन योग्यताओं की भारी मांग है। अंकित श्यामसुख का कहना है कि व्यावसायिक शिक्षा इस शून्य को भरने में पहल कर सकती है

प्रशिक्षित श्रमशक्ति है प्रमुख

महामारी के दौरान तकनीक के हर चीज का मूल बन जाने से, हमने तकनीक की उपयोगिता व ऐसी अनेक तब्दीलियों को देखा है, जो अन्यथा स्थिति में अगले कम से कम छह सालों में हुई होतीं। कुछ ऐसा लगता है कि अपने रोजमर्रा जीवन में तकनीक के इस्तेमाल के मामले में, हमने छह सालों की छलांग लगाई है। इसीलिए उचित व्यवसायिक शिक्षा भी मांग करती है कि तकनीक को खासी तीव्रता के साथ अपनाना जाए ताकि हम कुछ उस तरह अपने विचारों को साध सकें कि एक उत्पाद को न्यूनतम संभव समय में बनाया जाए तथा तकनीक की सहायता से उपभोक्ता तक यथासंभव शीघ्रता से पहुंचाया जाए।

महामारी के आर्थिक संकट से लड़ने के लिए, व्यक्ति को पर्याप्त योग्य होना चाहिए ताकि कंपनियां उसे इसलिए काम पर रख सकें कि उसमें उनकी वितरण प्रक्रिया को तेज करने की सभी अपेक्षित योग्यताएं हैं। सरकार को भी आर्थिक मंदी से पार पाने के लिए व्यवसायिक शिक्षा पर खास ध्यान देना चाहिए। व्यवसायिक शिक्षा प्रत्येक विकसित देश की रीढ़ है। उदाहरण के लिए, चीन के पास व्यावसायिक प्रशिक्षण का विशाल मंच है। वे सुनिश्चित करते हैं कि उनका प्रशिक्षण देश के कोने कोने तक पहुंचे ताकि अति प्रशिक्षित लोग इंडस्ट्री में नियुक्त हों। इसलिए इस सेक्टर को सरकार से प्रोत्साहन की जरूरत है।

यहां कुछ तरीके हैं जिनके जरिए व्यवसायिक शिक्षा को मजबूत बनाया जा सकता है। हमारे देश में, व्यवसायिक शिक्षा को अक्सर स्कूलों, कालेजों व विश्वविद्यालयो के साथ जोड़ दिया जाता है। इसे महत्ता के अलावा विशेष पहचान दिए जाने की जरूरत है। निजी संस्थानों द्वारा प्रदत्त इस व्यवसायिक शिक्षा को संभालने की उचित संस्था की कमी दिखाती है कि इस संदर्भ में काफी गलतफहमी है।

यह उत्तम समय है जब सरकार का कोई सहयोग तथा व्यवसायिक शिक्षा में प्रोत्साहन अत्यंत कुशल भारत को सुनिश्चित कर सकता है जो आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता कदम है। यह कदम भारी निवेश को भी आकर्षित करेगा। उदाहरण के लिए, उद्योग चीन जाते हैं क्योंकि उन्हें वहां प्रशिक्षित श्रमशक्ति मिलती है और वहां, भारत जैसे अन्य देशों की तुलना में, किसी भी समय कंपनी स्थापित करना आसान है।

जमीन और अन्य के अलावा श्रमशक्ति को जुटाना केवल एक दिन का मामला बनता है। लेकिन कुशल श्रमशक्ति पाना वहां कभी भी मुद्दा नहीं है। यह अनेक अन्य देशों के लिए चुनौती है जहां व्यवसायिक शिक्षा को शिक्षा के अन्य वर्गों की तरह प्रोत्साहित नहीं किया गया है। प्रशिक्षित श्रमशक्ति की महत्ता आज आवश्यकता है।

जिस तरह कोरोना वायरस के कारण नौकरियां खत्म होती गयी हैं, यह दिखाता है कि प्रशिक्षण की आवश्यकता इस समय एकमात्र मूलभूत चीज बन गयी है।

> महामारी के आर्थिक संकट से लड़ने के लिए व्यक्ति को पर्याप्त योग्य होना चाहिए ताकि कंपनियां उसे इसलिए काम पर रख सकें कि उसमें उनकी वितरण प्रक्रिया को तेज करने की सभी अपेक्षित योग्यताएं हैं। सरकार को भी आर्थिक मंदी से पार पाने के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर खास ध्यान देना चाहिए। व्यावसायिक शिक्षा प्रत्येक विकसित देश की रीढ़ है। उदाहरण के लिए, चीन के पास व्यावसायिक प्रशिक्षण का विशाल मंच है। वे सुनिश्चित करते हैं कि उनका प्रशिक्षण देश के कोने कोने तक पहुंचे ताकि अति प्रशिक्षित लोग इंडस्ट्री में नियुक्त हों।

महामारी ने प्रत्येक संगठन एवं प्रशिक्षित श्रमशक्ति में प्रशिक्षण की महत्ता को रेखांकित किया है। यह देखा गया है कि योग्यता ने हमारे देश में हमेशा अनेक अवसरों के दरवाजे खोले हैं। हमें महामारी से बाहर निकलने के लिए बड़े प्रोत्साहन की जरूरत है। सिलाई, मेहमानवाजी व नर्सिंग जैसे अनेक व्यवसाय हैं जिन्हें आनलाइन प्रशिक्षित नहीं किया जा सकता।

इसलिए, सरकार को ऐसे किसी व्यवसाय को शुरू करने की अनुमति देनी चाहिए। सभी उद्योगों व संस्थानों को बदलाव को गले लगाना चाहिए। हमारे यहां जिस प्रकार का बाजार है, हर किसी के पास नकदी की समस्या है।

हमारे देश में, व्यवसायिक शिक्षा की दखल दुनिया में सबसे कम है। समूचा समुदाय, खासतौर पर युवा, जो 21 से 35 साल के आयुवर्ग में आते हैं, उन्हें पुराना भूलने व नया सीखने की जरूरत है। अनेक दरवाजों के बंद होने के साथ, हजार नए अवसर भी है जो उत्पन्न हो रहे हैं। लेकिन समस्या यह है कि हमारे पास उन रोजगारों के लिए आवश्यक योग्यताएं नहीं होती हैं।

उदाहरण के लिए महामारी के दौरान, पिछले तीन महीनों में बनी वेबसाइटों की संख्या साल भर में बनी वेबसाइटों के लगभग बराबर है। अनेक नयी योग्यताएं व क्षेत्र खुले हैं। डिजीटल मार्केटिंग, डाटा विश्लेषण जैसी नवयुगीन योग्यताओं की भारी मांग है।

सुरक्षा कारणों से या नौकरियां छूटने के कारण लोग अपने मूल शहरों की ओर गए हैं। अब उन्हें उन योग्यताओं के बारे में जानने की जरूरत है जिनकी उनके अपने शहर में मांग है। यदि आप बैंगलुरू में हैं, तो आपको आईटी योग्यताओं की आवश्यकता है लेकिन जब आप गुजरात में हैं तो आपको नौकरी पाने के लिए औद्योगिक योग्यताएं हासिल करने की जरूरत है। लोगों को अपने लिए आवश्यक योग्यताएं पहचाननी और उसी प्रकार उत्तम लोग या कंपनी ढूंढ़नी चाहिए ताकि उसके लिए उत्तम योग्यताएं हासिल कर सकें। भारत में विशेषज्ञता की बात की जाती है लेकिन बिरले ही उसका आचरण किया जाता है। उदाहरण: आप ईएनटी विशेषज्ञ के पास जाते हैं जब आपको गले/नाक/कान की समस्या होती है लेकिन क्या आप आर्थोपेडिक डाक्टर के पास जाते हैं? इसी तरह, अपने करियर के लिए विशेषज्ञ के पास क्यों नहीं जाते हैं? क्या करियर और योग्यताएं अगर ज्यादा महत्वपूर्ण नही तो समान दर्जे की हकदार नहीं होती?

–लेखक आईसीए एडू स्किल्स के सीईओ हैं।

इंटरनेट से बदल रही है शिक्षा व्यवस्था

भारत में इंटरनेट शिक्षा व्यवस्था को आमूलचूल परिवर्तित कर रहा है। नोवल कोरोना वायरस फैलने से जिसने समूचे देश को तालांबद हो जाने के लिए बाध्य कर दिया, ई–लर्निंग और अन्य कामों के साथ, घर से काम करना, एक नयी सामान्य स्थिति बन गया है। स्मार्ट कक्षाएं और मोबाइल तकनीक न केवल महंगे निजी स्कूलों में शिक्षा को बदल रहे हैं, बल्कि यह धीरे धीरे सरकारी स्कूलों में भी अपनी पैठ बना रहे हैं।

प्रत्येक सेक्टर अप्रत्याशित स्थिति से निपटने में व्यस्त है। हालांकि कार्पोरेट घरानों के लिए घर से काम करना और सामान्य की तरह बिजनेस चालू रखना थोड़ा आसान हुआ है, मगर शिक्षा व्यवस्था के लिए स्थिति चुनौतीपूर्ण बन गयी है क्योंकि यह बदलावों को अपनाने में सुस्त है। हर कहीं होने वाली बाधाओं से, विभिन्न संबंधित शिक्षक, राजनेता, विद्वान और नौकरशाह शिक्षा व्यवस्था के परिष्करण की जरूरत का समर्थन करते हैं।

डिजीटल लहर भारत में पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था को बदल रही है। हालांकि संकट भयावह है, मगर यह हमारे शैक्षणिक संस्थानों को तकनीकी रूप से उन्नत तथा नवयुगीन उपकरणों व तकनीकों से सुसज्जित बना रहा है। हालांकि, छात्रों और शिक्षकों ने भारी तालमेल बैठाया है जैसा कि पढ़ाई हमेशा से कक्षाओं में होती आई हैं और उनमें से अनेक सुदूर रहकर पढ़ाई

माइंड इट

करने के लिए तकनीक से बहुत ज्यादा लैस नहीं हैं।

लंबी तालाबंदी के बाद के संकट ने शैक्षणिक संस्थानों द्वारा डिजीटल तकनीक को अपनाने में तेजी लाई है और आनलाइन शिक्षा मंचों व डाटा प्रबंधन तरीकों को एक के बाद एक काम में लाना शुरू कर दिया गया है। अनेक शैक्षणिक संस्थान प्रयोग के अवसर के रूप में स्थिति का फायदा उठा रहे हैं और संकट में शिक्षा को संभव व अर्थपूर्ण प्रसार करने के लिए स्मार्ट उपकरणों का उपयोग कर रहे हैं।

हालांकि यह अनिश्चित है कि स्कूल और कालेज कब दुबारा खुलेंगे, मगर वे लगातार कोशिश कर रहे हैं कि संकट से कैरीकुलम प्रभावित न हो। डिजीटल रूपांतरण से, हालांकि आनलाइन शिक्षण व मूल्यांकन के जरिए उन्नत व नवोन्मेषी पेशेवर योग्यता विकसित करते हुए जोर ज्यादा उत्पादक व प्रभावी होने पर है।

हालांकि हम शिक्षक केन्द्रित शिक्षा से छात्र केन्द्रित शिक्षा की ओर बदलाव देखते हैं, मगर वर्चुअल कक्षाएं शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच भागीदारी बरकरार रखने और बढ़ाने में सहायता कर रही हैं, लगभग क्लासरूम टाइप अनुभव की तरह। इसके अलावा, स्मार्ट क्लासरूम शिक्षक–अभिभावक बैठकों से लेकर स्टाफ-प्रबंधन बैठकों तक हर चीज का प्रावधान करते हैं। शिक्षा व्यवस्था की सहायता की पहल में जब कालेज और स्कूल बंद हैं, सरकार हर स्तरों पर, केन्द्र व राज्य, समेत प्राइवेट संस्थान छात्रों की सहायता व लाभ के लिए विभिन्न कदम उठा रहे हैं। साथ ही, सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए तमाम प्रयास किए हैं कि शिक्षा पर संकट का असर कम से कम हो।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्र स्कूल बंद रहने के दौरान अपनी पढ़ाई करते रहें, विभिन्न ई–लर्निंग पोर्टल्स और ई–पाठशाला, स्वयं जैसे एप्प, दीक्षा पोर्टल और स्टेम आधारित खेलों को सरकार व शिक्षा निकायों द्वारा आरंभ किया गया है। आनलाइन पढ़ाई धीरे धीरे शिक्षा व्यवस्था में एक क्रांतिकारी अनुभव के रूप में दिखी है। प्रमुख विश्व परिवर्तनकारी घटनाएं अक्सर, सार्स के उपरांत ई–कामर्स की तरह, तीव्र नवोन्मेषन का एक परिवर्तनकारी बिन्दु बन जाते हैं। यद्यपि भविष्यवाणी करने का यह उचित समय नहीं है, मगर कोविड–19 उपरांत ई–लर्निंग का अप्रत्याशित उभार हो सकता है जिसमें छात्रों को समूची दुनिया से सर्वोत्तम सुविधा उपलब्ध होगी।

संकट से राहत के रूप में जो सामने आया, वो उन्नत उपस्थिति, प्रतिस्पर्धा आधारित पढ़ाई, भविष्य के लिए उच्च क्षमता वाले शिक्षण तरीके बनना, ट्रेक करने योग्य शिक्षण, अधिक भागीदारी, कम भटकाव और त्वरित मूल्यांकन के कारण लोकप्रिय हो रहा है। आनलाइन मूल्यांकन मंच सिमित बैंडविड्थ को देखते हुए अपने उत्पाद सुधारने के लगातार प्रयास कर रहे हैं। काफी कुछ तो योजनाबद्ध व क्रियान्वयन हो गया है और अधिक सुधार होना जारी है। गुणवान शिक्षको और उन्नत आईटी संचना के साथ मिलकर उनका डिजीटल तकनीकों का अभ्यस्त होना वे महत्वपूर्ण पैमाने हैं जिन्हें भविष्य में देखा जाना बाकी है।

– लेखक किरण घाम, ग्लोबस इंफोकॉम लि की सीईओ हैं।

स्कॉलरशिप

द न्यू युनिवर्सिटी आफ एडीलेड हायर एजुकेशन स्कालरशिप का प्रस्ताव अब छात्रों के लिए उपलब्ध है। यह स्कालरशिप ट्यूशन फीस में 25 प्रतिशत की रियायत प्रदान करती है। यह स्कालरशिप आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को छोड़कर, हर देश के नागरिकों के लिए उपलब्ध है।

योग्यता: आवेदक अनिवार्यतया या तो आस्ट्रेलियन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन से मान्यता प्राप्त एक्यूएफ का अलूम्नी(ग्रेंजुएट) हो या उसने युनिवर्सिटी आफ एडीलेड में अपनी डिग्री की शुरूआत करने से पहले हाल में एक्यूएफ-मान्यताप्राप्त हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन से अपनी पढ़ाई सफलतापूर्वक संपन्न की है। आवेदक के पास पूर्ण शुल्क भुगतान वाले अंतर्राष्ट्रीय छात्र के रूप में युनिवर्सिटी आफ एडीलेड का प्रवेश संबंधी प्रस्ताव पत्र होना चाहिए। आवेदक ने अपने प्रवेश प्रस्ताव में दर्ज होने के बतौर स्वीकार्यता प्रक्रिया पूरी की हो।

युनिवर्सिटी की प्राथमिक प्रतिष्ठित अंग्रेजी भाषा परीक्षाए हैं: आईईएलटीएस, टीओईएफएल, पीयर्सन टेस्ट आफ इंगलिश। अंग्रेजी का अपेक्षित स्तर न रखने वाले छात्रों को प्रवेश पाने से पहले अंग्रेजी भाषा में गहन कोर्स की पढ़ाई को संतोषजनक स्तर पर पूरा करना होगा। युनिवर्सिटी उपयुक्त अंग्रेजी भाषा कोर्स, एकेडमिक इंगलिश (पीईपी पाथवे) की व्यवस्था करेगी।

आवेदन कैसे करें: जो उम्मीदवार मानकों पर खरे उतरते हैं वे स्वत: विचार कर लिए जाएंगे।

आवेदन की अंतिम तिथि: स्कालरशिप साल भर खुली हैं।

यूके में युनिवर्सिटी आफ एसेक्स के एमबीए डिग्री प्रोग्राम के लिए अर्ली बर्ड डिस्काऊंट इंटरनेशनल अवार्ड के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। यह शैक्षणिक अवार्ड विश्व के हर देश के छात्रों के लिए उपलब्ध है।

योग्यता: वे छात्र जो पूर्णकालिक एमबीए प्रोग्राम के लिए आवेदन कर रहे हैं। यह स्कालरशिप पार्ट टाइम या डिग्री एप्रेंटिसशिप प्रोग्राम के लिए आवेदन करने वाले छात्रों के लिए उपलब्ध नहीं है। इस स्कालरशिप को ऐसेक्स एमबीए डीन्स अवार्ड के साथ जोड़ा जा सकता है जिसमें सिर्फ कोर्स फीस का पचास फीसदी से कम रियायत का प्रस्ताव है।

इसे कोर्स फीस के पचास फीसदी या अधिक की धनराशि की ऐसेक्स एमबीए डींस अवार्ड के साथ जोड़ा नहीं जा सकता। इस स्कालरशिप को अलूम्नी लाएलिटी डिस्काऊंट समेत अन्य युनिवर्सिटी आफ ऐसेक्स स्कालरशिप्स के साथ जोड़ा नहीं जा सकता है। आवेदक को भेजे गए प्रस्ताव को दो सप्ताह के भीतर प्रस्ताव संबंधी स्वीकृति देनी होगी।

भाषा शर्त : यदि अंग्रेजी आपकी प्रथम भाषा नहीं है, तो आपको आईईएलटीएस, टीओईएफएल का या अन्य स्वीकृत अग्रेजी भाषा योग्यता का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

आवेदन कैसे करें: युनिवर्सिटी में मास्टर डिग्री प्रोग्राम में प्रवेश लेने वाले आवेदकों पर स्वत: विचार कर लिया जाएगा।

आवेदन की अंतिम तिथि: 31 अक्टूबर, 2020।

डॉ. प्रतिमा शोरी का कहना है कि छात्र समझने लगे हैं कि एचआर में जन विश्लेषण किस तरह कर्मचारी आचरण को समझने के अलावा डाटा आधारिक फैसले लेने में उनकी सहायता करेगा।

अपनी विश्लेषणकारी योग्यताएं निखारें

इस तेजी से बदलती दुनिया में व्यापार रूपांतरण एक अनिवार्यता बन गया है। बहुआयामी संचार चैनलों के जरिए कर्मचारी की भागीदारी व सशक्तीकरण लाजिमी हो गया है। बीते कुछ सालों में, हमने स्थिरता, तयशुदा सोच और अन्य डिजीटल केन्द्रित गतिविधियों की स्वीकार्यता में तीव्र वृद्धि देखी है।

अतीत में, वित्तीय एवं कामकाजी प्रदर्शनों का आंकलन करने के लिए मात्रात्मक तरीके लागू किए जाते थे, लेकिन लोगों का मूल्यांकन करने के लिए गुणात्मक तरीके लागू करना हमेशा कठिन हुआ है। इसीलिए, जन विश्लेषण निश्चित रूप से खेल परिवर्तक बना रहा है। इसने आचरणगत डाटा का मूल्यांकन करने में सहायता की, मसलन जिस पर कर्मचारी कार्यरत हैं, आचरणगत बदलाव किस प्रकार कंपनी के आर्थिक प्रदर्शन को प्रभावित कर सकते हैं, कौन सी चीज संगठन में कर्मचारी आचरण को प्रभावित कर सकती है।

मानव संसाधन मैनेजरों की अपनी भूमिका में, एमबीए छात्रों ने अपने करियर में जन विश्लेषण की महत्ता को सीखना शुरू कर दिया है। छात्र समझने लगे हैं कि किस प्रकार एचआर में यह विशिष्ट क्षेत्र कर्मचारी आचरण को समझते हुए, डाटा संचालित फैसले लेने में उनकी सहायता करेगा। यह आधार जन विश्लेषण के तीव्र गति से उभरते क्षेत्र के साथ आता है जिसे संस्थान अपना रहे हैं क्योंकि वे वे डाटा का संस्थान में कर्मचारी की रोजगार यात्रा का मूल्यांकन करने में उपयोग करते हैं।

निम्न ऐसे तरीके हैं जो बताते हैं कि किस प्रकार यह कोर्स एच आर पेशेवरों को इंडस्ट्री के लिए तैयार कर रहा है:

कर्मचारी आचरण को प्रभावी ढंग से विश्लेषण: एक महत्वपूर्ण पक्ष, जिसे एक एचआर पेशेवर को सुनिश्चित करना चाहिए कि गहन स्तरों पर कर्मचारी आचरण पर नजर रखे। बेहतर मुआवजों के साथ कर्मचारी के प्रयासों की पहचानना कर्मचारी की खुशी और संतुष्टि से सीधे संबंधित होता है। जन विश्लेषण समस्त स्तरों पर कर्मचारियों के साथ भागीदारी की नयी तकनीकों के साथ चलने में एचआर पेशेवरों की सहायता करता है।

पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया: एचआर के लिए सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण कार्यों में से एक होता है विभाग विशेष की आवश्यकताओं के अनुकूल प्रतिभा का उचित भंडार तलाशना और पहचान करना कि किस विभाग में अपेक्षित योग्यताओं के संदर्भ में कमियां हैं। ऐसे मामलों में, जन विश्लेषण प्रतिभा में अपेक्षित योग्यताओं, प्रोफाइलों में से चुनना, पारदर्शी प्रोफाइलिंग गणना तथा प्रतिभा विकास पर समझ प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब ऐसे डाटा आधारित फैसले लिए जाते हैं तो इससे कंपनी को अपने प्रतिभा भंडार के साथ अपने लक्ष्यों को संयोजित करने में सहायता होती है।

संभावित बिजनेस प्रभाव का पूर्वानुमान: वर्तमान रूझान और ऐतिहासिक डाटा कर्मचारी प्रदर्शन मापने तथा बिजनेस के लिए मुनाफा बनाने में उपयोगी होते हैं। संस्थान समय के साथ बिजनेस रूझानों पर प्रभाव को समझ सकता है। कारक में असंगत प्रभाव भी संभव होता है। यह सब उचित जन प्रयासों का अनुपालन का पूर्वानुमान करने में सहायता कर सकता है ताकि सुनिश्चित हो कि बिजनेस सकारात्मक रूप में प्रभावित है।

संगठन में विविधता बढ़ाएं: विविधता किसी भी व्यापार के लिए एक प्रबल कारक है। कंपनी के सभी कर्मचारियो की जीवनशैली में, जन विश्लेषण विविधता की स्थिति का आंकलन करने में प्रमुख भूमिका निभाता है। यह अवांछित पूर्वाग्रहों के क्षेत्र पहचानने और समस्या क्षेत्रों का प्रभावी समाधान करने में भी सहायता करता है।

जन विश्लेषण एचआर क्षेत्र में प्रमुख उपादान बनकर उभरा है और कोई भी, जो ज्यादा रणनीतिक वर्क प्रोफाइल चाहता है, वह निश्चित रूप से इस क्षेत्र में विशेषज्ञता के लिए जा सकता है। आपको विशेषज्ञ बनाने के अलावा, विश्लेषण योग्यता निखार में तथा संस्थान की उन्नति व सुधार के लिए प्रमाण आधारित फैसले लेने में निश्चित रूप से आपकी सहायता करेगा।

–लेखक एससीएमएचआरडी, पुणे के निर्देशक हैं।

साइना ने शुरू की ट्रेनिंग, साइ केंद्र में शिविर से कुछ हफ्तों में जुड़ेंगी

अमित कुमार दास। नई दिल्ली

लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल कोरोना वायरस के कारण ब्रेक के बाद हैदराबाद में ट्रेनिंग दोबारा शुरू कर दी है और उनके कुछ हफ्तों में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) पुलेला गोपीचंद अकादमी में राष्ट्रीय बैडमिंटन शिविर से जुड़ने की उम्मीद है। साइना ओलंपिक पदक के उन आठ दावेदारों में शामिल है, जिन्हें साइ ने एक अगस्त को तेलंगाना सरकार की स्वीकृति के बाद साइ पुलेला गोपीचंद अकादमी में सात अगस्त से ट्रेनिंग शुरू करने की स्वीकृति दी है।

दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी साइना ने हालांकि फिलहाल अपने बैडमिंटन खिलाड़ी पति पारूपल्ली कश्यप और 2014 राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता आरएमवी गुरुसाईदत्त के साथ गोपीचंद अकादमी के समीप अलग केंद्र में ट्रेनिंग करने का फैसला किया है। राष्ट्रमंडल खेलों के पूर्व चैंपियन कश्यप ने एजेंसी से कहा कि हम एक हफ्ते से गोपीचंद अकादमी के पास केंद्र में ट्रेनिंग कर रहे हैं। यह छोटा केंद्र है। हमने बेसिक्स के साथ शुरुआत की है क्योंकि हम लंबे समय के बाद कोर्ट पर उतरे हैं। उन्होंने कहा कि साइना अभी हमारे साथ जुड़ी है। वह गोपीचंद अकादमी में संभवत: कुछ हफ्तों में ट्रेनिंग शुरू करेगी। वह अपनी फिटनेस और स्तर में सुधार करना चाहती है। उसने गोपी सर से स्वीकृति ली है और नए इंडोनेशियाई कोच आगुस ड्वी सांतोसो से इस बारे में चर्चा की है। दुनिया के 24वें नंबर के खिलाड़ी कश्यप का मानना है कि गोपीचंद अकादमी में इतने कोर्ट हैं कि कुछ और खिलाड़ियों को जोड़ा जा सकता है और ये सामाजिक दूरी और साइ के अन्य नियमों का पालन करते हुए ट्रेनिंग शुरू कर सकते हैं। लंदन ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले कश्यप से कहा कि आठ खिलाड़ियों में से चिराग, सात्विक और अश्विनी हैदराबाद में नहीं हैं, तो फिलहाल चार या पांच खिलाड़ी ही ट्रेनिंग करेंगे। वहां नौ कोर्ट हैं और खिलाड़ी आम तौर पर एक या दो घंटे ही ट्रेनिंग करते हैं इसलिए मुझे लगता है कि कुछ और खिलाड़ी वहां ट्रेनिंग कर सकते हैं। दुनिया के छठे नंबर के पूर्व खिलाड़ी कश्यप और युगल विशेषज्ञ बी सुमित रेड्डी भी हैदराबाद में हैं।

सिंधू ने भी गोपीचंद अकादमी में शुरू की ट्रेनिंग

विश्व चैंपियन पीवी सिंधू के अलावा बी साई प्रणीत और एन सिक्की रेड्डी ने कोरोना वायरस के कारण चार महीने के ब्रेक के बाद शुक्रवार को स्वास्थ्य और सुरक्षा के कड़े नियमों के बीच हैदराबाद की गोपीचंद अकादमी में ट्रेनिंग शुरू की। ओलंपिक में पदक के दावेदारों में शामिल पुरुष युगल जोड़ी के चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी अभी क्रमश: मुंबई और आंध्रप्रदेश के अमलापुरम में हैं। कोविड-19 के खतरे को देखते हुए ये शिविर से जुड़ने पर फैसला अगले कुछ हफ्तों में करेंगे। अंतरराष्ट्रीय सर्किट में सिक्की रेड्डी के साथ जोड़ी बनाने वाली महिला युगल खिलाड़ी अश्विनी पोनप्पा के अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर में अधिक स्पष्टता के बाद शिविर से जुड़ने की उम्मीद है। बेंगलूर की यह खिलाड़ी अभी प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी में ट्रेनिंग कर रही है। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत भी इस हफ्ते ट्रेनिंग शुरू करेंगे।

भारत और मोहन बागान के पूर्व खिलाड़ी मनितोम्बी का निधन

एजेंसी। कोलकाता

भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व डिफेंडर और मोहन बागान के कप्तान रहे मनितोम्बी सिंह का रविवार को 39 साल की उम्र में निधन हो गया। क्लब से जुड़े सूत्रों ने बताया कि उन्होंने मणिपुर के इंफाल के निकट अपने पैतृक गांव में रविवार को सुबह अंतिम सांस ली। वह लंबे समय से बीमारी से पीड़ित थे। उनके परिवार में पत्नी के अलावा आठ साल का बच्चा है।

क्लब ने ट्विटर पर पोस्ट किया, मोहन बागान परिवार को क्लब के पूर्व कप्तान मनितोम्बी सिंह के असामयिक निधन से गहरा दुख हुआ है। क्लब ने कहा कि इस मुश्किल समय में हमारी संवेदना परिवार के साथ है। मनितोम्बी सिंह की आत्मा को शाांति मिले। मनितोम्बी कोच स्टीफन कांस्टेंटाइन की उस भारतीय अंडर-23 टीम के प्रमुख सदस्य थे, जिसने 2003 में हो ची मिन्ह सिटी में वियतनाम को 3-2 से हराकर एलजी कप जीता था। सिंगापुर में 1971 में आठ देशों के टूर्नामेंट को जीतने के बाद यह भारत की पहली अंतरराष्ट्रीय खिताबी जीत थी। मनितोम्बी ने 2002 बुसान एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने 2003 में मोहन बागान के लिए पदार्पण किया और 2004 में उनकी कप्तानी में टीम ने ऑल एयरलाइन्स गोल्ड कप की विजेता बनी। वह आखिरी बार मणिपुर राज्य लीग में 2015-16 में खेले थे।

वीवो के साथ आईपीएल टाइटल प्रायोजन निलंबित होना

महज एक झटका, वित्तीय संकट नहीं: सौरभ गांगुली

एजेंसी। नई दिल्ली

19 सितंबर से यूएई में शुरू हो रहा है आईपीएल

2018 से 2022 तक पांच सालों के लिए किया था करार

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने चीनी मोबाइल कंपनी वीवो के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टाइटल प्रायोजन करार के निलंबित होने को महज एक झटका करार दिया और उन चर्चाओं को खारिज किया कि इससे वित्तीय संकट उत्पन्न हो सकता है। बीसीसीआई और वीवो ने भारत और चीन की सीमा पर हुई सैनिकों की भिड़ंत के कारण चीनी उत्पादों के बहिष्कार करने की बातों के चलते गुरुवार को 2020 आईपीएल के लिए अपनी भागीदारी निलंबित करने का फैसला किया, जो 19 सितंबर से संयुक्त अरब अमीरात में हो रही है।

टाइटल प्रायोजन आईपीएल के व्यवसायिक राजस्व का अहम हिस्सा है, जिसका आधा भाग सभी आठों फ्रेंचाइजी में बराबर-बराबर बांटा जाता है। वीवो ने 2018 से 2022 तक पांच साल के लिए 2190 करोड़ रुपये में (प्रत्येक वर्ष 440 करोड़ रुपये) आईपीएल टाइटल प्रायोजन अधिकार हासिल किए थे। गांगुली ने शैक्षिक किताबों के प्रकाशक एस चंद ग्रुप द्वारा शनिवार को आयोजित वेबिनार के दौरान कहा कि मैं इसे वित्तीय संकट नहीं कहूंगा। यह महज छोटा सा झटका है। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई बहुत मजबूत संस्था है। बीते समय में खेल, खिलाड़ियों, प्रबंधकों ने इस खेल को इतना मजबूत बना दिया है कि बीसीसीआई इन सभी झटकों से निपटने में सक्षम है। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, आप अपने अन्य विकल्प खुले रखते हो। यह इसी तरह है जैसे पहली योजना और दूसरी योजना। समझदार लोग ऐसा करते हैं। समझदार ब्रांड ऐसा करते हैं। समझदार कॉरपोरेट ऐसा करते हैं। उन्होंने कहा कि आप इसे एक ही तरीके से कर सकते हो कि आप कुछ समय के बाद पेशेवर रूप से मजबूत हो जाओ। बड़ी चीजें रातों रात हासिल नहीं की जातीं। और बड़ी चीजें रातों रात नहीं चली जातीं। लंबे समय के लिए आपकी तैयारियां आपको नुकसान के लिए तैयार रखती हैं और आपको सफलता के लिए तैयार रखती हैं।

गांगुली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के शुक्रवार को भारत को 2021 पुरुष टी-20 विश्वकप के मेजबान बरकरार रखने के फैसले के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि भारत को 2021 और 2023 विश्वकप की मेजबानी अधिकार दिए गए थे इसलिए इसमें बड़ा बदलाव नहीं हुआ। हां, कोविड-19 ने सभी को सतर्क रखा, लेकिन यह ऐसा ही है।

उम्मीद है महिला क्रिकेट को हासिए पर नहीं धकेला जाएगा: हीथर

लंदन। महिला एकदिवसीय विश्वकप 2021 के स्थगन से दुखी इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट ने उम्मीद जताई की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का यह फैसला सदस्य राष्ट्रों के लिए महिला क्रिकेट को हासिए पर घकेलने का बहाना बनाने का मौका नहीं देगा। कोविड-19 के कारण आईसीसी ने टूर्नामेंट को 2022 फरवरी-मार्च तक स्थगित कर दिया, लेकिन 29 साल की इस शीर्ष क्रिकेटर ने कहा कि टूर्नामेंट का आयोजन हो सकता था।

उन्होंने ट्वीट किया, ईमानदारी से कहूं तो काफी निराशा हुई है। मुझे पता है अभी की स्थिति में यह मुश्किल फैसला है जिस पर काफी विचार किया गया होगा, लेकिन न्यूजीलैंड में इसे आयोजित किया जा सकता था। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि अगले 12 महीनों तक विश्वकप नहीं होने की स्थिति में विभिन्न क्रिकेट बोर्डों द्वारा महिला क्रिकेट को हासिए पर ढकेलने के लिए यह कोई बहाना नहीं होगा। न्यूजीलैंड कोरोना वायरस से सबसे कम संक्रमित देशों में से एक है, जहां इसके महज 1569 मामले मिले, जिसमें से ज्यादातर बीमारी से उबर चुके हैं। न्यूजीलैंड की मेजबानी में होने वाले इस विश्वकप को छह फरवरी से सात मार्च 2021 तक खेला जाना था। आईसीसी ने शुक्रवार को बोर्ड की बैठक में महिला विश्वकप के इस 12वें सत्र को टालने का फैसला किया।

आईसीसी बोर्ड बैठक

कार्यसूची में अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया, दो-तिहाई या साधारण बहुमत शामिल

एजेंसी। दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की सोमवार को हाने वाली बोर्ड की ऑनलाइन बैठक की कार्यसूची में एकमात्र मुद्दा अगले स्वतंत्र अध्यक्ष के रूप में शशांक मनोहर के उत्तराधिकारी के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया को अंतिम रूप देना होगा। यह उम्मीद की जा रही है कि फैसला चाहे चुनाव से हो या सर्वसम्मति से, चयन की पूरी प्रक्रिया चार सप्ताह तक खत्म हो जाएगी। बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर एजेंसी से कहा कि आज (सोमवार) की बैठक की कार्यसूची में केवल नामांकन प्रक्रिया है। आम तौर पर, नामांकन दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया जाता है।

आमतौर पर आईसीसी में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होती है, लेकिन बोर्ड के कुछ सदस्य चाहते हैं कि 17 सदस्यों के बीच इसका फैसला साधारण बहुमत से हो जाए। आईसीसी के 17 बोर्ड सदस्यों में 12 टेस्ट खेलने वाले देश, तीन सहयोगी राष्ट्र (मलेशिया, स्कॉटलैंड, सिंगापुर), अध्यक्ष (इस मामले में अंतरिम) और स्वतंत्र निदेशक (पेप्सिको के इंद्रा नूई) शामिल हैं। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनु साहनी भी आईसीसी बोर्ड का हिस्सा हैं, लेकिन उनके पास मतदान का अधिकार नहीं है। एक उम्मीदवार को आईसीसी के किसी पूर्व या वर्तमान निदेशक द्वारा नामित किया जा सकता है, लेकिन चुनाव के लिए उम्मीदवारी तय करने के लिए उसके पास दो वर्तमान निदेशकों का समर्थन होना चाहिए। इस बात पर चर्चा हुई है कि क्या किसी पूर्व निदेशक द्वारा किसी मौजूदा अधिकारी को मनोनीत करना वैध होगा या नहीं। जहां तक उम्मीदवारों का संबंध है, तो इमरान ख्वाजा (सिंगापुर के वर्तमान अंतरिम चेयरमैन) सहित कुछ अन्य नामों पर चर्चा हो रही है। कोई सर्वसम्मत उम्मीदवार नहीं होने के कारण घोषणा में लंबा समय लग रहा है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के पूर्व प्रमुख कॉलिन ग्रेव्स मनोहर की जगह लेने वालों की दौड़ में सबसे आगे हैं, जबकि वेस्टइंडीज क्रिकेट के पूर्व प्रमुख डेव कैमरन ने भी दावा किया है कि उनके पास चुनाव लड़ने के लिए जरूरी संख्या है।

संक्षिप्त समाचार

डस्टिन जॉनसन ने पीजीए चैंपियनशिप में बनाई बढ़त

सान फ्रैंसिस्को। अनुभवी गोल्फर डस्टिन जॉनसन तीसरे दौर में शनिवार को आठ बर्डी के साथ पांच अंडर 65 के कार्ड से पीजीए चैंपियनशिप में एक शाट की बढ़त हासिल की। उन्होंने किसी मेजर चैंपियनशिप के 157 दौर में पहली बार आठ बर्डी लगाई हैं। उनका कुल स्कोर नौ अंडर 201 है। स्कॉटी शेफलर (पांच अंडर) और कैमरून चैम्प (तीन अंडर) आठ अंडर 202 के कुल स्कोर के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। पिछले दो बार के विजेता ब्रुक्स कोइपका तीसरे दौर में लय बरकरार नहीं रख पाए और एक अंडर 69 के कार्ड के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर खिसक गए। उनका कुल स्कोर सात अंडर 203 है। उन्हें लगातार तीसरी बार किसी मेजर टूर्नामेंट को जीतने वाला सातवां खिलाड़ी बनने के लिए आखिरी दौर में शानदार खेल दिखाना होगा।

सेरेना विलियम्स फिट, छह माह के बाद खेलने को तैयार

लेक्सिंगटन (अमेरिका)। अमेरिका की 23 बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स अब पूरी तरह फिट हैं और छह महीने के ब्रेक के बाद टेनिस खेलने को तैयार हैं। वह लेक्सिंगटन के निकट सोमवार से शुरू होने वाले पहले टॉप सीड ओपन की तैयारियों में जुटी हैं। इस टूर्नामेंट को हाल में हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट में शामिल किया गया है, जो इस महीने न्यूयार्क में होने वाले अमेरिकी ओपन की तैयारी का काम करेगा। मार्च के बाद अमेरिका में पहला डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट होगा जिसमें दर्शक नहीं जा सकेंगे। इसमें सेरेना की बहन और सात बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स, विक्टोरिया अजारेंका, स्लोआने स्टीफंस और उभरती हुई स्टार कोको गॉफ हिस्सा लेंगी। 9वीं रैंकिंग की खिलाड़ी सेरेना फरवरी में फेड कप में अमेरिका के लिए खेली थीं, उसके बाद से यह उनका पहला टूर्नामेंट होगा। सेरेना को खून के थक्के और फेफड़े संबंधित समस्याएं रही हैं, जिससे उन्हें कोविड-19 को लेकर ज्यादा सतर्क रहना होगा। 38 साल की खिलाड़ी ने कहा, मुझे काफी बचकर रहना होगा क्योंकि टेनिस खेलना ठीक है लेकिन यह मेरी जिंदगी है और यह मेरा स्वास्थ्य है।

'हमने मौके गंवाए, इंग्लैंड की जीत का श्रेय वोक्स और बटलर को'

एजेंसी। मैनचेस्टर

पाकिस्तान के कप्तान अजहर अली ने तीन मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट में इंग्लैंड की जीत का श्रेय जोस बटलर और क्रिस वोक्स की साझेदारी को देते हुए कहा कि उनकी टीम मौकों को भुनाने में नाकाम रही। उन्होंने कहा कि ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे दिन पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड द्वारा पेश की गई चुनौती का मुकाबला करने में विफल रही, जिससे उन्हें तीन विकेट की हार का सामना करना पड़ा।

अली ने मैच के बाद कहा कि यह शानदार टेस्ट मैच था, लेकिन हारने वाली टीम होना निराशाजनक है। हमारे पास इंग्लैंड को ऑल आउट करने का मौका था, हमने रन आउट के कई मौकों को गंवा दिए। टेस्ट क्रिकेट में यह किसी अपराध की तरह है। मैच जीतने के लिए यह स्कोर काफी था। मैच के चौथे दिन शनिवार को जीत के लिए 277 रन का पीछा कर रही इंग्लैंड की टीम एक समय 117 रन पर पांच विकेट गंवा कर संघर्ष कर रही थी। इसके बाद बटलर (75) और वोक्स (नाबाद 84) ने छठे विकेट लिए 139 रन की साझेदारी कर के इंग्लैंड को तीन विकेट से जीत दिला दी। अजहर ने कहा कि उन्होंने दबदबा बना लिया और पिच से भी कोई मदद नहीं मिल रही थी। उन्होंने रुख बदल दिया और हम उनकी चुनौती का जवाब नहीं दे सके। रूट ने कहा कि खिलाड़ियों पर इससे अधिक गर्व नहीं किया जा सकता। शानदार साझेदारी (वोक्स और बटलर के बीच) और उससे से शानदार उनका तरीका था।

अकरम ने अली की कप्तानी की आलोचना की

मैनचेस्टर। महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने पाकिस्तानी कप्तान अजहर अली के इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में लिए गए फैसलों की काफी आलोचना की और कहा कि वह यहां मेहमान टीम को मिली तीन विकेट की हार के दौरान कुछ दफा योजना से भटक गए। अकरम ने अली के फैसलों की आलोचना की कि उन्होंने तेज गेंदबाज नसीम शाह का इस्तेमाल अच्छी तरह नहीं किया जिन्हें दूसरी पारी में 82 में से महज 13 ओवर के लिए इस्तेमाल किया गया। अकरम ने कहा कि इससे दुख होगा। इससे पाकिस्तानी टीम को नुकसान होगा और पाकिस्तान क्रिकेट प्रशंसकों को दुख होगा। उन्होंने कहा कि जीतना और हारना क्रिकेट का हिस्सा है, लेकिन मुझे लगता है कि जहां तक उसकी कप्तानी का सवाल है तो हमारा कप्तान इस मैच के दौरान कई बार योजना से भटक गया। इंग्लैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए जोस बटलर (75) और क्रिस वोक्स (नाबाद 84 रन) की मदद से चौथे दिन जीत दिला दी।

हमने इंग्लैंड को दबाव कम करने का मौका दिया: मिस्बाह

एजेंसी। मैनचेस्टर

पाकिस्तान के मुख्य कोच मिस्बाह-उल-हक यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में अपनी टीम की बल्लेबाजी से खुश नहीं थे। जिस तरह उनकी टीम ने इंग्लैंड को लक्ष्य हासिल करने का मौका दिया, वह मिस्बाह के लिए अधिक निराशाजनक रहा। जीत के लिए 277 रन का पीछा कर रही इंग्लैंड की टीम शनिवार को मैच के चौथे दिन एक समय 117 रन पर पांच विकेट गंवा कर संघर्ष कर रही थी। इसके बाद जोस बटलर (75) और क्रिस वोक्स (नाबाद 84) ने छठे विकेट के लिए 139 रन की साझेदारी कर मैच पर पाकिस्तान के दबदबे को खत्म कर दिया।

तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से पिछड़ने के बाद मिस्बाह ने कहा कि हम काफी निराश है कि हमने इंग्लैंड के पांच विकेट झटकने के बाद उन्हें वापसी का मौका दिया। बटलर और वोक्स जिस तरह से हमारे गेंदबाजों पर जवाबी हमला किया, वह बहुत ही शानदार था। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, हम दूसरी पारी में बल्ले से बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। अगर लक्ष्य 300 से अधिक का होता तो यह एक अलग परिदृश्य होता। यहां की पस्थितियों में इंग्लैंड के बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ दूसरी पारी में बड़ा स्कोर खड़ा करना बहुत महत्वपूर्ण है। मिस्बाह ने कहा कि बटलर और वोक्स की साझेदारी ने इस मैच का रूख मोड़ दिया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि उस समय तक मैच हमारे हाथ में था। लेकिन उस साझेदारी ने खेल को पूरी तरह से हमसे दूर कर दिया।

बटलर ने कहा, इस पारी से पहले लगा था कि यह आखिरी टेस्ट होगा

मैनचेस्टर। पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में शानदार अर्धशतक लगाकर इंग्लैंड की जीत के सूत्रधार रहे विकेटकीपर जोस बटलर ने कहा कि इस मैच से पहले उन्हें लगा था कि यह उनका आखिरी टेस्ट हो सकता है। बटलर ने इस मैच से पहले 13 पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक लगाया था। तीन मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट में उन्होंने आक्रामक अंदाज में 75 रन बनाने के साथ क्रिस वोक्स (नाबाद 84) के साथ छठे विकेट के लिए 139 रन की साझेदारी कर टीम की जीत सुनिश्चित की।

इस मैच में विकेट के पीछे भी उनका प्रदर्शन औसत रहा था, जिसके बाद टीम में उनकी जगह को लेकर आलोचना हो रही थी। श्रृंखला में 1-0 की बढ़त लेने के बाद इंग्लैंड के विकेटकीपर ने कहा कि कई बार जब आप अकेले होते है, तो आप इस बारे में सोचते है। निश्चित रूप से मेरे मन में ऐसी बातें आ रही थी कि अगर इस मैच में मैं रन बनाने में विफल रहा तो यह मेरा आखिरी टेस्ट मैच होगा। उन्होंने स्काई स्पोर्ट्स से कहा कि मुझे पता है कि मैंने अच्छी विकेटकीपिंग नहीं की, मैंने कुछ मौके गंवाए। इस स्तर पर आप ऐसा नहीं कर सकते। ऐसे में इस बात पर कोई फर्क नहीं पड़ता की आपने कितने रन बनाए। आपको अच्छा करना (विकेटकीपिंग) होगा, मुझे यह पता है। उन्होंने कहा कि टीम की जीत में योगदान देने की उन्हें खुशी है। उन्होंने कहा, आपको मैदान से बाहर की चीजों को पीछे छोड़कर यहां मैच की स्थिति पर ध्यान देना होता है। मुझे इस बात की खुशी है कि मैं ऐसा कर सका।

रूट ने बटलर के जज्बे की तारीफ की

मैनचेस्टर। जोस बटलर ने पाकिस्तान के खिलाफ यहां पहले टेस्ट में इंग्लैंड को नाटकीय जीत दर्ज कराने में अहम भूमिका निभाने के बाद अपने पिता के स्वास्थ्य और टीम में अपना स्थान गंवाने को लेकर चिंता व्यक्त की, जिसके बाद इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने उन्हें अपनी कैप उतारकर पहनाई और उनके जज्बे की प्रशंसा की। बटलर ने तब क्रिस वोक्स के साथ 139 रन की भागीदारी निभाई जब टीम 117 रन पर पांच विकेट गंवाकर जूझ रही थी। उन्होंने 75 रन की पारी खेली लेकिन उन्होंने अपने पिता जॉनी के बारे में चर्चा नहीं की जिन्हें स्वास्थ्य सबंधित समस्या के कारण बीती शाम अस्पताल में बितानी पड़ी थी। रूट ने इस मुश्किल समय में अपने साथी खिलाड़ी के मजबूत जज्बे के लिए प्रशंसा की।

'एनएसएफ को प्रश्नावली का जवाब देने के लिए और समय मांगना चाहिए'

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) चाहता है कि खेल मंत्रालय राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के पदाधिकारियों की उम्र और कार्यकाल संबंधित जानकारी के लिए प्रश्नावली के जवाब के लिए समयसीमा बढ़ा दे, जो दिल्ली उच्च न्यायालय में एनएसएफ की मान्यता पर लंबित मामले के लिए काफी अहम है। मंत्रालय ने 57 एनएसएफ से इस प्रश्नावली का जवाब 11 अगस्त तक देने को कहा है। इन एनएसएफ की अस्थाई मान्यता राष्ट्रीय खेल संहिता के उम्र और कार्यकाल दिशा-निर्देशों के उल्लघंन के लिए उच्च न्यायालय के निर्देश पर वापस ले ली गई थी। इस मामले की अगली सुनवाई 21 अगस्त को है।

आईओए हालांकि चाहता है कि एनएसएफ को और समय दिया जाए, क्योंकि वे कोविड-19 महामारी के कारण कम स्टाफ के साथ काम कर रहे हैं। आईओए इस मामले पर चर्चा के लिए खेलमंत्री किरेन रिजिजू के साथ बैठक करना चाहता है। आईओए ने कहा कि यह संवेदनशील मुद्दा है और हम सभी को एकजुट रहने की जरूरत है क्योंकि प्रश्नावली में उठाए गए कई मुद्दे खेल संहिता का हिस्सा नहीं है। यह मामला अब दिल्ली उच्च न्यायालय में चल रहा है और हमें सतर्क रहने की जरूरत है।

आईओए अध्यक्ष नरिंदर बत्रा और महासचिव राजीव मेहता ने संयुक्त बयान में कहा कि हमारा सुझाव है कि सभी एनएसएफ जवाब देने के लिए तुरंत चार हफ्ते का समय मांगे क्योंकि ज्यादातर एनएसएफ के कार्यालय का स्टाफ कोविड-19 के कारण काम पर नहीं आ रहा। ये दोनों सोमवार को बैठक करेंगे और रिजिजू से मिलने का समय मांगेगे। बयान के अनुसार, अध्यक्ष और महासचिव सोमवार 10 अगस्त को इस मुद्दे पर चर्चा के लिए मिलेंगे और खेलमंत्री से मिलने का समय मांगेगे।

बार्सीलोना और बायर्न म्यूनिख चैंपियन्स लीग क्वार्टर फाइनल में

एजेंसी। बार्सीलोना

बार्सीलोना ने चैंपियन्स लीग के अंतिम 16 मुकाबले के दूसरे चरण के फुटबॉल मैच में शनिवार को नैपोली को 3-1 से हराकर 4-2 से कुल स्कोर के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की, जहां उसका सामना बायर्न म्यूनिख से होगा। बार्सीलोना की इस जीत में दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी का शानदार गोल भी शामिल था, जिन्होंने मैच के 23वें मिनट में अपने दम पर नैपोली के खिलाड़ियों को छकाते हुए गोल कर टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। इससे पहले मैच के 10वें मिनट में क्लेमेंट लेंगटे ने गोल कर टीम का खाता खोला था।

बार्सीलोना को लुइस सुआरेज ने मध्यांतर से पहली पेनल्टी को गोल में बदल कर टीम की बढ़त को 3-0 कर दिया। इसके चार मिनट बाद नैपोली के लिए लोरेंजो इंसिगने ने पेनल्टी को गोल में बदल कर अंतर कम किया। दूसरे हाफ में दोनों टीमें गोल करने में विफल रही। दोनों टीम के बीच पहले चरण का मैच 1-1 से ड्रा रहा था। म्यूनिख में खेले गए एक अन्य मुकाबले में बायर्न ने चेल्सी को दूसरे चरण के मैच में 4-1 से हराकर कुल 7-1 के कुल स्कोर के साथ अंतिम आठ में जगह पक्की की। रॉबर्ट लेवांडोस्कि ने इस मैच में दो गोल किए। इवान परिसिच और कोरेंटिन टोलिस्सो ने भी एक-एक गोल दागा। चेल्सी के लिए एकमात्र गोल टैमी अब्राहम ने किया। फरवरी में खेले गए पहले चरण के मैच में बायर्न ने चेल्सी को 3-0 से हराया था। शुक्रवार को दोनों टीमों के बीच क्वार्टर फाइनल मुकाबला पुर्तगाल के लिस्बन में होगा।

जड़ों की ओर वापसी

सरिता बरारा का कहना है कि हालांकि कोरोना ने हिमाचल में अपनी परंपरा को पुनर्जीवित करने में लोगों की सहायता की है, मगर वे संभावित अनिश्चितताओं को लेकर सशंकित हैं

महामारी ने विभिन्न, अथाह आयामों के स्तर पर दुनियावी मामलों को प्रभावित किया है। इसके त्वरित प्रभाव हर एक को नजर आए थे क्योंकि दोनों (जनता और सरकारें) इस नए वायरस द्वारा प्रभावित हुए थे। जैसे-जैसे महीने बीते हैं और हमारे बुनियादी ढांच की खामियों से सबसे गरीब लोग बुरी मार खा रहे हैं, महामारी एक ऐसी दुनिया को सामने ला रही है, जहां कुछ लोग प्रकृति के करीब रहने के परंपरागत तरीकों की ओर लौटने का प्रयास कर रहे हैं वहीं कुछ लोग इस वापसी से बहुत आशान्वित नहीं हैं।

भारत के पहाड़ी राज्य, हिमाचल प्रदेश के दूरदराज गांव इसी दुविधा का सामना कर रहे हैं, जहां एक तरफ, कोविड-19 ने लोगों को जीवन जीने के ज्यादा सामुदायिक तरीके तलाशने के लिए मजबूर किया है, वहीं दूसरी ओर, लोगों की परस्पर दूरी बनी है। पहले के दिनों में, अधिकांश गांव-

बुआरी, परंपरा का धार्मिक भाव से पालन करते थे जो परस्पहर सहयोग की भावना पर आधारित थी। दुर्भाग्यवश, वायरस के फैलने से पहले, यह परंपरा गांव के सामाजिक परिवेश से लुप्त होती गई है।

बुआरी क्या है?

अगर किसी खास दिन किसी गांववासी को फसल काटनी होती थी तो गांव का हर व्यक्ति उस काम को पूरा करने में उसका हाथ बंटा देता था। अन्य किसानों के मामले में भी ऐसा ही था। एक साथ मिलकर, वे पारंपरिक लोक गीतों को गाते, तथा बांटकर खाते हुए खेतों में फसल काटने में दिन बिताते थे। आपसी सहयोग सिर्फ खेती तक सीमित नहीं था, बल्कि एक दूसरे के घरों का निर्माण भी वे मिलकर ही करते थे। कोई भी मजदूरों को काम पर नहीं रखता था, क्योंकि गांव वाले एक साथ मिलकर घर के मालिक के घर की नींव डालते थे। धीरे-धीरे, लोगों ने बेहतर रोजगार अवसरों के लिए शहरों की ओर जाना शुरू कर दिया। इसने कृषि परंपराओं में बदलाव लाया, जिसमें वे अपनी खेती योग्य जमीन व चारागाहों को ठेके पर या आप्रवासी मजदूरों को किराए पर देना शुरू किया, ज्यादातर सब्जियां, फल और अन्य फसलें उगाने के लिए। ये आप्रवासी मजदूर यूपी, बिहार, झारखंड जैसे राज्यों से आते थे या नेपाल के गोरखा होते थे और जिन्हें अधिकांशतया सेब उगाने वालों द्वारा किराए पर रखा जाता था।

कोविड उपरांत दुनिया में बुआरी की वापसी

शिमला जिले के ग्राम पंचायत माझीवार में शिल्ल गांव के लायकराम को लगता है कि वो परंपरा जो विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गई थी, ने वायरस फैलने से उत्पन्न हुई स्थिति में अनोखी वापसी की है। लायक राम बताते हैं, 'जैसे ही मैं देशव्यापी तालाबंदी के कारण अपने गांव लौट कर आया, मैंने अपनी जमीन पर उस हिस्से पर खेती करने का फैसला किया, जहां जबरदस्त झाड़ियां और जंगली पौधे उगे हुए थे, कि वहां खेती करना संभव नहीं लग रहा था। हां, गांव वालों ने उस पूरी अनचाही प्रगति को हटाने और जमीन को फिर से खेती योग्य बनाने में मेरी सहायता की। सालों से बंजर पड़ी जमीनों को अब वापसी करने वालों द्वारा जोता जा रहा है।'

उनकी पत्नी, मीनाक्षी ने बताया कि किस तरह अनारदाना और अनार तोड़ने के समय खाने वाले व श्रमसाध्य काम को साझा काम करने के कारण आसान बना दिया गया था। दंपत्ति को उम्मीद है कि परंपरा उन लोगों की सहायता करेगी जो अपनी जड़ों से दोबारा जुड़ने के लिए गांव वापस आए हैं।

शारीरिक श्रम के विस्मृत प्रतिफल को लेकर यशपाल शर्मा को हालांकि संदेह है। शिमला के टूरिस्ट नगर से बहुत ज्यादा दूर नहीं, एक होटल में जनरल मैनेजर के रूप में काम करने के बाद, उन्हें अपने मूल गांव अल्लाना लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि होटल तालाबंदी आदेशों के बाद बंद हो गए थे। यशपाल को लगता है कि दूसरों के सहयोग के बावजूद खेतों में काम करना बहुत मेहनत वाला काम है। उनके दो भाई, वे भी सोलन और चंडीगढ़ में होटल उद्योग में थे और जो वापस आने को मजबूर हुए, ने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। अपने लाभदायक और आरामदायक नौकरियां खोने के बाद, वे अब अपने जमीन पर नगदी फसलें उगा रहे हैं। उन्होंने सवाल किया, 'इसमें संदेह नहीं कि हम खेतों में एक साथ मिलकर काम करने वाले सभी लोगों के साथ मिलकर संयुक्त परिवार के फायदों का सुख ले रहे हैं और घरेलू कार्यों की जिम्मेदारियां उठा रहे हैं। लेकिन कब तक?'

उनके लिए, एक अनिश्चयता की स्थिति है कि होटल उद्योग कब तक बंद रहेगा, उन्हें वापस अपनी नौकरी मिलेगी या नहीं। इसके अलावा, वायरस के फैलने से, उन्हें यह भी भरोसा नहीं है कि जो सब्जियां वे उगा रहे हैं उसके अच्छे दाम मिलेंगे या नहीं।

कोरोना और संदेह

वह कहते हैं कि हालांकि बुआरी भावना के बारे में बात करना अच्छा है, लेकिन गांव वालों की बिलकुल अलग राय होती है यदि कोई कुछ बुनियादी सामान खरीदने के लिए बाजार जाता है। 'गांव वाले आपको संदेह की निगाह से देखते हैं। वापसी को लेकर भय और संदेह का माहौल है।' सचिन शर्मा जो हिमाचल प्रदेश के औद्योगीकृत नगरों में से एक, बद्दी में सूत और कपड़ा बनाने वाली ईकाई में काम कर रहे थे, कहते हैं, 'हां, यह सच है।' शुरुआत में लोग उन्हें नमस्कार करने तक में डरते थे कि वे शायद वायरस से संक्रमित हो सकते हैं।

लेकिन यशपॉल के विपरीत, वह अब स्थायी रूप से अपने गांव में रहना चाहते हैं। सचिन जो गांव लौटने वाले अन्य लोगों की सहायता से अपने खुद के गांव में एक ईकाई स्थापित करने को लेकर आशांवित हैं, बताते हैं, 'मैं अच्छे के लिए यहां आया हूं और मैं अपनी नौकरी पर वापस नहीं जा रहा हूं। मैंने सूत, कपड़ा बनाने और उत्पादों की मार्केटिंग के लिए आवश्यक सारी प्रक्रियाएं सीख ली हैं।'

वह उन सभी चुनौतियों के प्रति काफी सजग नजर आए जिनका कि वे सामना करेंगे, लेकिन वह एक दिन इसे स्थापित करने को लेकर दृढ़ हैं। कोरोना ने यशपाल, उनके भाइयों, सचिन और शेष हिमाचली लोगों के जीवन को बहुत जबरदस्त ढंग से प्रभावित किया है। हर कोई यह सुनिश्चित करने के तरीकों के बारे में सोच रहा है कि वे अपने परिवारों को सुरक्षित रखने के लिए सही दिशा में अगले कदम उठाएं हालांकि सही उत्तर अभी भी अनुपस्थित है।

- चरखा फीचर्स

प्रकृति की खोज में

रेणुका सोढ़ी गुलाटी ने दुनिया के शीर्ष छह कलाकारों में अपना स्थान बनाया है

हाल में आयोजित की गई, आइसोलेशन से प्रेरित, न्यूयार्क आर्ट कम्पटीशन के दौरान, कलाकार रेणुका सोढ़ी गुलाटी, एकमात्र भारतीय मूल की महिला, ने दुनिया के चोटी के छह कलाकारों में अपनी जगह बनाई है। रेणुका ने कहा कि वह लोगों से मिले सहयोग के लिए उनकी हमेशा शुक्रगुजार रहेंगी। उन्होंने आगे कहा, 'मैं जंगलों के करीब अपना जीवन बिताया है। मैं प्रकृति की अहमियत समझती हूं। द लिविंग आर्क सीरीज पूर्णतया, अपने महत्व का दावा करती, प्रकृति से संबंधित है। सीरीज इंसानों व पर्यावरण के बीच संबंध की एक असरदार और चिंतनशील खोज है।'

शुरू में, उन्होंने दैनिक प्रतियोगिता में भाग लिया और जीत हासिल की, फिर अर्द्धसाप्ताहिक प्रतियोगिता और फिर वह प्रतियोगिता के शीर्ष छह में आ गई और चेल्सिया, न्यूयार्क में अगोरा आर्ट गैलरी में अपनी कलाकृतियों की एक साल की प्रदर्शनी लगाने का पुरस्कार प्राप्त हुआ। साल के दौरान, हजारों कलाप्रेमियों व कला संग्राहकों को उनकी पेंटिंग्स, कलाकृतियों और प्रिंट आर्टवर्क्स को देखने का मौका मिलेगा। साल भर की प्रदर्शनी के लिए चुनी गई 16 कलाकृतियां हैं, द लिविंग आर्क (चार कलाकृतियां), द ग्रेंसफुल स्ट्राइप्स (दो कलाकृतियां), सेव मी सेल द वर्ल्ड, इन माई ड्रीम्स, द पावर प्ले, इंटीमेसी, सर्च फार इटर्निटी एवं इल्यूशंस एट रेस्ट।

उन्होंने मानव का प्रकृति के प्रति दोहनकारी रवैया और परिणामस्वरूप इस तबाही के असर के बीच के संबंध को गहराई से परखा है। लकड़ी के लट्ठ वाली सीरीज बाइबिल की नोआज आर्क की कहानी में ले जाती है, तो दुनिया की आज की स्थिति पर विचार करती है, खासतौर पर कोविड-19 महामारी की रोशनी में। यह सीरीज धरती पर जगह के मालिकाने के सवाल को भी पटल पर लेकर आती है।

दुनिया भर में तालाबंदी के दौरान, शहरी इलाकों में अपना रास्ता बना रहे जानवरों तथा आने जाने की स्वतंत्रता के पुनर्दावे, पेंटिंग्स में जीवन के विभिन्न हिस्सों पर चमकते वन्यजीवन के साथ गूंजते हैं। धरती मां का पालना, जो कि सभी प्राणियों के लिए होता है, सभ्यता और इंसानी रिहाइशों के फैलाव द्वारा छीन लिया गया था। अपनी पेंटिंग्स में, रेणुका हमें अपने कारनामों के नतीजों पर गहराई से विचार कराती हैं जिन्होंने जानवरों को अभ्यारण्यों या चिड़ियाघर में बंद कर दिया था। सीरीज में एक पेंटिंग जीवन के उस हिस्से को प्रमुखता पाते देखती है, जिसमें कुछ लोग कैनवस के केंद्र में काबिज हैं, मगर तेजी से घात लगाए खड़ा चीता, मासूम हिरन, और जीवन नौका पर चढ़ने के लिए जाती हुई लड़की। हालांकि आर्क का सबसे महत्वपूर्ण वस्तु है ग्रीन हार्ट, स्पष्टतया अपनी धमनियों व शिराओं के साथ, जो स्वाभाविक तौर पर व्यक्तर करता है कि प्रकृति धरती का हृदय है।

एक हिंसामुक्त दुनिया रचने का समय

निशस्त्रीकरण की बहस अभी कुछ समय से चलती आई है, लेकिन फिर इसने क्यों नहीं एक वास्तविक बदलाव का रूप लिया है? सवाल करते हैं राजयोगी ब्रम्हकुमार निकुंज जी

दुनिया की एक पूर्वाग्रह मुक्त समीक्षा, खासतौर पर हालिया अतीत में घटी घटनाओं के संदर्भ में, बता देगी कि विकास के साहसिक कदम उठाने के बावजूद, कुल मिलाकर दुनिया के सरकारी मामलों में निरंतर गिरावट बनी हुई है। हर रोज, हम जागकर अखबारों में पढ़ते हैं कि दुनिया के किसी हिस्से में नया युद्ध शुरू हो गया है, पुराना टकराव बढ़ गया है या कि पुलिस ने भीड़ पर गोली चलाई है। दुनिया अत्यंत भ्रम व भयानक उथल-पुथल की अवस्था में जाती नजर आती है। राजनीतिक, आर्थिक व सामुदायिक ढांचे निरंतर सुधार की अवस्था में जाते नजर आते हैं। हर कहीं सुधार और चिप्पीकारी के प्रयास किए जा रहे हैं, फिर भी रोज, हम स्वस्थ, सामान्य व शांतिपूर्ण स्थिति से दूर खिसकते नजर आते हैं।

अहंकार, नाम और प्रसिद्धि की अतृप्त लालसा और सत्ता और पद की अंधाधुंध दौड़ धार्मिक गुरुओं में मन में भी हावी होती नजर आती है। स्थिति इतनी बुरी हो गई है कि आज कोई सदिच्छा में मित्रों, अपने छोटे भाइयों व कनिष्ठों तक से सलाह का एक शब्द नहीं कह सकता। आस्था, प्रेम और अहिंसा अब काल्पनिक बातें हो गई हैं और अब हम इन्हें कमजोर इच्छा या समर्पणकारी संस्कृत के संकेतक समझते हैं। व्यक्ति को स्मार्ट, दावेदार, मुखर और यहां तक चतुर, चालबाज, काइयां, निष्ठुर तथा उपद्रवी होने के स्तर पर प्रदर्शनवादी बनने के लिए कहा जाता हैं। शिक्षण एवं शिक्षा के अनेक संस्थानों में अनुशासनहीन आक्रामकता है। ऐसे लोगों द्वारा कानून का खुला उल्लंघन किया जाता है, जिन्हें कानून के सुरक्षात्मक हाथ या संरक्षक माना जाता है। संक्षेप में लगभग हर कहीं तनाव है।

निशस्त्रीकरण पर बहस दशकों से चलती आई है, लेकिन ऐसा लगता है कि दुनिया के नेता बिलकुल ही भिन्न मन:स्थिति में हैं। इसलिए इस समस्या का समाधान हल होने के मामले में बहुत जटिलता भरा नजर आता है। दुनिया के मसले ऐसे है कि आज यदि एक देश गंभीरतापूर्वक दूसरे को समर्पण व युद्धविराम का प्रस्ताव देता है, तो दूसरा यह कहकर उसे खारिज कर देता है कि अब बहुत देर हो गई। इसलिए कोई पूछ सकता है, 'ऐसे परिदृष्य में, कौन किसको आक्रामकता व परमाणु हथियारों से रोकेगा?' 'विश्व पटल पर क्या कोई एक ऐसी आत्मा है, जिसके पास ऐसा नैतिक प्राधिकार, एक निर्विवादित रिकार्ड व सार्वभौमिक लोकप्रियता है, जो अपने खुद की हैसियत के दम पर अपने नैतिक प्रभाव का उपयोग कर सके और ऐसे आक्रामक कार्यों को रोकने की अपील कर सके?' 'एक ऐसी दुनिया को, जिसने ईसा या बुद्ध या महात्मा गांधी की अहिंसा का त्याग करने की सलाह को नजरंदाज किया है, कौन नैतिक स्तर पर बाध्य कर सकता है कि हथियारों को छोड़ो और प्रेम और करूणा के साथ काम करो?'

स्वभाव से, मानव आम तौर पर जीवन में कड़वी सच्चाइयों व कठिन सवालों से बचना चाहता है। अगर कोई खामियाजों का पूर्वानुमान करते हुए, पहले से, भावी अशुभ घटनाओं की ओर इशारा करता है, तो अगला को उदारता से नहीं लेता और उसके सावधानी के शब्दों पर शांतिपूर्वक व ध्यानपूर्वक विचार नहीं करता। इस मामले में लोगों का नजरिया यही हो सकता है। लेकिन व्यक्ति अपने पवित्र कर्तव्य व ईमानदारी और गंभीरता की समस्याओं को नजरंदाज करेगा यदि वह ऐसे मामलों में सीधा सच नहीं बोलता है और खुलकर नहीं कहता है कि व्यक्ति को ऐसे मामलों पर सोचने में यथार्थवादी होना चाहिए। उसे निर्भीक होकर खुद से पूछना चाहिए कि क्या वह सचमुच अपने मन की गहराई में सोचता है कि निशस्त्रीकरण असलियत में लागू किया जा पाएगा? या क्या वह सोचता है कि सदी के दौरान घटनाओं की शृंखला दुनिया को तेजी से उस छोर पर ले जा रही है, जिससे कि नई सभ्यता का निर्माण हो सके जिसमें कोई हिंसा और युद्ध नहीं हो?